रांची, मंगलवार
29.09.2026
वर्ष : 11, अंक : 297, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का प्रस्ताव पास किया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने सोमवार को एक प्रस्ताव पास किया, जिसमें भारत सरकार से जम्मू-कश्मीर को तुरंत पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग की गई है। यह प्रस्ताव मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को पेश किया था। प्रस्ताव में कहा गया है कि सदन भारत सरकार से जम्मू-कश्मीर को तुरंत पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग की जाती है, ताकि इसे भारत सरकार को भेजा जा सके। जब प्रस्ताव पर वोटिंग हो रही थी, तो भाजपा विधायकों ने सदन से वॉकआउट किया। दिन का तय कामकाज पूरा होने के बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई और अब सदन की बैठक मंगलवार को होगी।

एससी से हरी झंडी : 2000 से ऊपर के यूपीआई पेमेंट पर लगेगा चार्ज

नई दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने 2,000 रुपये से अधिक के निर्धारित यूपीआई व्यक्ति-से-व्यापारी लेनदेन पर 'मर्चेंट डिस्काउंट रेट' (एमडीआर) लगाने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र और अन्य से सोमवार को जवाब मांगा। भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताई और केंद्र, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) तथा अन्य को चार सप्ताह के भीतर अपने जवाबी हलफनामे दाखिल करने का निर्देश दिया। पीठ ने एमडीआर लगाने के केंद्र के फैसले पर किसी तरह की अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया। केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एन. वेंकटरमण ने पीठ को बताया कि इसका इस्तेमाल करने वाले 96 प्रतिशत लोग इससे छूट के दायरे में हैं। पीठ ने कहा, "यह मामला कानूनी कम और तकनीकी अधिक है।" उच्चतम न्यायालय द्वारा नोटिस जारी करने और प्रतिवादियों को चार सप्ताह के भीतर अपने जवाबी हलफनामे दाखिल करने का निर्देश दिए जाने के बाद याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने पीठ से अनुरोध किया, "तब तक इस पर रोक लगा दीजिए।" पीठ ने किसी तरह की अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया।

रांची में 2029 तक आईटी पार्क शुरू करने की तैयारी, पहले चरण में 20 हजार रोजगार का लक्ष्य

बिभा संवाददाता

रांची। कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में सोमवार को मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से आरएमजे इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रेसिडेंट दीपक छाबड़िया ने मुलाकात की। इस दौरान झारखंड में अत्याधुनिक आईटी पार्क विकसित करने, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) स्थापित करने तथा तकनीकी एवं औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में आईटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), सेमीकंडक्टर, मैन्युफैक्चरिंग, न्यूक्लियर एनर्जी और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे उभरते क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर विचार किया गया।

प्रस्तावित योजना के तहत वर्ष 2029 तक रांची में आईटी पार्क शुरू करने की दिशा में काम किया जाएगा। इसके पहले चरण में करीब 20 हजार रोजगार के अवसर सृजित करने और अगले तीन वर्षों में इसकी क्षमता बढ़ाकर लगभग 75 हजार रोजगार अवसर उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। इससे राज्य के स्थानीय और प्रतिभाशाली युवाओं को तकनीकी तथा उच्च-कौशल आधारित रोजगार के नए अवसर मिलने की संभावना है।

प्रस्तावित आईटी पार्क के लिए आईआईएम रांची, नए विधानसभा परिसर और उच्च न्यायालय परिसर के निकट उपलब्ध करीब 100 एकड़ भूमि को संभावित स्थल के रूप में विकसित करने पर विचार किया जा रहा है। पार्क में आधुनिक

कार्यालय, डिजिटल अधोसंरचना और वैश्विक स्तर की तकनीकी कंपनियों एवं संस्थानों के लिए जरूरी सुविधाएं विकसित करने की परिकल्पना है। इसका उद्देश्य रांची को आईटी, इनोवेशन और हाई स्किल्ड एम्प्लॉयमेंट के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करना है।

बैठक में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर की स्थापना की संभावनाओं पर भी विशेष चर्चा हुई। जीसीसी के माध्यम से वैश्विक कंपनियों के लिए आईटी और एआई सेवाओं, डिजिटल तकनीक, सेमीकंडक्टर, मैन्युफैक्चरिंग, न्यूक्लियर एनर्जी तथा अन्य उच्च-कौशल वाले कार्य झारखंड से संचालित किए जा सकते हैं। इससे राज्य में निजी निवेश, तकनीकी रोजगार और उच्च-कौशल वाली नौकरियों के अवसरों के विस्तार को गति मिलने की संभावना है।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि झारखंड को भविष्य की तकनीकों और नई औद्योगिक संभावनाओं से जोड़ते हुए मजबूत एवं आधुनिक आईटी तथा तकनीकी इकोसिस्टम विकसित करने की दिशा में सरकार काम कर रही है। निवेश आकर्षित करने के साथ स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और उच्च-कौशल आधारित अवसरों का सृजन सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रांची को आईटी, इनोवेशन और इमर्जिंग टेक्नोलॉजी का प्रमुख केंद्र बनाने के लिए उद्योग जगत के साथ मिलकर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। राज्य में उपलब्ध प्रतिभाशाली मानव संसाधन और विकास की संभावनाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़कर झारखंड को नई अर्थव्यवस्था के अनुरूप तैयार करने का प्रयास किया जाएगा।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर संभावित रूप से अक्टूबर में सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस विभाग का एक प्रतिनिधिमंडल बेंगलुरु का दौरा करेगा। प्रतिनिधिमंडल वहां विकसित आईटी पार्क, तकनीकी इकोसिस्टम और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर मॉडल का अध्ययन करेगा। इसके अलावा आईटी अधोसंरचना, निवेश व्यवस्था और उद्योगों को उपलब्ध सुविधाओं का भी अवलोकन किया जाएगा। इस अध्ययन के आधार पर झारखंड में आईटी पार्क और संबंधित तकनीकी इकोसिस्टम के विकास के लिए आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने में मदद मिलेगी।

आरएमजे इंफ्रास्ट्रक्चर की ओर से झारखंड में अत्याधुनिक आईटी पार्क, डिजिटल अधोसंरचना और भविष्य की तकनीकों से जुड़े क्षेत्रों में रुचि व्यक्त की गई। बैठक में राज्य में तकनीकी एवं औद्योगिक निवेश के लिए उपलब्ध अवसरों तथा संभावित सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर भी विचार-विमर्श हुआ।

बैठक में मुख्य सचिव अविनाश कुमार, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस विभाग की सचिव पूजा सिंघल और झारखंड स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर (जेएसएसी) की निदेशक माधवी मिश्रा उपस्थित रहीं।

प्रहार को थाना स्तर तक पहुंचाएं, अगले 10 साल के लिए मजबूत आतंकवाद-रोधी तंत्र बनाएं : शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को आतंकवाद-रोधी रणनीति ह्यप्रहारह्ल को थाना स्तर तक पहुंचाने और आतंकवादी घटनाओं के विश्लेषण के आधार पर अगले 10 वर्षों के लिए एक मजबूत एवं ठोस तंत्र विकसित करने पर जोर दिया।

नई दिल्ली में प्रहार- आतंकवाद-रोधी नीति और रणनीति पर सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए शाह ने कहा कि आतंकवाद-रोधी ढांचे के हर स्तर पर स्वचालित प्रतिक्रिया प्रणाली को संस्थागत बनाने और कार्रवाई में किसी भी तरह की देरी रोकने के लिए सभी संबंधित एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत है।

प्रहार भारत की राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी नीति और रणनीति का ढांचा है, जिसे गृह मंत्रालय ने इस साल फरवरी में पेश किया था। इसका उद्देश्य आतंकवादी हमलों को रोकने, हमले की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया देने, केंद्रीय और राज्य एजेंसियों की क्षमताओं को एकजुट करने तथा आतंकवाद के वित्तपोषण, हथियारों और सुरक्षित ठिकानों तक आतंकवादियों की पहुंच रोकने के लिए एक समन्वित व्यवस्था तैयार करना है।

इस रणनीति के सात प्रमुख स्तंभों में रोकथाम, प्रतिक्रिया, आंतरिक क्षमताओं को एकजुट करना, मानवाधिकार एवं कानून का शासन, आतंकवाद को बढ़ावा देने वाली परिस्थितियों को कम करना, अंतरराष्ट्रीय प्रयासों के साथ तालमेल तथा पूरे समाज की भागीदारी के साथ पुनर्बहाली और लचीलापन शामिल हैं।

शाह ने कहा कि प्रहार के प्रत्येक स्तंभ पर परिणामोन्मुखी तरीके से काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने आतंकवाद के सभी रूपों और तरीकों के खिलाफ शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाई है।

गृह मंत्री ने इस अवसर पर नया प्रत्यर्पण पोर्टल भी शुरू किया। उन्होंने कहा कि इससे विदेश में मौजूद भगोड़े अपराधियों को भारत वापस लाने के प्रयासों में समन्वय बेहतर होगा और प्रक्रिया में तेजी आएगी।

शेष पेज 11 पर

रांची टी 20: सबसे सस्ता 1600 और सबसे महंगा टिकट 18 हजार का

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) ने रांची के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आगामी 9 अक्तूबर को भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेले जाने वाले टी-20 मैच के लिए टिकटों की दरों की घोषणा कर दी है। इस बार क्रिकेट प्रेमियों को मुकाबले का लुत्फ उठाने के लिए अधिक जेब ढीली करनी होगी, क्योंकि रांची में आयोजित अब तक के सभी अंतरराष्ट्रीय मैचों की तुलना में इस बार का टिकट दर सबसे महंगा रखा गया है।

प्रबंधन की ओर से जारी दरों के तहत सबसे किफायती टिकट 1,600 रुपये का रखा गया है, जो स्टेडियम के पूर्वी और पश्चिमी छोर पर स्थित हिल एरिया के लिए मान्य होगा। इस जगह दर्शक खुले मैदान में घास पर बैठकर मैच का आनंद ले सकेंगे, जहां उनकी सुविधा के लिए बड़ी एलईडी स्क्रीन भी लगाई जाती हैं। वहीं, सबसे महंगी श्रेणी प्रेसीडेंट एनक्लोजर की है, जिसके एक टिकट की कीमत 18,000 रुपये तय की गई है। इस प्रीमियम श्रेणी के टिकट में विशेष हॉस्पिटैलिटी की सुविधाएं शामिल रहेंगी।

इसके अतिरिक्त अन्य श्रेणियों में भी हॉस्पिटैलिटी सुविधाओं के साथ टिकट उपलब्ध कराए गए हैं। इनमें कॉरपोरेट बॉक्स का टिकट 8,000 रुपये, हॉस्पिटैलिटी बॉक्स 9,000 रुपये, लक्जरी पार्लर 10,000 रुपये और कॉरपोरेट लाउंज का टिकट 15,000 रुपये निर्धारित किया गया है। टिकटों की बिक्री स्टेडियम के वेस्ट गेट की ओर बने विशेष काउंटरों से की जाएगी।

बड़गाई जमीन फर्जीवाड़ा: सीएम सोरेन ने हाई कोर्ट में दायर की याचिका

बिभा संवाददाता

रांची। बड़गांई की 8.86 एकड़ कथित जमीन फजीर्वाड़ा से जुड़े मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से झारखंड उच्च न्यायालय में उनके वकील ने याचिका दायर कर आरोप गठन की कार्यवाही रोकने की मांग की है। इसमें पीएमएलए के एक सेक्शन का हवाला देते हुए कहा गया है कि जब तक मामले में अनुसंधान पूरा नहीं होता है तब तक उनके खिलाफ आरोप गठन न किया जाए। अभी इस मामले में जांच पूरा नहीं हुआ है।

याचिका में मुख्यमंत्री की ओर से पीएमएलए कानून के सेक्शन-44 के क्लॉज 01 के अंतर्गत सब क्लॉज-डी की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई है। कहा गया है कि सेक्शन 44 के तहत स्पेशल कोर्ट पीएमएलए में आरोपित के खिलाफ ट्रायल उसी तरह चलना चाहिए जैसा सेशन कोर्ट में चलता है।

उल्लेखनीय है कि मामले में मुख्यमंत्री की ओर से डिस्चार्ज पिटीशन के खिलाफ याचिका की सुनवाई के दौरान झारखंड उच्च न्यायालय ने मुख्यमंत्री की हस्तक्षेप याचिका खारिज कर दी है।

इसके बाद पीएमएलए की विशेष अदालत में मुख्यमंत्री के खिलाफ आरोप गठन के लिए 30 सितंबर की तिथि निर्धारित की है। मामले में मुख्यमंत्री को छोड़कर अन्य सभी आरोपितों के खिलाफ आरोप गठन हो चुका है।

अंतरराज्यीय बच्चा चोर गिरोह के पांच सदस्य गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची। रांची पुलिस ने रेलवे स्टेशन से बच्चा अपहरण मामले में अंतरराज्यीय बच्चा चोर गिरोह का खुलासा किया है। रांची पुलिस की एसआईटी ने अपहृत चार वर्षीय बालक विवान कुमार को साहेबगंज से सकुशल बरामद कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने अंतरराज्यीय गिरोह के मास्टरमाइंड रोहित मुखर्जी उर्फ डॉन सहित पांच अपहरणकताओं को गिरफ्तार किया है, जबकि एक किशोर को निरुद्ध किया गया है। पकड़े गए अपराधियों के पास से पांच मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। इस मामले का खुलासा करते हुए सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि बीते 24 सितंबर 2026 को रांची रेलवे स्टेशन के बाहर से विवान कुमार का अपहरण कर

लिया गया था। इस संबंध में चुटिया थाने में कांड संख्या-138/26 (धारा 137(2) बीएनएस) दर्ज की गई थी। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए रांची एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर एक एसआईटी का गठन किया गया। टेक्निकल सेल और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर एसआईटी ने 27 सितंबर को धनबाद रेलवे स्टेशन से संदिग्ध रोहित मुखर्जी को धनबाद पुलिस और आरपीएफ के सहयोग से हिरासत में लिया। पूछताछ में रोहित ने अपना गुनाह कबूल किया और अपने सहयोगियों कयूम अंसारी, बिट्टू कुमार सिंह, छोटू कुमार और जमादार शेख के नाम बताए। इसके बाद रोहित की निशानदेही पर साहेबगंज पुलिस के सहयोग से तीनपहाड़ स्थित बिट्टू के नानी घर पर छापेमारी कर बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया गया।

पुलिस अनुसंधान में इस गिरोह के एक बेहद चौंकाने वाले तौर-तरीके का पदार्फाश हुआ है। गिरोह का मुख्य सरगना रोहित मुखर्जी उर्फ डॉन चोरी के मामलों में जेल गए बच्चों को जमानत दिलाने में मदद करता था। इसके बाद वह इन लावारिस और असहाय बच्चों को अपने गिरोह में शामिल कर लेता था। इन बच्चों से देश के अलग-अलग शहरों के भीड़भाड़ वाले इलाकों में मोबाइल चोरी करवाई जाती थी। चोरी के इन मोबाइलों को अवैध रूप से बांग्लादेश भेजकर खपाया जाता था। पुलिस इस गिरोह के नेटवर्क से जुड़े अन्य सदस्यों और बांग्लादेशी कनेक्शन को लेकर आगे की जांच और सघन पूछताछ कर रही है।

नाबालिगों के मामले में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को मानना होगा भारतीय कानून, केंद्र नियमों पर करे विचार: सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से इस संभावना पर विचार करने को कहा है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और अन्य डिजिटल मध्यस्थों के लिए ऐसे वैधानिक नियम बनाए जाएं, जिनके तहत उन्हें नाबालिगों से संबंधित भारतीय कानूनों का पालन करना अनिवार्य हो। इसमें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के साथ स्वतंत्र रूप से अनुबंध करने के लिए 18 वर्ष की न्यूनतम आयु सीमा का पालन सुनिश्चित करना भी शामिल है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने यह टिप्पणी जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन अलायंस (जेआरसीए) की ओर से

दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान की। पीठ में अन्य दो जस्टिस न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना शामिल थे। याचिका में सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करने वाले बच्चों की सुरक्षा के लिए जरूरी उपाय सुनिश्चित करने की मांग की गई है।

न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची ने कहा कि यह व्यवस्था महज एक दिशानिर्देश बनकर नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने केंद्र से मध्यस्थता नियमों के ढांचे के तहत इसे वैधानिक स्वरूप देने की संभावना पर विचार करने को कहा। न्यायमूर्ति बागची ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा, कृपया मध्यस्थता नियमों के तहत ऐसे निर्देश जारी करें कि वे अपने सॉफ्टवेयर या जिस भी रूप में उस प्लेटफॉर्म को संचालित करते हैं, उसे भारतीय कानून के अनुरूप तैयार करें। सॉफ्टवेयर को भारतीय कानून के अनुरूप होना ही चाहिए।

तुषार मेहता ने जवाब दिया, सरकार इस मुद्दे की जांच करेगी और जरूरी कदम उठाएगी. उन्होंने कहा, कुछ किया जा सकता है, कुछ किया जाना चाहिए और किया जाएगा। मेहता ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 79 के तहत इंटरमीडियरी से संबंधित प्रावधानों का भी उल्लेख किया।

सुप्रीम कोर्ट एक ऐसी याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें इस बात को लेकर चिंता जताई गई है कि नाबालिगों को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर स्वतंत्र रूप से अकाउंट बनाने और संचालित करने की अनुमति दी जा रही है, जबकि कानूनन वो किसी तरह का अनुबंध नहीं कर सकते। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि याचिका में उठाया गया मुद्दा प्रथम द्रष्टया डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट, 2023 के दायरे में आता है। हालांकि, याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि इस कानून के संबंधित प्रावधान 2027 में ही लागू होंगे और इसलिए तब तक इस समस्या का समाधान नहीं हो सकता।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एच.एस. फुल्का ने कहा कि मौजूदा कानून के तहत नाबालिगों द्वारा किए गए अनुबंध अमान्य होते हैं और इस मुद्दे के समाधान के लिए डेटा संरक्षण कानून के लागू होने तक इंतजार करने की जरूरत नहीं है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि इसी तरह की व्यवस्था माता-पिता के नियंत्रण या नियमन के माध्यम से लागू की जा सकती है, जिसमें अनुबंध अभिभावक और डिजिटल प्लेटफॉर्म के बीच किया जाए। अदालत ने यह भी कहा कि कई डिजिटल मध्यस्थ दूसरे देशों, जिनमें अमेरिका भी शामिल है, में पंजीकृत हैं, लेकिन उन्होंने भारतीय बाजार में प्रवेश किया है तो उन्हें यहां के कानूनों का पालन करना होगा।

शेष पेज 11 पर

बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने दिया इस्तीफा

एजेंसी

पटना। बिहार विधान परिषद के सभापति और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अवधेश नारायण सिंह ने सोमवार देर शाम अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उनके इस्तीफे के बाद उपसभापति और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के विधान पार्षद रामवचन राय ने कार्यकारी सभापति के रूप में जिम्मेदारी संभाल ली।

पद छोड़ने के बाद अवधेश नारायण सिंह ने कहा कि उन्हें पार्टी का फैसला स्वीकार है और उन्हें किसी तरह का गिला-शिकवा नहीं है। पार्टी ने उन्हें चार बार विधान परिषद का सभापति बनने का अवसर दिया। उन्होंने कहा कि आगे पार्टी की ओर से जो भी जिम्मेदारी दी जाएगी, उसका वे निर्वहन करेंगे। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान विधान परिषद के सदस्यों, अधिकारियों और कर्मचारियों के सहयोग के लिए आभार भी जताया।

अवधेश नारायण सिंह के इस्तीफे के तुरंत बाद रामवचन राय ने कार्यकारी सभापति का पद संभाला। उन्होंने अवधेश नारायण सिंह के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि वे मिली जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी के साथ निभाने का प्रयास करेंगे। रामवचन राय लंबे समय से बिहार विधान परिषद से जुड़े हैं और वर्तमान में जदयू के विधान पार्षद हैं। उनका मौजूदा विधान परिषद कार्यकाल 16 मार्च 2027 तक है।

मतदाता सूची में विसंगतियों के खिलाफ कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन, मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और मतदाता सूची में कथित विसंगतियों के विरोध में पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से सोमवार को जमशेदपुर में जोरदार प्रदर्शन किया गया। साकची स्थित आमबगान मैदान से कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने पैदल मार्च निकाला, जो उपायुक्त कार्यालय पहुंचकर धरना-प्रदर्शन में तब्दील हो गया। प्रदर्शन में शामिल कांग्रेस नेताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की और राष्ट्रपति के नाम उपायुक्त को मांग पत्र सौंपा। प्रदर्शन का नेतृत्व पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रविंद्र सिंह ने किया। कार्यक्रम में पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे, पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता सहित पार्टी के विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी, प्रखंड एवं मंडल अध्यक्ष तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। कांग्रेस कार्यकर्ता काले रंग की पोशाक पहनकर प्रदर्शन में पहुंचे और चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी की। पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि आज का प्रदर्शन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर किया गया है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग का दायित्व देश में निष्पक्ष चुनाव कराना और प्रत्येक मतदाता के मताधिकार की रक्षा करना है।

बन्ना गुप्ता ने कहा कि वोट की चोरी के आरोपों का जवाब चुनाव आयोग को देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि चुनावी प्रक्रिया को लेकर जनता के मन में संदेह पैदा होता है तो लोकतांत्रिक संस्थाओं में विश्वास प्रभावित होता है। उन्होंने बिहार और पश्चिम बंगाल में चुनाव के दौरान मतदाता सूची और वोटों को लेकर उठे विवादों का भी उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि भारत का लोकतंत्र महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव आंबेडकर, बिरसा मुंडा और जयप्रकाश नारायण जैसे महान नेताओं के संघर्ष और बलिदान की देन है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक अधिकारों और मताधिकार की रक्षा के लिए उनका आंदोलन आगे भी जारी रहेगा।

अब 28 नहीं 30 दिन के होंगे मोबाइल रिचार्ज प्लान

रांची : मोबाइल रिचार्ज कराने वालों के लिए टेलीकॉम रेग्युलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने नए नियम जारी किए हैं. इससे लोगों को बड़ी राहत मिलेगी. इन नियमों के तहत अब ग्राहकों को 30 दिन की वैलिडिटी वाले प्लान और सिर्फ कॉलिंग-एसएमएस वाले ऑप्शन भी मिल सकेंगे. कई मोबाइल यूजर्स की लंबे समय से ये शिकायत रही है कि कंपनियों के 28 दिन वाले प्लान की वजह से उन्हें एक साल में 12 की जगह 13 बार रिचार्ज कराना पड़ता है. जिसके बाद अब टेलीकॉम रेग्युलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने टेलीकॉम कंपनियों के लिए ऐसे नियम बनाए हैं, जिनके तहत ग्राहकों को 30 दिन तक की वैलिडिटी वाले विकल्प उपलब्ध कराने होंगे. देश में आज भी बड़ी संख्या में ऐसे उपभोक्ता भी हैं जो स्मार्ट फोन यूज नहीं करते, कीपैड वाले मोबाइल का प्रयोग करते हैं उन्हें भी मजबूरी में डाटा वाले प्लान रिचार्ज कराने पड़ते थे. अब ऐसे मोबाइल धारकों को सिर्फ कॉलिंग-एसएमएस वाले ऑप्शन मिलेंगे.

अपराधियों पर सख्ती हो, निर्दोष नागरिकों के साथ दुर्व्यवहार न हो: आनंद बिहारी दूबे

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष आनंद बिहारी दूबे के नेतृत्व में कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने वरीय पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर शहर की विधि-व्यवस्था, सड़क दुर्घटनाओं, अवैध लॉटरी-सट्टेबाजी, जुए और नशे के कारोबार को लेकर मांग पत्र सौंपा। मुनलाकात के दौरान दूबे ने कहा कि अपराधियों और अवैध कारोबार संचालित करने वालों के विरुद्ध पुलिस पूरी सख्ती से कार्रवाई करे। साथ ही यह विशेष ध्यान रखा जाए कि कार्रवाई के दौरान निर्दोष नागरिकों के साथ किसी प्रकार का दुर्व्यवहार या अनावश्यक बल प्रयोग न हो। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं से पुलिस के प्रति जनता का विश्वास प्रभावित होता है और सरकार की छवि पर भी असर पड़ता है। आम नागरिक पुलिस को देखकर सुरक्षित महसूस करें, भयभीत नहीं।

प्रतिनिधिमंडल ने अपराध प्रभावित क्षेत्रों में गश्त और निगरानी बढ़ाने, तेज रफ्तार तथा नशे में वाहन चलाने पर प्रभावी कार्रवाई करने और अवैध लॉटरी, सट्टेबाजी, जुए एवं नशे के कारोबार की शिकायतों की गोपनीय जांच के लिए विशेष टीम गठित करने का आग्रह किया। हाल में आम नागरिकों के साथ अनावश्यक बल प्रयोग की शिकायतों की निष्पक्ष समीक्षा की मांग भी की गई।

दूबे ने कहा कि अपराध पर नियंत्रण और नागरिकों के साथ संवेदनशील व्यवहार, दोनों के लिए पुलिस प्रशासन को ठोस पहल करनी चाहिए। प्रतिनिधिमंडल ने वरीय पुलिस अधीक्षक से मांग पत्र पर शीघ्र कार्रवाई की अपेक्षा जताई।

प्रतिनिधिमंडल में युवा कांग्रेस के सन्नी सिंह, निखिल तिवारी, एनएसयूआई अध्यक्ष सचिन सिंह, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जसवंत सिंह जस्सी, गुरदीप सिंह कक्के , सुशील घोष ,बंटी सिंह,सूरज सिंह, गौरव कुमार और हरिहर प्रसाद , शत्रुघ्न सिंह सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

लगातार बारिश में गरीब मजदूर का मकान गिरा, आपदा मुआवजे की मांग

बेड़ो(बिभा)। पिछले कई दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण बेड़ो प्रखंड क्षेत्र में कच्चे एवं कमजोर मकानों को नुकसान पहुंचने की घटनाएं सामने आ रही हैं। इसी क्रम में दिघया पंचायत क्षेत्र में एक गरीब मजदूर का मकान गिर गया। मकान गिरने से पीड़ित परिवार के सामने रहने की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। जानकारी के अनुसार, दिघया पंचायत निवासी जाबिल हुसैन का मकान लगातार बारिश के कारण क्षतिग्रस्त होकर गिर गया। बताया गया कि परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर है और सुहेल हुसैन दैनिक मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। मकान गिरने के बाद परिवार के सामने रहने और घरेलू सामान को सुरक्षित रखने की समस्या खड़ी हो गई है। लगातार बारिश के बीच आशियाना गिरने से परिवार की परेशानी और बढ़ गई है। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण अपने स्तर से मकान की दोबारा मरम्मत या निर्माण कराना परिवार के लिए बड़ी चुनौती है। पीड़ित परिवार एवं ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए क्षतिग्रस्त मकान का जल्द स्थल निरीक्षण कराने तथा आपदा राहत के तहत नियमानुसार मुआवजा एवं आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने कहा कि लगातार बारिश के कारण क्षेत्र में कई गरीब एवं कमजोर परिवारों के मकानों को नुकसान पहुंचने की आशंका है। ऐसे में प्रशासन द्वारा प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे कराकर जरूरतमंद परिवारों को सरकारी स्तर पर राहत एवं सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

उपायुक्त कार्यालय पर जनांदोलन एकजुटता मंच का प्रदर्शन, एसआईआर वापस लेने की मांग

जमशेदपुर(बिभा)। जनांदोलन एकजुटता मंच के बैनर तले सोमवार को कार्यकताओं ने उपायुक्त कार्यालय पहुंचकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने, एसआईआर की प्रक्रिया समाप्त करने और मतदाता सूची से हटाए गए नामों को पुनः शामिल करने की मांग की गई। मंच ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि एसआईआर के दौरान बड़ी संख्या में मतदाताओं को अनावश्यक रूप से नोटिस जारी किए जा रहे हैं, जिससे गरीब, आदिवासी, मूलवासी, दलित, भूमिहीन, महिलाएं और अल्पसंख्यक वर्ग के लोग परेशान हो रहे हैं। ज्ञापन में कहा गया कि झारखंड में लाखों मतदाताओं के नाम प्रभावित हुए हैं। मंच ने मांग की कि विश्वसनीय मतदाताओं को केवल आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने के आधार पर मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जाए। साथ ही धार्मिक और जातीय आधार पर किसी भी तरह के भेदभाव को रोकने तथा चुनाव अधिकारियों को मतदाताओं के प्रति संवेदनशील रवैया अपनाने का निर्देश देने की मांग की गई। ज्ञापन सौंपने के दौरान सिया शरण शर्मा, सुरख चंद्रमा साई, जाशो चुमलसी, स्टेमेन, राज कुमार दास, हरि बालक प्रसाद, गौतम एर बेवे, समेन फन्ना और सुमित राय सहित अन्य लोगों के मौजूद थे।

मोहरदा नदी के इंटेक वेल के पास मिला अज्ञात शव, पुलिस जांच में जुटी

जमशेदपुर(बिभा)। बिरसानगर थाना क्षेत्र में सोमवार को मोहरदा नदी किनारे इंटेक वेल के समीप एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई। शव पर नजर पड़ने के बाद स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना बिरसानगर थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मामले की छानबीन शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की। मृतक की पहचान के लिए पुलिस ने स्थानीय स्तर पर जानकारी जुटाई, लेकिन देर शाम तक शव की शिनाख्त नहीं हो सकी थी। मृतक की उम्र और उसके संबंध में अन्य विवरण भी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक तौर पर आशंका है कि व्यक्ति की मौत नदी में हुई होगी और पानी के बहाव के साथ शव बहकर इंटेक वेल के पास पहुंच गया होगा। हालांकि पुलिस ने इस संभावना की पुष्टि नहीं की है और मौत के वास्तविक कारण का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस ने आसपास के थाना क्षेत्रों को भी शव मिलने की सूचना दी है, ताकि हाल के दिनों में दर्ज गुमशुदगी की शिकायतों से उसका मिलान कर पहचान की जा सके। पुलिस शव की पहचान के लिए आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के साथ घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की भी जानकारी जुटा रही है।

टाटा मोटर्स जमशेदपुर प्लांट में 14.03 प्रतिशत बोनस पर सहमति, अधिकतम 87,543 रुपये मिलेंगे, 151 अप्रेंटिस होंगे स्थायी

बिभा संवाददाता

जमशेदपुरः टाटा मोटर्स जमशेदपुर प्लांट में सोमवार को प्रबंधन और टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन के बीच लंबी वार्ता के बाद वार्षिक बोनस समझौते पर आधिकारिक मुहर लग गई। जनरल ऑफिस में आयोजित बैठक में सौहार्दपूर्ण वातावरण में दोनों पक्षों के वरीय पदाधिकारियों ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस वर्ष कर्मचारियों को 14.03 प्रतिशत बोनस मिलेगा, जिसका लाभ लगभग 8,000 कर्मचारियों को प्राप्त होगा। बोनस की यह राशि आगामी 1 अक्टूबर को सभी कर्मचारियों के बैंक खातों में भेज दी जाएगी।

इस बार समझौते के तहत कर्मचारियों को अधिकतम 87,543 रुपये तथा औसत 53,787 रुपये की राशि प्राप्त होगी, जबकि सुपरनेशन सदस्यों के लिए 15,791 रुपये तय किए गए हैं। विगत वर्ष की तुलना में इस बार का बोनस काफी बेहतर रहा है। पिछले साल कर्मचारियों को 12.3 प्रतिशत बोनस मिला था, जिसमें अधिकतम राशि 75,223 रुपये और औसत राशि 50,160 रुपये थी।

बोनस समझौते के साथ-साथ यूनियन और प्रबंधन के बीच मजदूर हित में कई अन्य दूरगामी फैसले भी लिए गए। इसके तहत प्रत्येक वर्ष 151 अप्रेंटिस का नियोजन किया जाएगा, जिन्हें अप्रेंटिसशिप के बाद डिप्लोमा कराकर स्थायी किया जाएगा। इसके अलावा पुराने डिप्लोमाधारियों को एक अतिरिक्त इंक्रीमेंट का लाभ मिलेगा तथा प्रगति स्कीम के तहत प्रशिक्षण पूर्ण कर चुके प्रशिक्षुओं को विशेष इंक्रीमेंट दिया जाएगा। वहीं, पांच टी.एम.एस.टी. प्रशिक्षुओं के लंबित नियोजन को भी मंजूरी दे दी गई है और कर्मचारियों को कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए मल्टी स्किलिंग का सीधा लाभ दिया जाएगा।

वार्ता में यूनियन की ओर से अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद और महामंत्री आरके सिंह उपस्थित रहे, जबकि प्रबंधन की ओर से ऑनलाइन माध्यम से सीएचआरओ डीपी नाम्बियार, वीपी ऑपरेशंस विशाल बादशाह, प्लांट हेड अनुराग छारिया, एचआर हेड प्रणव कुमार और ईआर हेड सौमिक रॉय सहित अन्य अधिकारी जुड़े। हस्ताक्षर के बाद सभी अधिकारियों और प्रतिनिधियों ने जे.एन. टाटा की प्रतिमा के समक्ष संयुक्त रूप से तस्वीर खिंचवाई।

समझौते के बाद कंपनी गेट से भव्य विजय जुलूस निकाला गया। खुली गाड़ी पर सवार यूनियन अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद, महामंत्री आरके सिंह और सलाहकार प्रवीण सिंह का गाजे-बाजे और जमकर आतिशबाजी के साथ स्वागत किया गया। शाम सात बजे यूनियन कार्यालय पहुंचे इस जुलूस के बाद संयुक्त प्रेसवार्ता आयोजित की गई, जहां महामंत्री आरके सिंह ने समझौते की विस्तृत जानकारी देते हुए इसे मजदूर हितों की ऐतिहासिक जीत बताया।

बेड़ो में झारखंड आंदोलनकारियों की बैठक आज, शाम को निकलेगा मशाल जुलूस

30 सितंबर की झारखंड बंदी को लेकर तय होगी रणनीति

बिभा संवाददाता

बेड़ो। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा केंद्रीय समिति के निदेर्शानुसार बेड़ो प्रखंड में आंदोलन को लेकर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसे लेकर प्रखंड झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा, बेड़ो की ओर से सोमवार, 29 सितंबर को पूर्वाह्न 11 बजे महादानी मैदान स्थित रंगमंच पर झारखंड आंदोलनकारियों की विशेष बैठक बुलाई गई है।

बैठक में 30 सितंबर को प्रस्तावित झारखंड बंदी को लेकर रणनीति तय की जाएगी। बैठक के बाद शाम पांच बजे बेड़ो में मशाल जुलूस निकाला जाएगा। मोर्चा के अनुसार, जुलूस में आंदोलनकारी रोजगार, नियोजन, पेंशन सहित अन्य मांगों को लेकर शामिल होंगे।

मोर्चा की ओर से 30 सितंबर को प्रस्तावित झारखंड बंदी के समर्थन में प्रखंड क्षेत्र के स्कूल, कॉलेज, प्रतिष्ठानों एवं व्यवसायी वर्ग से स्वेच्छा से बंद रखने की अपील की गई है। इसके लिए प्रखंड स्तरीय आंदोलनकारी गांव-मोहल्लों में जाकर शांतिपूर्ण तरीके से जनसंपर्क अभियान चलाएंगे। इस संबंध में जानकारी प्रखंड अध्यक्ष युगेश उरांव एवं सचिव सहिंद्र लकड़ा ने दी।

एसआईआर को सरल बनाने में बीएलओ की भूमिका अहम : डॉ. पवन पांडेय

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। एनसीपी की बैठक सोमवार को डिमना में आयोजित की गई, जिसमें विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान आम लोगों, खासकर महिलाओं को हो रही परेशानियों पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता तेजपाल सिंह टोनी ने की, जबकि संचालन गुरुमीत सिंह ने किया। बैठक में एनसीपी के राष्ट्रीय महासचिव (ननि) एवं मानगो प्रभारी डॉ. पवन पांडेय के अलावा तन्मय सरकार और ललित ढिंगरा मुख्य रूप से मौजूद थे। बैठक में बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने भाग लिया। महिला कार्यकताओं ने बताया कि एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान महिलाओं को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस पर डॉ. पवन पांडेय ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों के सक्रिय कार्यकर्ता अपने स्तर से प्रयास कर रहे हैं कि आम जनता को एसआईआर के दौरान किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो। चुनाव आयोग और स्थानीय प्रशासन की ओर से भी प्रक्रिया को सुगम बनाने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन इसे और सरल बनाने की जरूरत है।

डॉ. पांडेय ने एनसीपी कार्यकताओं, विशेषकर महिला कार्यकताओं से भी जनता के बीच जाकर एसआईआर से संबंधित समस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए प्रयास करने की अपील की। उन्होंने कहा कि समस्या को लेकर केवल चर्चा करने के बजाय उसके समाधान के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा।

इंडो-नेपाल-श्रीलंका ओपन कराटे चैंपियनशिप में डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल बेड़ो के विद्यार्थियों ने जीते आठ पदक

बिभा संवाददाता

बेड़ो। नवी मुंबई के वाशी स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले स्मृति भवन एसी हॉल में आयोजित प्रथम इंडो-नेपाल-श्रीलंका ओपन कराटे चैंपियनशिप-2026 में डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल, बेड़ो के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल आठ पदक हासिल किए। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से विद्यालय एवं पूरे बेड़ो क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

सुप्रीम आर्ट्स शितो र्यू कराटे-डो स्पोर्ट्स एसोसिएशन-इंडिया के तत्वावधान में आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल बेड़ो के चार खिलाड़ियों ने कराटे शिक्षक एस. के. साह के मार्गदर्शन में हिस्सा लिया।

प्रतियोगिता में श्वेता टोप्पो ने कुमिते में स्वर्ण तथा काटा में रजत पदक हासिल किया। वहीं शशिकांत ने कुमिते में स्वर्ण और काटा में रजत पदक अपने नाम किया। रणवीर ने काटा में स्वर्ण तथा कुमिते में रजत पदक जीता। जबकि अभिषेक ने कुमिते में स्वर्ण और काटा में रजत पदक हासिल किया।

इस तरह विद्यालय के चार खिलाड़ियों ने मिलकर चार स्वर्ण और चार रजत पदक, कुल आठ पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य कैलाश कुमार ने सभी विजेता खिलाड़ियों एवं कराटे शिक्षक एस. के. साह को बधाई दी। उन्होंने कहा कि बेड़ो जैसे क्षेत्र से निकलकर विद्यार्थियों का अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करना विद्यालय और क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। उन्होंने खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार, अभिभावकों और क्षेत्रवासियों ने खुशी जताते हुए सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी।

विश्व रेबीज जागरूकता अभियान मनाया गया

सिल्ली(बिभा): सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिल्ली के चिकित्सा प्रभारी डॉ. संगीता बड़ाइक ने क्षेत्र के आम नागरिकों को रेबीज जैसी घातक बीमारी के प्रति सचेत रहने की अपील की है।उन्होंने कहा कि रेबीज एक बेहद खतरनाक और जानलेवा वायरस है,जो संक्रमित कुत्ते, बिल्ली या बंदर के काटने या नोचने से फैलता है।हालांकि सही समय पर सही उपचार और एंटी-रेबीज वैक्सीन लगवाने से इस बीमारी से पूरी तरह बचा जा सकता है।डॉ. संगीता बड़ाइक ने जानकारी दी कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिल्ली में एंटी-रेबीज वैक्सीन पूरी तरह मुफ्त और पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से आग्रह किया है कि किसी भी जानवर के काटने पर घरेलू नुस्खों (जैसे मिर्च, तेल या चुना लगाना) या झाड़-फूंक में समय बर्बाद न करें।यह लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है। जानवर के काटते ही तुरंत अस्पताल आएं और डॉक्टर की सलाह पर वैक्सीन की प्रक्रिया को पूरा करें।

शहीद भगत सिंह की जयंती पर रक्तदान शिविर का किया गया आयोजन

बिभा संवाददाता

सिल्लीः-देश के महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती के पावन अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सिल्ली में एक विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कुल 41यूनिट रक्त संग्रह किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए समय पर सुरक्षित रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना और मानवता की सेवा करना है।यह जीवनरक्षक शिविर सदर अस्पताल रांची एवं सिंगपुर नर्सिंग होम मुरी के संयुक्त तत्वावधान में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिल्ली में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी संगीता बड़ाईक की उपस्थिति में आयोजित किया गया।शिविर में रक्त संग्रह का कार्य सदर अस्पताल रांची और सिंगपुर नर्सिंग होम की विशेषज्ञ तकनीकी मेडिकल टीम की देखरेख में पूरी सुरक्षा के साथ किया गया।आयोजकों और भगत सिंह स्मारक मंच की ओर से क्षेत्र के युवाओं, सामाजिक कार्यकताओं और आम नागरिकों से इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की गई थी। आयोजकों द्वारा बताया गया कि रक्तदान महादान है और एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद मरीज को नया जीवन दे सकता है।इस शिविर में समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने वाले और स्वेच्छा से रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं को हेलमेट, टी-शर्ट,वाटर बॉटल और प्रशस्ति-पत्र देकर विशेष रूप से सम्मानित और प्रोत्साहित किया गया। आयोजन को सफल बनाने में दीपक सोनार,कुमार गौतम, दिनेश बनर्जी,अमित कुमार महतो,गोपाल केडिया, राजेश रॉय सहित अन्य सदस्यों की मुख्य भूमिका रही।

हिंडाल्को के चारों गेट पर श्रमिकों का पहरा, विधायक के नेतृत्व में आंदोलन तेज

बिभा सवांददाता

मुरीः हिंडाल्को में श्रमिकों की विभिन्न मांगों को लेकर शुरू हुआ आंदोलन अब उग्र रूप लेता नजर आ रहा है। 28 सितंबर की रात 12 बजे से सिल्ली विधायक अमित कुमार महतो अपने समर्थकों के साथ हिंडाल्को के चारों प्रमुख गेट पर पहुंच गए। गेट जाम किए जाने के बाद श्रमिकों का प्लांट के अंदर प्रवेश पूरी तरह बंद हो गया।आंदोलनकारियों का कहना है कि कई श्रमिकों के गेट पास रोके जाने, वेतन कटौती और रोजगार से जुड़े मुद्दों को लेकर लंबे समय से असंतोष बना हुआ है। इसी के विरोध में श्रमिक आंदोलन कर रहे हैं।आंदोलनकारियों ने स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता देने समेत कई मांगें प्रबंधन के समक्ष रखी हैं।समाचार लिखे जाने तक प्रबंधन और आंदोलनकारियों के बीच बातचीत शुरू नहीं हुई थी। विधायक अमित कुमार महतो आंदोलन स्थल पर मौजूद रहकर श्रमिकों के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि सिल्ली क्षेत्र के पढ़े-लिखे युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उनका कहना है कि स्थानीय लोगों को अवसर देने के बाद ही दूसरे जिलों या राज्यों के लोगों को रोजगार दिया जाना चाहिए।गेट पास और वेतन कटौती बना प्रमुख मुद्दा श्रमिकों का आरोप है कि बिना पूर्व सूचना के गेट पास रोकने की कार्रवाई की गई है। इसके अलावा वेतन कटौती को लेकर भी कामगारों में नाराजगी है। श्रमिकों ने रोके गए गेट पास तत्काल बहाल करने और काटे गए वेतन का भुगतान करने की मांग की है।आंदोलनकारियों ने ठेका प्रथा, रोजगार में स्थानीय लोगों की भागीदारी और प्लांट में सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दे भी उठाए हैं। उनका कहना है कि वर्षों से काम कर रहे श्रमिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए स्पष्ट व्यवस्था बनाई जानी चाहिए।पुलिस ने संभाला मोर्चा हिंडाल्को के चारों गेट पर आंदोलन के मद्देनजर पुलिस प्रशासन भी सतर्क है। स्थिति को नियंत्रित रखने के लिए मुरी ओपी और सिल्ली थाना पुलिस की तैनाती की गई है। पुलिस अधिकारियों द्वारा आंदोलन स्थल पर निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो।फिलहाल प्लांट के चारों गेट पर आंदोलन जारी है। प्रबंधन और आंदोलनकारियों के बीच वार्ता नहीं होने से गतिरोध बरकरार है। आंदोलन आगे किस दिशा में जाता है, यह वार्ता और प्रबंधन की अगली पहल पर निर्भर करेगा।

सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर रांची में कांग्रेस का प्रदर्शन, निर्वाचन आयोग कार्यालय का घेराव

बिभा संवाददाता

रांची। निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और मतदाता सूची में नाम जोड़ने-हटाने की प्रक्रिया को लेकर कांग्रेस ने सोमवार को राष्ट्रव्यापी आंदोलन के तहत रांची में प्रदर्शन किया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में पार्टी नेताओं और कार्यकताओं ने पुराना विधानसभा परिसर से जुलूस निकाला और निर्वाचन आयोग के कार्यालय का घेराव किया। कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। रांची के अलावा झारखंड के अन्य जिला मुख्यालयों पर भी पार्टी की ओर से प्रदर्शन किए गए।

कांग्रेस कार्यकर्ता हाथों में पार्टी के झंडे और तख्तियां लेकर निर्वाचन आयोग के खिलाफ नारे लगाते हुए धुर्वा स्थित मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के कार्यालय पहुंचे। यहां जुलूस सभा में तब्दील हो गया। प्रदर्शन के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार सहित अन्य के पुतले का दहन किया गया। इसके बाद मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली, एसआईआर और मतदाता सूची में किए जा रहे बदलावों की स्वतंत्र समीक्षा की मांग की गई।

कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव केवल मतदान कराने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि प्रत्येक पात्र नागरिक को बिना भेदभाव अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने का समान अवसर मिलना भी जरूरी है। विधायक दल के उपनेता राजेश कच्छप ने कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र का बुनियादी दस्तावेज है और उसमें किसी भी तरह की अनियमितता नागरिक के मताधिकार को प्रभावित कर सकती है।

प्रदेश के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि मतदाता के अधिकार से जुड़ा कोई भी विषय पारदर्शिता और जवाबदेही से बाहर नहीं हो सकता। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि निर्वाचन आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी पात्र मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न हो। कार्यक्रम को पूर्व सांसद धीरज प्रसाद साहू ने भी संबोधित किया।

प्रदर्शन में बंधु तिर्की, शहजादा अनवर, केएन त्रिपाठी, सतीश पॉल मुंजनी, राकेश सिन्हा, रविन्द्र सिंह, जयशंकर पाठक, गुंजन सिंह, रमा खलखो, प्रदीप तुलस्यान, डॉ. राजेश गुप्ता छोटू, आलोक कुमार दूबे, लाल प्रेम प्रकाशनाथ शाहदेव, सूर्यकांत शुक्ला, सुनीत शर्मा, लाल किशोर नाथ शाहदेव, सुरेंद्र सिंह, राकेश किरण महतो, शशि भूषण राय, ज्योति सिंह मथारू, रियाज अंसारी, सोमनाथ मुंडा, सुलतान अहमद, मंजूर अंसारी, राजन वर्मा, डॉ. एम. तौसीफ, कुमार गौरव और सोनल शांति सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।

निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था लोकतंत्र की सबसे मजबूत बुनियाद : मरावी

कांग्रेस के सह प्रभारी भूपेंद्र मरावी ने कहा कि निष्पक्ष, स्वतंत्र और पारदर्शी चुनाव व्यवस्था लोकतंत्र की सबसे मजबूत बुनियाद है। उन्होंने कहा कि यदि मतदाता सूची और चुनावी प्रक्रिया को लेकर लोगों के मन में सवाल उठ रहे हैं तो निर्वाचन आयोग को उनका स्पष्ट जवाब देना चाहिए। मरावी ने कहा कि कांग्रेस लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती और नागरिकों के मताधिकार की रक्षा के लिए संघर्ष कर रही है।

मतदाता सूची और चुनावी पारदर्शिता पर उठ रहे सवालों का जवाब जरूरी : कमलेश

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया तथा चुनावी पारदर्शिता को लेकर विपक्षी दलों और आम लोगों की चिंताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि इससे निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता को लेकर उठ रहे सवालों की निष्पक्ष जांच का रास्ता साफ होगा।

एसआईआर: नाम जोड़ने व सुधार के लिए बचे सिर्फ 2 दिन, 30 सितंबर तक करें आवेदन

बिभा संवाददाता

रांची: झारखंड में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के तहत मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने, सुधार करने, नाम हटाने अथवा स्थानांतरण कराने के लिए अब केवल दो दिन का समय शेष रह गया है। दावा-आपत्ति एवं आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026 निर्धारित है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने राज्य के सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि की प्रतीक्षा किए बिना शीघ्र अपना आवेदन जमा करें।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जिन पात्र नागरिकों का नाम प्रारूप (ड्राफ्ट) मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वे फॉर्म-6 और आवश्यक घोषणा पत्र ईसीआईएँनेट पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन अथवा संबंधित बीएलओ (इछड) की सहायता से 30 सितंबर तक अनिवार्य रूप से जमा कराएं। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से वे युवा, जो 1 अक्टूबर 2026 को 18 वर्ष की आयु पूरी कर रहे हैं, वे समय रहते फॉर्म-6 भरकर मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जुड़वाएं।

विभिन्न प्रपत्रों की प्रक्रिया स्पष्ट करते हुए उन्होंने बताया कि फॉर्म-7 के माध्यम से दर्ज आपत्तियों पर निर्धारित नियमों के तहत विधिवत जांच और सुनवाई के बाद ही कोई अंतिम निर्णय लिया जाएगा; केवल फॉर्म-7 भर देने से किसी भी मतदाता का नाम स्वतः नहीं हटाया जाएगा। वहीं, प्रविष्टियों में त्रुटि सुधार, पते में बदलाव अथवा नाम स्थानांतरित कराने के लिए पात्र नागरिक फॉर्म-8 के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

30 सितंबर 2026 की समय-सीमा समाप्त होने के बाद निर्वाचन तंत्र द्वारा प्राप्त सभी दावों और आपत्तियों के डिजिटाइजेशन, दस्तावेजों की जांच, आवश्यकतानुसार नोटिस जारी करने, सुनवाई तथा अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन की अग्रिम कार्रवाई शुरू की जाएगी।

के. रवि कुमार ने सभी बूथ लेवल अधिकारियों, बूथ लेवल एजेंटों , मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों और चुनाव कर्मियों से अपने-अपने क्षेत्रों में सघन जागरूकता अभियान चलाने का आह्वान किया है, ताकि कोई भी पात्र नागरिक जानकारी अथवा समय के अभाव में अपने मताधिकार से वंचित न रहे।

रांची सिविल कोर्ट का बड़ा फैसला: 76 लाख के चेक बाउंस मामले में अपील खारिज, प्रमोद कुमार सिन्हा की सजा और 1.10 करोड़ का जुर्माना बरकरार

बिभा संवाददाता

रांची : रांची के अपर न्यायायुक्त की अदालत ने चेक बाउंस से जुड़े एक बड़े और सनसनीखेज मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए अपीलकर्ता प्रमोद कुमार सिन्हा की क्रिमिनल अपील को खारिज कर दिया है। इसके साथ ही निचली अदालत द्वारा सुनाई गई एक साल की साधारण कैद और 1.10 करोड़ रुपये के भारी-भरकम मुआवजे व जुमार्ने के आदेश को पूरी तरह से बरकरार रखा है। इन तमाम कानूनी पहलुओं और साक्ष्यों की गहन समीक्षा के बाद अदालत ने अपील को खारिज कर दिया और अपीलकर्ता को सजा भुगतने के लिए निचली अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया है।

क्या था पूरा मामला और विवाद?

शिकायतकर्ता कंपनी मैसर्स सरोजिनी बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड (निदेशक कृष्णा मुरारी सिंह) ने निचली अदालत में शिकायत वाद 2018 में दर्ज कराया था। आरोप था कि कंपनी ने जमीन खरीदने के लिए प्रमोटर/आरोपी प्रमोद कुमार सिन्हा को कुल 3,24,73,700/- रुपये दिए थे (खाता नं- 157, प्लॉट नं- 845, क्षेत्रफल 25 कट्ठा)। हालांकि, बाद में जब कंपनी को पता चला कि उक्त जमीन पहले ही बेची जा चुकी है, तो उसने पैसे वापस मांगे। पैसे के भुगतान के एवज में आरोपी ने इंडसइंड बैंक (रातु रोड शाखा, रांची) का 76 लाख रुपये का एक पोस्ट-डेटा चेक (संख्या-554517, दिनांक 05.10.2018) दिया था। बैंक में प्रस्तुत करने पर यह चेक अपर्याप्त राशि के कारण बाउंस हो गया। कानूनी नोटिस भेजने और समयावधि बीतने के बाद भी भुगतान न होने पर एन.आई. एक्ट की धारा 138 के तहत मुकदमा चलाया गया था।

संक्षिप्त खबरें

दिवंगत ग्रिड कर्मी जगन्नाथ मुंडा के आश्रित को नियोजन व ईपीएफ भुगतान की मांग, ऊर्जा विकास श्रमिक संघ ने जीएम को सौंपा ज्ञापन

रांची(बिभा): झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में संचरण जोन-1 के महाप्रबंधक अनिल कुमार भारतीयंम से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने जापुत 132/33 केवी ग्रिड (खूंटी) में कार्यरत रहे स्वर्गीय जगन्नाथ मुंडा के आकस्मिक निधन के बाद उनके परिवार के समक्ष खड़े हुए गंभीर आर्थिक और रोजगार संकट पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान डीजीएम राजीव कुमार भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि गत 13 अगस्त 2026 को इलाज के दौरान जगन्नाथ मुंडा का निधन हो गया था। संघ ने मांग रखी कि मृतक कर्मी के स्थान पर परिवार की सहमति से उनके भांजे बॉबी बेदिया अथवा बहन प्रियंका हास्सा को कार्य का अवसर दिया जाए। साथ ही उनके ईपीएफ का अविलंब भुगतान कराने तथा भविष्य में किसी भी आउटसोर्स या दैनिक कर्मी के निधन पर परिजनों की सहमति या एनओसी के बिना किसी अन्य की बहाली न करने का स्पष्ट निर्देश जारी करने की मांग की गई।

आईआईएम रांची में 'आईआईएम राँची वाणी' पत्रिका का विमोचन

रांची(बिभा) : भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रांची के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित 'हिंदी पखवाड़ा 2026' का भव्य समापन हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डेलॉइट के कार्यकारी निदेशक व राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' के पौत्र ऋत्विक उदयन उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम का स्वागत संबोधन समन्वयक प्रो. सत्यम ने दिया। इस अवसर पर संस्थान की पहली हिंदी गृह पत्रिका 'आईआईएम राँची वाणी' का औपचारिक विमोचन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों और कर्मियों के 65 से अधिक आलेख, यात्रा संस्मरण, कविताएं व राजभाषा से जुड़ी वार्षिक गतिविधियां संकलित हैं। समारोह के दौरान विद्यार्थियों के 'ड्रामेबाज क्लब' ने दिनकर जी की कहानी पर आधारित 'अंतराल' और आंतरिक मानसिक द्वंद्व को दशार्ते नाटक 'दो तरफा' का सफल मंचन किया। इसके बाद मुख्य वक्ता ऋत्विक उदयन ने 'रश्मिरथी' का सस्वर पाठ करते हुए साहित्य और कॉर्पोरेट प्रबंधन के अंतसंबंधों को रेखांकित किया। उन्होंने दिनकर जी की 'संस्कृति के चार अध्याय' की तुलना नेहरू की 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया' से करते हुए समाज के वैचारिक विकास को समझाया। साथ ही 'रश्मिरथी' के प्रसंगों–जैसे श्रीकृष्ण के हस्तिनापुर संवाद को नेगोशिएशन व स्टेकहोल्डर मैनेजमेंट और घटोत्कच के बलिदान को रणनीतिक निर्णय से जोड़ते हुए कॉर्पोरेट जगत के सूत्र साझा किए।

विश्व पर्यटन दिवस पर न्यू मित्तल ट्रेवल्स को मिला बेस्ट ट्रैवल एजेंट अवॉर्ड, लोहरदगा का बढ़ाया मान

रांची/लोहरदगा (बिभा): विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर पर्यटन के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं और उल्लेखनीय योगदान के लिए लोहरदगा स्थित 'न्यू मित्तल ट्रेवल्स' को झारखंड के प्रतिष्ठित बेस्ट ट्रैवल एजेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। 27 सितंबर को रांची स्थित आद्रे हाउस में आयोजित भव्य राज्यस्तरीय समारोह में यह सम्मान प्रदान किया गया। झारखंड सरकार के पर्यटन, कला, संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग द्वारा आयोजित इस विशेष समारोह में पूरे राज्य से केवल दो अग्रणी ट्रैवल एजेंटों का चयन किया गया था। इस सूची में न्यू मित्तल ट्रेवल्स का नाम शामिल होना न केवल एजेंसी बल्कि पूरे लोहरदगा जिले के लिए एक बड़ी गौरवपूर्ण उपलब्धि है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार पर्यटन विभाग के सचिव मुकेश कुमार, निदेशक प्रियेश नमन लकड़ा, जनरल मैनेजर राजीव कुमार और आईएचएम रांची के प्रिंसिपल डॉ. भूपेश के कर-कमलों द्वारा न्यू मित्तल ट्रेवल्स के डायरेक्टर कौशल मित्तल को सौंपा गया। समारोह में उपस्थित अधिकारियों ने राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कौशल मित्तल के प्रयासों की सराहना की।

दुर्गा पूजा को लेकर झारखंड पुलिस अलर्ट, पंडालों से लेकर विसर्जन जुलूस तक रहेगी कड़ी निगरानी

बिभा संवाददाता

रांची। दुर्गा पूजा के दौरान राज्य में सुरक्षा और विधि-व्यवस्था को लेकर झारखंड पुलिस ने व्यापक तैयारी शुरू कर दी है। पुलिस मुख्यालय रांची में सोमवार को डीजीपी तदाशा मिश्रा की अध्यक्षता में सभी रेंज के आईजी, डीआईजी, एसएसपी और एसपी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा बैठक हुई। बैठक में पूजा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, ट्रैफिक, सोशल मीडिया निगरानी और विसर्जन जुलूस को लेकर अधिकारियों को कई दिशा-निर्देश दिए गए।

पुलिस महानिदेशक ने सभी जिलों में 24 घंटे सातों दिन नियंत्रण कक्ष संचालित करने और किसी भी घटना की सूचना तत्काल पुलिस मुख्यालय के वरीय अधिकारियों तथा महानिदेशक नियंत्रण कक्ष को देने का निर्देश दिया।

सभी लाइसेंसी और गैर-लाइसेंसी पूजा पंडालों का सत्यापन करने के साथ वरीय अधिकारियों को पंडालों का भौतिक निरीक्षण करने को कहा गया है।

पूजा पंडालों में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल, महिला पुलिसकर्मी और दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति होगी। संवेदनशील पंडालों को चिन्हित कर विशेष निगरानी रखने, सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन से निगरानी करने का निर्देश दिया गया है।

भीड़ वाले इलाकों में ट्रैफिक व्यवस्था, सुरक्षित पार्किंग और महिला-पुरुषों के लिए अलग-अलग प्रवेश एवं निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है।

पुलिस मुख्यालय ने अग्निशमन और आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था को दुरुस्त रखने के साथ बिजली आपूर्ति, इमरजेंसी नंबर और आवश्यकतानुसार पुलिस-मित्र वॉलेंटियर की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। भीड़भाड़ वाले पंडालों में आपातकालीन निकास द्वार की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। जिलों में तैनात बल को दंगा रोधी संसाधनों से लैस रखने और क्यूआरटी टीम को तैयार रखने का निर्देश दिया गया है।

छेड़खानी, चोरी और छिनतई जैसे अपराधों की रोकथाम के लिए विशेष निगरानी रखने को कहा गया है। सोशल मीडिया पर भड़काऊ भाषण, आपत्तिजनक पोस्ट या अफवाह के जरिए सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर नजर रखने और आवश्यक निरोधात्मक कार्रवाई का निर्देश दिया गया है।

पूजा के नाम पर होने वाली अवैध चंदा वसूली को भी चिन्हित कर कार्रवाई करने को कहा गया है। डांडिया और अन्य नृत्य कार्यक्रमों में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी विशेष व्यवस्था के निर्देश दिए गए हैं।

मूर्ति विसर्जन की तिथि और जुलूस मार्गों का सत्यापन करने के साथ धार्मिक स्थलों और विवादित क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया गया है। विसर्जन घाटों और नदियों पर गोताखोरों की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा गया है।

जुलूस की वीडियोग्राफी और ड्रोन से निगरानी होगी। साउंड सिस्टम से उत्तेजक गानों के इस्तेमाल पर नियंत्रण रखने तथा विसर्जन स्थलों पर सुरक्षा की विशेष व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है।

रिश्तों में अंग्रेजियत के कारण संस्कारों का क्षरण हो रहा है : गोविन्द शेंडे

बिभा संवाददाता

रांची : विश्व हिंदू परिषद प्रान्त कार्यालय रांची में विश्व हिंदू परिषद के अखिल भारतीय नैतिक शिक्षा प्रमुख माननीय गोविंद शेंडे जी की बैठक संपन्न हुई। बैठक को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज अपने देश में अंग्रेजियत के कारण परिवारों में संस्कारों का क्षरण हो रहा है। घर के बच्चे - बुआ, मौसी, काकी, नानी, दादी जैसे रिश्तों की भावपूर्ण सम्बन्ध से दूर होते जा रहे हैं। हम अपने घरों में रामायण के कथा को सुनते और सुनाते तो हैं पर हम स्वयं भी इसे अपने जीवन में आचरण नहीं करते। और आचरण से संस्कार, और संस्कार से चरित्र का निर्माण होता है।

इसके लिए सरकारी व निजी विद्यालयों से सम्पर्क कर पहले शिक्षक शिक्षिकाओं का एक कार्यशाला करना और फिर उन्हें कर्तव्य बोध याद कराकर छात्रों में नैतिक शिक्षा आधारित उन्हें शिक्षा देना और अंत में उनकी परीक्षा लेने की बातें बताई। परीक्षा में प्रश्नोत्तरी के अतिरिक्त अंत में संक्षेप में उनका मंतव्य भी लिखने का आग्रह करना और यही उनकी असल परीक्षा होगी। बैठक में मुख्य रूप से पटना व गोहाटी क्षेत्र धमार्चार्य संपर्क प्रमुख वीरेंद्र विमल, पटना क्षेत्र मंत्री डॉ. वीरेंद्र साहू, प्रांत संगठन मंत्री चितरंजन कुमार, बजरंग दल प्रांत संयोजक रंगनाथ महतो, मातृशक्ति प्रांत संयोजिका अनीमा पाण्डेय, दुगार्वाहिनी प्रान्त संयोजिका कीर्ति गौरव, प्रान्त धर्म प्रसार परियोजना प्रमुख रेणु अग्रवाल, प्रान्त सह विद्यार्थी प्रमुख अमर प्रसाद, महानगर सहमंत्री राजेश अग्रवाल, रामगढ़ जिला सहमंत्री अमित साहू आदि उपस्थित रहे।

सीसीएल में स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन, ढोरी क्षेत्र के उज्ज्वल पाठक बने विजेता

बिभा संवाददाता

रांची: राजभाषा माह-2026 के उपलक्ष्य में सोमवार को सीसीएल मानव संसाधन विकास विभाग के प्रकाश सभागार में स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में मुख्यालय सहित विभिन्न कोयला क्षेत्रों के अधिकारियों व कर्मियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी मौलिक रचनाओं के जरिए विविध सामाजिक, व्यक्तिगत व समसामयिक विषयों को मंच पर जीवंत किया।

प्रतियोगिता में ढोरी क्षेत्र के सहायक प्रबंधक (खनन) उज्ज्वल पाठक ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुति के दम पर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं पर्यावरण विभाग की महाप्रबंधक सुश्री संगीता द्वितीय, बीएनके क्षेत्र के प्रबंधक (मानव संसाधन) आर. पी. यादव तृतीय, वरीय प्रबंधक (मानव संसाधन) सुश्री सुष्मिता सहाय चतुर्थ और सीएसआर विभाग की उप प्रबंधक सुश्री पूजा प्रसाद पंचम स्थान पर रहीं। निर्णायक मंडली में जाने-माने वरिष्ठ साहित्यकार कुमार बृजेन्द्र और निर्मला महाविद्यालय की विभागाध्यक्ष डॉ. रेणु सिन्हा शामिल रहीं, जिन्होंने सभी प्रस्तुतियों का सूक्ष्म मूल्यांकन किया।

समारोह में अतिथियों का स्वागत महाप्रबंधक (एचआरडी) फैयाजुल हक एवं महाप्रबंधक (पर्यावरण) सुश्री संगीता ने किया, जबकि मंच संचालन सुश्री पूजा सिंह व रामाधार पांडेय ने और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. दिविक दिवेश ने किया। राजभाषा माह के तहत अब तक टिप्पण-आलेखन, प्रश्नोत्तरी, निबंध और हिंदी टंकण जैसी कई स्पधार्एं सफलतापूर्वक संपन्न हो चुकी हैं। इस कड़ी में अब राजभाषा संवर्ग के कर्मियों की प्रतिभा को निखारने के लिए विशेष ह्राजभाषोत्थानह्ल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इन गतिविधियों के माध्यम से संस्थान में राजभाषा हिंदी के प्रति रचनात्मकता और उत्साह का माहौल बना हुआ है।

ट्रेड लाइसेंस के नाम पर व्यवसायियों पर कार्रवाई चिंतनीय : चैम्बर

बिभा संवाददाता

रांची : ट्रेड लाइसेंस के नाम पर रांची नगर निगम द्वारा दुकानदारों को लगातार नोटिस जारी करने और दंडात्मक कार्रवाई किए जाने को लेकर सोमवार को चैंबर भवन में एक आपात बैठक आयोजित की गई। झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने निगम की इस कार्यप्रणाली पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि त्योहारी सीजन में ट्रेड लाइसेंस को हथियार बनाकर व्यवसायियों को प्रताड़ित किया जा रहा है। बैठक में जानकारी दी गई कि नगर निगम द्वारा राजस्व वसूली और ट्रेड लाइसेंस जारी करने वाली अधिकृत एजेंसी का कार्यकाल समाप्त हो चुका है। अब तक न तो नई एजेंसी बहाल हुई है और न ही पुरानी एजेंसी का विस्तार हुआ है। चैंबर द्वारा जांच करने पर ट्रेड लाइसेंस का ऑनलाइन पोर्टल भी प्रभावी ढंग से काम नहीं करता पाया गया। चैंबर उपाध्यक्ष रोहित पोद्दार ने कहा कि जब लाइसेंस बनाने या नवीनीकरण की व्यवस्था ही ठप है, तब मात्र तीन दिनों की मोहलत देकर दुकान सील करने का अल्टीमेटम देना पूरी तरह अनुचित है। ज्ञात हो कि सोमवार को शहीद चौक के समीप निगम द्वारा कुछ दुकानों को सील करने की कार्रवाई की गई थी, जिसका दुकानदारों ने कड़ा विरोध किया था।

चैंबर के पूर्व अध्यक्ष विनय अग्रवाल ने कहा कि व्यवसायी नियमों का पालन करने को तैयार हैं, लेकिन निगम पहले व्यवस्था को सुगम बनाए। इसके लिए विशेष कैंप आयोजित कर नए लाइसेंस बनाने व रिन्यूअल की सुविधा दी जानी चाहिए। चैंबर ने नगर प्रशासक से आग्रह किया कि जब तक पोर्टल व एजेंसी की व्यवस्था पूरी तरह दुरुस्त नहीं हो जाती, तब तक जांच, नोटिस और सीलिंग की कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा पूर्व में जारी नोटिसों को शिथिल किया जाए।

बैठक में चैंबर उपाध्यक्ष रोहित पोद्दार, पूर्व अध्यक्ष विनय अग्रवाल, राम बांगड़, मुकेश अग्रवाल, प्रवीण लोहिया, मोनिका गोयनका, अमित अग्रवाल, अमित किशोर, शैलेश अग्रवाल, उमंग सुल्तानिया, अमित अरोड़ा, शम्भू तिवारी, आलोक सिंह और राजीव चौधरी सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

पूर्व रेलवे

सं. ओ-एसी-टी-142 से 147-26-27 (खुली), दिनांक 24.09.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएँ (खुली) आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम सं. 1, केस सं. ओ-एसी-टी-142-26-27, कार्य का नाम:** फेज 1 एवं फेज 2 के लिए खुली निविदा, अण्डाल में इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव की जांच एवं रखरखाव गतिविधि के लिए ट्रिप मेन्टेनेंस/एडवांस इंस्पेक्शन सेंटर का निर्माण। **निविदा मूल्य :** रु. 18,21,32,090.04, **बयाना राशि :** रु. 36,42,600/-, **कार्य की समापन अवधि:** 12 माह। **क्रम सं. 2, केस सं. ओ-एसी-टी-143-26-27, कार्य का नाम:** वरिष्ठ डीईएन/3/आसनसोल के कार्यक्षेत्र में 3 स्टेशनों (रानीगंज-01, दुर्गापुर-02 और मानकर-04) में 07 लिफ्ट के प्रावधान एवं अन्य सहायक कार्यों के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु. 2,92,48,617.43, **बयाना राशि :** रु. 5,85,000/-, **कार्य की समापन अवधि:** 12 माह। **क्रम सं. 3, केस सं. ओ-एसी-टी-144-26-27, कार्य का नाम:** आसनसोल मंडल के विभिन्न यार्ड में प्लंजर लॉक बेस्ड हैंड पॉइंट्स में हैंड पॉइंट्स के रूपांतरण और वरिष्ठ डीईएन/3/ आसनसोल के खंड में एईएन/दुर्गापुर के अधीन अपेक्षित स्थान पर डब्ल्यू-बीम क्रैश फेंसिंग के विखंडन एवं पुनः बैठाने के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु. 44,98,859.07, **बयाना राशि :** रु. 90,000/-**कार्य की समापन अवधि:** 06 माह। **क्रम सं. 4, केस सं. ओ-एसी-टी-145-26-27, कार्य का नाम:** वरिष्ठ डीईएन/2/आसनसोल के कार्यक्षेत्र में 4 स्टेशनों (जसीडीह-01, मधुपुर-01, बासुकीनाथ -02 और चित्तरंजन-01) में 05 लिफ्ट के प्रावधान के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु. 2,08,91,624.41, **बयाना राशि :** रु. 4,17,800/-, **कार्य की समापन अवधि:** 12 माह। **क्रम सं. 5, केस सं. ओ-एसी-टी-146-26-27, कार्य का नाम:** आसनसोल मंडल के अधीन गैंग शेल्टर/शेड के प्रावधान और गैंग हट के सुधार तथा मधुपुर एवं दुर्गापुर स्टेशनों में नए इमर्जेंसी मेडिकल रूम के प्रावधान के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु. 1,19,75,864.04, **बयाना राशि :** रु. 2,39,500/-, **कार्य की समापन अवधि :** 06 माह । **क्रम सं. 6, केस सं. ओ-एसी-टी-147-26-27, कार्य का नाम:** आसनसोल मंडल के तहत सभी श्रेणियों के स्टेशनों पर दिव्यांगजन सुविधाओं (जैसे स्टैंडर्ड रैंप, टैक्टाइल पाथ यानी स्पर्श पथ, पार्किंग आदि) के प्रावधान के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु. 8,55,44,024.99, **बयाना राशि :** रु. 17,10,900/-, **कार्य की समापन अवधि:** 06 माह । **बंद होने की तिथि और समय:** दिनांक 23.10.2026 को 12.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में देखा जा सकता है।

ASN-272/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway

@easternrailwayheadquarter

चास नगर निगम बोर्ड की बैठक: 49 प्रस्तावों पर चर्चा, जनसुविधाओं पर जोर

बिभा संवाददाता

चास (बोकारो): चास नगर निगम बोर्ड की एक महत्वपूर्ण बैठक महापौर श्री भोलू पासवान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में उपमहापौर श्रीमती पूजा कुमारी, अपर नगर आयुक्त श्री संजीव कुमार, सहायक नगर आयुक्त श्रीमती स्मिता किरण सहित सभी वार्डों के पार्षद और संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान नगर निगम क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने, विकास कार्यों को गति देने और व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से कुल 49 महत्वपूर्ण एजेंडों पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

बैठक के मुख्य बिंदु:

बुनियादी ढांचा व विकास: बस पड़ाव व विभिन्न इंट्री प्वाइंट्स के निर्माण हेतु 50 एकड़ भूमि क्रय करने तथा 35 वार्डों में नए हाईमास्ट लाइट लगाने का प्रस्ताव रखा गया। पेयजल व राजस्व: जलापूर्ति योजना फेज-1 और फेज-2 के तहत उपभोक्ताओं से जलकर वसूली हेतु राजस्व कर्मियों की प्रतिनियुक्ति का निर्णय लिया गया। साथ ही व्यावसायिक/आवासीय भवनों में अवैध रूप से मोटर लगाकर जल दोहन करने वालों पर जुमार्ना व मोटर जब्ती की कार्रवाई पर सहमति बनी। पार्क व श्मशान घाट: अमृत पार्कों के बेहतर संचालन के लिए पुनः निविदा निकालने और निगम पार्षदों व कर्मियों के लिए प्रवेश निःशुल्क रखने का प्रस्ताव पारित हुआ। श्मशान घाट का संचालन व रख-रखाव निगम द्वारा किए जाने पर निर्णय लिया गया, ताकि मृत्यु प्रमाण-पत्र आसानी से मिल सके। सफाई व्यवस्था: आगामी दुगार्पूजा एवं छठ पर्व को देखते हुए सभी वार्डों और छठ घाटों पर विशेष सफाई अभियान, पर्याप्त स्ट्रीट लाइट, डस्टबिन व स्टोन डस्ट की व्यवस्था का प्रस्ताव पास हुआ। इसके अलावा, सभी 35 वार्डों में दो-दो नए सफाई मित्रों की नियुक्ति और सफाई मशीनरी की खरीद पर सहमति बनी। सूर्या कंपनी एवं स्ट्रीट लाइट मरम्मत एजेंसी द्वारा काम में लापरवाही बरतने पर उनका करार रद्द करने तथा जुडको व संबंधित संवेदक पर प्राथमिकी/नोटिस की कार्रवाई पर चर्चा हुई। कर्तव्य के दौरान नशा करने वाले कर्मियों पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई का निर्णय लिया गया। अतिक्रमण नियंत्रण: सरकारी भूमि और जोरिया के अतिक्रमण पर रोक लगाने के लिए अधिकारियों व कर्मियों की एक विशेष जांच समिति के गठन का प्रस्ताव लाया गया।

महापौर भोलू पासवान ने कहा कि शहर का समग्र विकास, स्वच्छता और सुचारू पेयजल आपूर्ति निगम की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को बोर्ड द्वारा लिए गए सभी निर्णयों पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

ज्ञानेश कुमार की बर्खास्तगी की मांग, कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

बिभा संवाददाता

बोकारो : मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर चल रहा राजनीतिक विवाद सोमवार को बोकारो में भी सड़क पर दिखा। जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकताओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का पुतला दहन किया। इसके बाद उपायुक्त कार्यालय पहुंचकर विभिन्न मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकताओं ने जमकर नारेबाजी की। पार्टी नेताओं ने चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं की जांच कराने की मांग की। साथ ही ज्ञानेश कुमार के खिलाफ तत्काल कार्रवाई, गिरफ्तारी और बर्खास्तगी की मांग उठाई गई। जिला कांग्रेस अध्यक्ष जवाहर माता ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले सरकार लोगों को चुनने का काम करती थी, लेकिन अब सरकार वोटर चुनने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि जब तक ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती, कांग्रेस सड़क से सदन तक आंदोलन जारी रखेगी। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने भाजपा और चुनाव प्रक्रिया को लेकर कई आरोप लगाए। नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता जरूरी है। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

सेंट मेरीज नर्सरी स्कूल में नए सत्र का पहला इंटरैक्शन आयोजित, अभिभावकों संग पहुँचे बच्चे

बोकारो(बिभा): सेंट मेरीज नर्सरी स्कूल, बोकारो में नए शैक्षणिक सत्र में नामांकन प्रक्रिया के तहत प्रथम 'इंटरैक्शन' का आयोजन शनिवार को किया गया। इस दौरान प्ले ग्रुप, प्री-नर्सरी, नर्सरी और प्रेप कक्षाओं में प्रवेश के इच्छुक बच्चे अपने माता-पिता के साथ विद्यालय परिसर पहुँचे, जहाँ उनका आत्मीय स्वागत किया गया। स्वागत के दौरान नन्हे बच्चों को स्माइली और पेंसिल दी गई। अभिभावकों की सुविधा और पूरी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित रखने के लिए 'कूपन सिस्टम' लागू किया गया था, जिसके माध्यम से फॉर्म सत्यापन सहित प्रवेश की अन्य औपचारिकताएँ क्रमबद्ध तरीके से संपन्न हुईं। कार्यक्रम को बच्चों के अनुकूल और आनंदपूर्ण बनाने के लिए प्ले रूम में कई गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इंडोर गेम्स, पहेलियों और मॉन्टेसरी-आधारित शिक्षण सामग्रियों के जरिए बच्चों को खेल-खेल में सीखने का अवसर मिला। इसके अलावा स्मार्ट पैनल के जरिए इंटरैक्टिव प्रेजेंटेशन भी प्रस्तुत की गई, जिसमें बच्चों ने पूरे उत्साह से भाग लिया। इन गतिविधियों का उद्देश्य बच्चों के शारीरिक, मानसिक व संवाद कौशल का विकास करना रहा। इंटरैक्शन के दौरान अभिभावकों और बच्चों ने विद्यालय की प्राचार्या से मुलाकात की। इस दौरान आगे की नामांकन प्रक्रिया के साथ-साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास में अभिभावकों और स्कूल की साझा जिम्मेदारी पर चर्चा हुई। गौरतलब है कि सेंट मेरीज नर्सरी स्कूल इस वर्ष अपनी स्थापना की 50वीं वर्षगांठ मना रहा है। बीते पाँच दशकों की अपनी शैक्षणिक यात्रा को आगे बढ़ाते हुए विद्यालय प्रबंधन ने नए सत्र के इस प्रथम इंटरैक्शन को यादगार और नई शुरूआत का प्रतीक बताया। आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त शिक्षकों व कर्मियों का सराहनीय योगदान रहा।

डीपीएस बोकारो की प्रधानाध्यापिका प्रीति सिन्हा एवं वरिष्ठ शिक्षिका पी. कलावती को मिला 'गार्गी मंजू सम्मान'

बोकारो(बिभा)। शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र-निर्माण में उल्लेखनीय योगदान के लिए दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो की प्रधानाध्यापिका प्रीति सिन्हा एवं वरिष्ठ शिक्षिका पी. कलावती को प्रतिष्ठित गार्गी मंजू सम्मान 2026 से नवाजा गया है। रविवार देर शाम रांची में गार्गी मंजू सम्मान के चौथे संस्करण के दौरान अंग्रेजी शिक्षिका श्रीमती सिन्हा एवं हिन्दी की पूर्व विभागाध्यक्ष श्रीमती कलावती हिन्दी के प्रख्यात कवि, साहित्यकार पद्मश्री डॉ अशोक चक्रधर एवं अंग्रेजी के विद्वान, साहित्यकार व कलाकार एंड्रू हॉफ लैंड के हाथों सम्मानित की गईं। शैक्षिक योगदान, समर्पण एवं समाज-निर्माण में उनकी महती भूमिका के लिए 11,000 रुपए की नकद पारितोषिक राशि, स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति प्रदान कर अलंकृत किया गया। उल्लेखनीय है कि शिक्षा के माध्यम से समाज-सुधार की अलख जगाने वाली टेंडर हार्ट स्कूल, रांची की संस्थापिका स्व. गार्गी मंजू की पुण्य स्मृति में सुधीर तिवारी फाउंडेशन की ओर से प्रतिवर्ष राज्य के उत्कृष्ट शिक्षकों को सम्मानित किया जाता रहा है। इस बार के चौथे संस्करण में राज्य के 114 विद्यालयों के लगभग 250 हिन्दी-अंग्रेजी एवं भाषा-साहित्य के शिक्षक-शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया। सोमवार को डीपीएस बोकारो की उक्त दोनों शिक्षिकाओं के बोकारो लौटने पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने प्रोत्साहित करते हुए इस उपलब्धि के लिए अपनी बधाई व शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इसे शिक्षिकाओं के समर्पण, उनकी कर्तव्यनिष्ठता एवं अनुकरणीय सेवा का प्रतिफल तथा विद्यालय परिवार के लिए अनुपम गौरव बताया। विदित हो कि प्रधानाध्यापिका प्रीति सिन्हा विगत 22 वर्षों से अंग्रेजी अध्यापन से जुड़ी हैं, वहीं हिन्दी शिक्षिका पी. कलावती को 25 वर्षों से अधिक का कुशल अनुभव है। दोनों शिक्षिकाओं ने इसका श्रेय अपने प्राचार्य के सहयोग व मार्गदर्शन को देते हुए अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। प्राचार्य के साथ-साथ पूरे विद्यालय परिवार ने शिक्षिकाद्वय को बधाई दी।

बांस के सहारे ठाकुरटांड का पानी टंकी

बोकारो(बिभा)। जरीडीह प्रखंड खूंटरी पंचायत के ठाकुरटांड गांव में पंचायत मद से बनाये गए ग्रामीण जलमीनार कभी भी गिर सकता है । गांव के लोग टंकी के नीचे बांस का खम्भा लगाकर नल से पेयजल की समस्या से निजात पा रहे हैं। गांव के भीम महली , डेगलाल महतो , सुखदेव , कामदेव , संतोष ने बताया कि टंकी के सेड में लगा लोहे का एंगल जंक लगकर टूट गया है। हम सब किसी तरह से टंकी को गिरने से बचा रहे हैं। इसी नल का पानी पूरा गांव पीता है । जर्जर हुए टंकी और खंभे की जानकारी मुखिया लीलावती देवी और वार्ड सदस्य को दिया गया है। समय रहते इसे नहीं बनाया गया तो पीने के पानी के लिए गांव के लोग तरस जाएंगे।

डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 4.50 लाख की साइबर ठगी, आगरा से दो गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

बोकारो। गोमिया थाना क्षेत्र की एक महिला को महाराष्ट्र एटीएस का अधिकारी बनकर डिजिटल अरेस्ट करने की धमकी देकर 4.50 लाख रुपये की साइबर ठगी करने के मामले में बोकारो साइबर थाना पुलिस ने आगरा, उत्तर प्रदेश से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से साइबर ठगी से संबंधित लेन-देन के ऑडियो व मैसेज के साक्ष्य वाले दो मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, 13 मार्च 2026 को गोमिया थाना क्षेत्र की वादिनी पुष्पलता त्रिपाठी को साइबर अपराधियों ने फोन कर खुद को महाराष्ट्र एटीएस का अधिकारी बताया। आरोपियों ने महिला के पति के खाते में पाकिस्तान के एक खाते से 300 करोड़ रुपये अवैध रूप से आने और इसके एवज में 16 लाख रुपये कमीशन मिलने का आरोप लगाया। इसके बाद महिला को गिरफ्तारी का डर दिखाकर डिजिटल अरेस्ट कर लिया गया और उससे अलग-अलग माध्यमों से कुल 4.50 लाख रुपये की ठगी की गई। मामले में साइबर अपराध थाना कांड संख्या 08/2026 दर्ज किया गया।

कांड के उद्भेदन के लिए पुलिस अधीक्षक, बोकारो के निर्देशन में पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) पवन कुमार सह थाना प्रभारी, साइबर अपराध थाना के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। तकनीकी एवं मानवीय साक्ष्यों के आधार पर टीम ने आगरा में छापेमारी कर रवि कुमार (23), पिता सुरेन्द्र, निवासी नगला हरमुख, आगरा और ऋतिक कुशवाहा (21), पिता सुभास कुशवाहा, निवासी खेड़ा मोहल्ला, खेरागढ़, आगरा को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने आरोपियों के पास से आईफोन 15 और नथिंग फोन (3ए), 256 जीबी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, दोनों मोबाइल में साइबर फ्रॉड की रकम के लेन-देन से संबंधित ऑडियो और मैसेज के साक्ष्य मिले हैं। दोनों मोबाइल को विधिवत जब्त कर लिया गया है।

4.30 लाख रुपये की राशि वापस कराने की कार्रवाई

बोकारो साइबर अपराध थाना की ओर से साइबर ठगी के पीड़ितों को मनी रेस्टोरेशन मॉड्यूल (एमआरएम) के माध्यम से राशि वापस कराने की कार्रवाई भी की गई है। पुलिस के अनुसार, कुल 4,30,009 रुपये की ठगी की राशि वापस कराई गई है। इसमें 16 खाताधारकों के खातों में कुल 1,50,957 रुपये तथा कांड संख्या 35/2026 के खाताधारक प्रवीण कुमार के एचडीएफसी बैंक खाते में 2,79,052 रुपये वापस किए जा चुके हैं।

पुलिस ने बताया कि तकनीकी एवं मानवीय साक्ष्यों के आधार पर टीम ने राज्य से बाहर जाकर आरोपियों की गिरफ्तारी की। कार्रवाई में शामिल पुलिसकर्मियों को उनके बेहतर कार्य के लिए पुरस्कृत किए जाने की बात कही गई है।

छापामारी दल में पु.अ.नि. गौरव गोयल (अनुसंधानकर्ता), पु.अ.नि. प्रमोद कुमार पंडित, पु.अ.नि. रमेश कुमार, आरक्षी 565 रितेश कुमार (तकनीकी सहायक) और आरक्षी 1426 सुनील मंडल शामिल थे।

राष्ट्रीय बास्केटबॉल चैंपियनशिप में बोकारो का जलवा: 4 खिलाड़ियों का झारखंड टीम में चयन

बिभा संवाददाता

बोकारो : आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में आयोजित 51वीं सब-जूनियर नेशनल बास्केटबॉल चैंपियनशिप 2026 में बोकारो के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। प्रतियोगिता में भाग ले रही झारखंड की बालक और बालिका टीमों में बोकारो जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन के चार प्रतिभावान खिलाड़ियों का चयन हुआ है। इसके साथ ही झारखंड बालिका टीम के मुख्य कोच के रूप में बोकारो के ही किंकर कृष्णा टीम का मार्गदर्शन कर रहे हैं। 27 सितंबर से शुरू हुई यह प्रतियोगिता 4 अक्टूबर 2026 तक चलेगी।

झारखंड बालक टीम में बोकारो से तीन खिलाड़ियों ने अपनी जगह बनाई है। इनमें दिल्ली पब्लिक स्कूल (चास) एवं डीपीएस बास्केटबॉल ट्रेनिंग सेंटर से सूर्यांश, डीएवी इस्पात विद्यालय (सेक्टर-12) के नवीन कुमार पासवान और माउंट सियोन स्कूल (सेक्टर-12) के आशीष कुमार शामिल हैं। वहीं, बालिका वर्ग में बोकारो की इशिता का चयन हुआ है।

राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता से पूर्व 10 दिनों के गहन प्रशिक्षण शिविर में भाग लिया। झारखंड बास्केटबॉल एसोसिएशन के सचिव जो सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस कैंप में खिलाड़ियों ने अपनी तकनीकों और फिटनेस पर कड़ी मेहनत की, जिसका असर मैदान पर दिख रहा है।

जिले के चार खिलाड़ियों और मुख्य कोच के राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करने से बोकारो के खेल प्रेमियों, प्रशिक्षकों और खिलाड़ियों में हर्ष का माहौल है। बोकारो जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष सत्येंद्र और सचिव कन्हैया प्रसाद ने सभी चयनित खिलाड़ियों एवं कोच किंकर कृष्णा को बधाई देते हुए प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन और जीत की शुभकामनाएं दी हैं।

ई-समन ऐप के जरिए समन तामिला की प्रक्रिया को बनाया जाएगा आसान

बिभा संवाददाता

बोकारो। पुलिस अधीक्षक नाथु सिंह मीणा की अध्यक्षता में सोमवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय स्थित सभागार में ई-समन ऐप के उपयोग को लेकर पुलिस पदाधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य न्यायालय से जारी समन एवं कानूनी नोटिसों की तामिला प्रक्रिया को डिजिटल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाना है।

प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि ई-समन ऐप मोबाइल के माध्यम से न्यायालय से प्राप्त समन की इलेक्ट्रॉनिक तामिला के लिए विकसित डिजिटल प्लेटफॉर्म है। इसके माध्यम से समन एवं कानूनी नोटिसों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से भेजने, ट्रैक करने और उनकी तामिला की प्रक्रिया पूरी की जा सकेगी। समन की तामिला संबंधित अनुसंधानकर्ता द्वारा ही की जाएगी। बताया गया कि यह ऐप आईसीजेएस (अंतरसंचालनीय आपराधिक न्याय प्रणाली) के तहत पुलिस और न्यायिक प्रक्रिया के बीच समन्वय बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इससे कानूनी कार्रवाई में लगने वाले समय को कम करने के साथ प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने में मदद मिलेगी।

प्रशिक्षण में पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), सेक्टर-4/बीएस सिटी थाना प्रभारी, पुलिस अवर निरीक्षक दीपक कुमार राणा, अखिलेश कुमार, कुमार विक्रम सिंह, मनीष कुमार गुप्ता, शशिभूषण गोप, सतेन्द्र पासवान, नित्यानन्द भोक्ता, सहायक अवर निरीक्षक पुसन पाहन एवं रज्जी अहमद समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण मृत्युंजय कुमार (एफएम) ने दिया।

प्रशिक्षण के बाद पुलिस अधीक्षक नाथु सिंह मीणा ने सभी प्रशिक्षुओं को निर्देश दिया कि ई-समन ऐप डाउनलोड कर पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय से प्राप्त समनों की समय पर तामिला सुनिश्चित करें। उन्होंने डिजिटल माध्यम से समन तामिला की प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया।

महिला यात्रीयों को मिलेगी सुविधा:अन्नु नारंग

बिभा संवाददाता

बोकारो। महिला यात्रियों, विशेषकर माताओं एवं शिशुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रोटरी क्लब चास द्वारा बोकारो रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर एक ब्रेस्टफीडिंग बूथ (स्तनपान कक्ष) का निर्माण कराया गया है। ?टरी क्लब चास के अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ने कहा की इस पहल का उद्देश्य रेल यात्रा के दौरान महिलाओं को अपने शिशुओं को स्तनपान कराने के लिए सुरक्षित, स्वच्छ एवं निजी स्थान उपलब्ध कराना है। ब्रेस्टफीडिंग बूथ का उद्घाटन रोटरी जिला पाल अनु नारंग एवं क्षेत्रीय रेल प्रबंधक विनित सिंह सहायक क्षेत्रीय रेल प्रबंधक अंकिता सिंह द्वारा किया गया।स्टेशन मास्टर संतोष नायक भी उपस्थित रहे। सहायक जिला पाल पूजा बैद एवं निरुपमा सिंह ने संयुक्त रूप से कहा कि रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में महिलाएं एवं छोटे बच्चे यात्रा करते हैं। पूजा ने कहा कि सार्वजनिक स्थान पर शिशु को स्तनपान कराने में माताओं को कई बार असुविधा एवं संकोच का सामना करना पड़ता है। इसी आवश्यकता को देखते हुए रोटरी क्लब चास ने यह सुविधा उपलब्ध कराने की पहल की है।

रोटरी जिला 3250 की जिला पाल अन्नु नारंग ने कहा कि रोटरी क्लब चास का उद्देश्य केवल सेवा करना ही नहीं, बल्कि ऐसी सुविधाएं उपलब्ध कराना है, जिनका सीधा लाभ आम लोगों को मिले। एआरएम विनित सिंह ने कहा कि ब्रेस्टफीडिंग बूथ माताओं के सम्मान, सुविधा और शिशुओं के स्वास्थ्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके लिए उन्होंने रोटरी क्लब चास की तारीफ की।

सचिव बिनोद चोपड़ा ने कहा कि यह बूथ अन्य संस्थाओं को भी जनहित में ऐसी सुविधाएं विकसित करने के लिए प्रेरित करेगी। बिनोद ने इस बूथ के निर्माण में सहयोग के लिए डीडी फाउंडेशन का आभार किया।इस अवसर पर पूर्व जिला पाल संदीप नारंग एवं महेश केजरीवाल तथा संजय बैद, नरेंद्र सिंह, माधुरी सिंह, ललिता चोपड़ा, सिद्धार्थ पारख,दीपक झांझरिया, शैल रस्तोगी,प्रकाश केजरीवाल, अभिषेक कुमार वाणिज्य निरीक्षक सुमित झा मुख्य बुकिंग पर्यवेक्षक, संतोष कुमार टिकट निरीक्षक, अर्चना सिंह, पल्लवी प्रसाद, पूर्वी केजरीवाल ज्योति अग्रवाल, किरण कुमार आरती पारख कल्याणी गुप्ता, डॉ जॉन ल्यू, घनश्याम दास,मोहित अग्रवाल, खोनेन,प्रदीप रे आदि उपस्थित थे।

धमन भट्टी विभाग में बीएसएल कर्मचारियों का प्रदर्शन, प्रबंधन के खिलाफ जताया आक्रोश

बिभा संवाददाता

बोकारो। बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ (बीएकेएस) के बैनर तले चल रहे दूसरे चरण के आंदोलन के तहत सोमवार को धमन भट्टी विभाग के मुख्य महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान कर्मचारियों ने सेल कॉरपोरेट और बोकारो इस्पात संयंत्र प्रबंधन के खिलाफ आक्रोश जताते हुए लंबित मांगों के शीघ्र समाधान की मांग की।

संघ के अनुसार, दूसरे चरण के आंदोलन में बीएसएल के विभिन्न प्रमुख विभागों के विभागाध्यक्ष कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया जा रहा है। इसी क्रम में आंदोलन के पांचवें दिन धमन भट्टी विभाग में कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान वेज रिवीजन में कथित अनियमितता, बोनस फॉमूर्ला को रद्द करने, इंसेंटिव फॉमूर्ला में संशोधन में हो रहे विलंब तथा एनजेसीएस में गैर-निर्वाचित नेताओं को शामिल किए जाने समेत विभिन्न मुद्दे उठाए गए। संघ का कहना है कि कर्मचारियों से जुड़े 45 से अधिक मामले सेल कॉरपोरेट स्तर पर लंबित हैं। इन मुद्दों को लेकर कर्मचारियों में नाराजगी है।

सभा को संबोधित करते हुए संघ के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि वर्ष 2017 के वेज रिवीजन में कर्मचारियों के प्रस्ताव के स्थान पर प्रबंधन के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। वक्ताओं ने बोनस फॉमूर्ला को लेकर भी प्रबंधन पर सवाल उठाए। उनका आरोप था कि बोनस फॉमूर्ला तैयार करने के बाद सब-कमेटी और कोर कमेटी के नाम पर गैर-निर्वाचित नेताओं तथा प्रबंधन के बीच कथित गठजोड़ के कारण कर्मचारियों को उनके श्रम का उचित लाभ नहीं मिल पा रहा है।

सभा का संचालन विभागीय प्रतिनिधि अर्जुन मिंज ने किया। इस दौरान महासचिव हरिओम, अध्यक्ष दिलीप कुमार, उपाध्यक्ष कृष्ण रजवार, कोषाध्यक्ष राहुल साव, उपमहासचिव माणिक मुंडा सहित कार्यकारिणी के सदस्यों ने संबोधित किया।

विभागीय प्रतिनिधि नीरज कुमार ने कहा, लंबित मांगों का समाधान नहीं होने के कारण फिलहाल हम सांकेतिक रूप से विरोध दर्ज करा रहे हैं। इसके बावजूद यदि प्रबंधन का रवैया नहीं सुधरा तो हम विवश होकर काला झंडा लेकर सामूहिक रूप से मौन जुलूस निकालेंगे और अपनी व्यथा प्रबंधन तक पहुंचाएंगे।

एसएनए छऊ केंद्र चंदनकियारी में सरायकेला छऊ संगीत पर तीन दिवसीय कार्यशाला शुरू

बिभा संवाददाता

बोकारो : सोमवार को एसएनए छऊ केंद्र, चंदनकियारी में सरायकेला छऊ संगीत पर तीन दिवसीय कार्यशाला शुरू हुई। कार्यक्रम का उदघाटन केन्द्र के कॉर्डिनेटर डॉ संजय कुमार चौधरी एवं संगीत नाटक अकादेमी के प्रतिनिधि के रूप में आगंतुक प्रवीण कुमार दुरेजा जी, परीक्षित महतो, दुर्गा दे द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों की भी सहभागिता रही। त्रिनेत्र आर्ट के कलाकारों देवराज दुबे, संजय कर्मकार एवं पोतोम मुखी ने सरायकेला संगीत के त्रिदिवसीय कार्यशाला में संगीत से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। डॉ संजय कुमार चौधरी के निर्देशन में कार्यक्रम का प्रथम दिवस सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। डॉ चौधरी ने कहा कि संगीत नाटक अकादमी के इस तीन दिवसीय कार्यशाला से कलाकारों को सरायकेला छऊ संगीत की खूबियों से अवगत होने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में केंद्र के दिलीप कुमार जेना, विजय कुमार, आशुतोष कुमार एवं राखो बाउरी का अहम योगदान रहा।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार अविलम्ब त्यागपत्र दे : राजीव रंजन प्रसाद

ज्ञानेश कुमार पर उठे आरोपों की निष्पक्ष जांच हो : जय प्रकाश भाई पटेल

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : जिला कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित और कांग्रेस की मांगों तथा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा वोटों की चोरी के विरोध डिस्ट्रिक्ट बोर्ड चौक स्थित डॉ.भीमराव अंबेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्रतिमा स्थल से चलकर नया समाहरणालय गेट के बाहर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व पूर्व मंत्री सह जिला अध्यक्ष जय प्रकाश भाई पटेल ने किया। विरोध मार्च में अपने संबोधन में प्रदेश महासचिव सह हजारीबाग जिला प्रभारी राजीव रंजन प्रसाद ने कहा की वोट भारतीय लोकतंत्र की नींव है। वोट से ही हमारे संविधान को ताकत, हमारे कानूनों को अधिकार और हमारे सार्वजनिक संस्थानों को वैधता मिलती है - यही कड़ी आधुनिक भारत की पहचान है। आज यह कड़ी टूट गई है, और भारत में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। वोट को खत्म करके, इस सरकार और चुनाव आयोग ने हर भारतीय की आवाज पर हमला किया है। इस सरकार ने चोरी किए गए वोटों के दम पर जो कुछ भी किया है, वह गैर-कानूनी है। वोट चोरी से चुना गया सांसद गैर-कानूनी तरीके से अपनी सीट पर बैठा है, और उस सांसद के समर्थन से पास हुआ हर कानून गैर-कानूनी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की पार्टी ने तीन साल से वोट चोरी को राहुल गांधी जी के नेतृत्व में उजागर करने का काम किया है अब चुनाव आयुक्त गण खुद इसे स्वीकार कर सच्चाई उजागर कर रहे हैं। ज्ञानेश कुमार ने देशद्रोह किया है। वो अभी इस्तीफा दें और गवाह बन जाएं। क्यूँकी कॉग्रेस पार्टी ने वोट चोरी के खिलाफ सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन का बिगुल फुंक दिया है वोट चोरी की साज़िश में नरेंद्र मोदी और अमित शाह की पूरी जांच होगी। जिला अध्यक्ष जय प्रकाश भाई पटेल ने अपने संबोधन मे कहा कि निर्वाचन आयोग का निर्णय प्रक्रिया में पारदर्शिता संस्थागत जवाबदेही, एसआईआर प्रक्रिया और मतदाता सूची की विश्वसनीयता, निर्वाचन आयोग आईटी प्रणाली और डेटा प्रबंधन, मतदाता सूची में किए गए बदलाव की स्वतंत्र समीक्षा तथा मुख्य निर्वाचन आयुक्त संबंध मे उठे आरोपों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। कांग्रेस इसकी मांग करती है । यदि ये मांगे पुरी नही की गई तो कांग्रेस का विरोध जारी रहेगा।कार्यक्रम में पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला सदर विधानसभा के पूर्व प्रत्यासी मुन्ना सिंह बरही विधानसभा के पूर्व प्रत्यासी अरूण साहू प्रदेश कॉडीनेटर बिनोद कुशवाहा ने भी संबोधित किया। जिला कांग्रेस के मीडिया अध्यक्ष निसार ने बताया कि कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन नगर अध्यक्ष परवेज अहमद ने किया। वहीं कार्यक्रम में प्रदेश के पदाधिकारीगण पूर्व जिला अध्यक्षगण जिला के पदाधिकारीगण वरिष्ठ कांग्रेसजन युवा कांग्रेस, एनएसयुआई, महिला कांग्रेस, कांग्रेस सेवादल प्रखंड, मंडल, पंचायत तथा सभी प्रकोष्ठों के अध्यक्षगण के अतिरिक्त हजारों की संख्या मे कांग्रेसी कार्यकर्तागण उपस्थित थे ।

झामुमो ने किया ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन, इस्तीफे की उठाई मांग

लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा बनाए रखने के लिए जवाबदेही तय होना आवश्यक है : संजीव बेदिया

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित एक रिपोर्ट के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर उठे विवाद के विरोध में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) हजारीबाग जिला समिति ने रविवार को जिला परिषद चौक पर उनका पुतला दहन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष संजीव कुमार बेदिया ने की।

इससे पूर्व बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता हीराबाग चौक स्थित जिला कार्यालय में एकत्रित हुए, जहां से नारेबाजी करते हुए जुलूस की शक्ल में जिला परिषद चौक पहुंचे। वहां कार्यकताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया तथा उनके इस्तीफे की मांग की। इस दौरान कार्यकताओं ने लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष संजीव कुमार बेदिया ने कहा कि हाल में सामने आई खबरों ने देश की जनता के बीच कई सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर जनता का विश्वास लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है और यदि किसी अधिकारी की कार्यशैली या भूमिका को लेकर गंभीर सवाल उठते हैं तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा बनाए रखने के लिए जवाबदेही तय होना आवश्यक है।जिला सचिव नीलकंठ महतो ने कहा कि देश का लोकतंत्र निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव प्रणाली पर आधारित है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन तथ्यों का खुलासा मीडिया रिपोर्टों में हुआ है, उससे आम नागरिकों के बीच शंकाएं पैदा हुई हैं। उन्होंने कहा कि जनता के विश्वास को बनाए रखने के लिए पूरे मामले की पारदर्शी जांच कराई जानी चाहिए और यदि आरोपों में सच्चाई पाई जाती है तो संबंधित लोगों के विरुद्ध उचित कार्रवाई होनी चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

लातेहार में आज चला वाहन जांच अभियान 50,500 रुपए का चालान कटा

लातेहार (बिभा): सड़क पर बढ़ती दुर्घटना को लेकर उपायुक्त संदीप कुमार के निदेशानुसार ज़िला परिवहन पदाधिकारी उमेश मंडल, पुलिस उपाधीक्षक प्रदीप कुमार और प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षक राम लखन बर्नवाल के द्वारा सोमवार को लातेहार थाना के सर्किट हाउस, लातेहार के पास बढ़ती सड़क दुर्घटना की रोकथाम हेतू दुपहिया- तीनपहिया वाहनों की जाँच की गयीं जाँच में दोषी वाहनों के विरुद्ध कुल 48 वाहनों से 50,500/ रू राशि का ई-चालान किया गया तथा सड़क सुरक्षा के बारे में वाहन चालकों को जागरूक भी किया गया । आए दिन लातेहार जिले में सड़क दुर्घटनाएं बढ़ती जा रही है, जिससे कई लोगों की जान चली गई, परिवहन विभाग के पदाधिकारी ने कहा और लोगों से अपील की दो चकिया और तीन चकिया एवं चार चकिया वाहन चालकों रोड पर धीमी गति से और देख समझकर गाड़ी चलाएं क्योंकि एक समझदारी से लोगों की जान बच सकती है, इसी तरह वाहन जांच अभियान आगे भी चलता रहेगा।

चेतना शाखा काछठा मासिक स्वास्थ्य जांच शिविर संपन्न

रामगढ़(बिभा): मारवाड़ी युवा मंच, रामगढ़ कैंट चेतना शाखा द्वारा दिनांक 28 सितंबर को प्रातः 6:45 बजे, हनुमान मंदिर, संकट मोचन मंदिर, थाना चौक में छठे मासिक स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर में लगभग 29 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। शिविर में शुगर, कोलेस्ट्रॉल, हीमोग्लोबिन, कैल्शियम, यूरिक एसिड, टीएसएच, टी3, एचबीए1सी, लिपिड प्रोफाइल, विटामिन बी12, विटामिन डी, थायरॉयड एवं फुल बॉडी चेकअप सहित विभिन्न आवश्यक स्वास्थ्य जांचें की गईं। इस सेवा कार्य में चेतना शाखा के लगभग 6 सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए शिविर को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। शाखा द्वारा नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे स्वास्थ्य जांच शिविर समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने तथा समय पर स्वास्थ्य संबंधी जांच एवं सावधानी के महत्व का संदेश देने की दिशा में एक सार्थक प्रयास हैं।

जीतो रांची में पहली बार एजीएम के बाद चुनाव, पायल सेठी बनीं चेयरमैन

हजारीबाग/रांची(बिभा): जीतो रांची के कार्यकाल 2026-28 के लिए रविवार को एजीएम के पश्चात चुनाव प्रक्रिया आयोजित की गई। जीतो रांची के इतिहास में यह पहली बार है, जब एजीएम के बाद चुनाव के माध्यम से नई नेतृत्व टीम के गठन की प्रक्रिया पूरी की गई। चुनाव में कुल 72 मतदाताओं ने हिस्सा लिया। संगठन में तीन निदेशक पदों के लिए चुनाव होना था, जिसके लिए चार नामांकन प्राप्त हुए। चुनाव मैदान में पायल सेठी, विशाल जैन, कुणाल जैन और प्रतीक जैन शामिल थे।मतदान में पायल सेठी को 71, विशाल जैन को 68 और कुणाल जैन को 42 मत प्राप्त हुए। प्राप्त परिणामों के आधार पर तीन निर्वाचित निदेशकों द्वारा कार्यकाल 2026-28 के लिए नई हेड टेबल का गठन किया गया।नई हेड टेबल में चेयरमैन के रूप में पायल सेठी, चीफ सेक्रेटरी के रूप में कुणाल जैन तथा ट्रेजरर के रूप में सीए मोहित जैन को जिम्मेदारी सौंपी गई।चुनाव प्रक्रिया के सुचारू संचालन के लिए प्रदीप जी जैन को आरओ नियुक्त किया गया था। उन्होंने निर्धारित नियमों एवं प्रक्रिया के अनुसार चुनाव संपन्न कराया। नई हेड टेबल का विधिवत कार्यभार आगामी निर्धारित कार्यक्रम में किया जाएगा। इस अवसर पर वर्तमान पदाधिकारी नई टीम को संगठन का कार्यभार सौंपेंगे।

बालूमाथ मुख्य पथ से हटेगा अतिक्रमण, कोयला वाहनों के प्रदूषण पर लगेगी रोकः उपायुक्त

बिभा संवाददाता

लातेहार। बालूमाथ मुख्य पथ पर बढ़ते अतिक्रमण और कोयला वाहनों के परिचालन से आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। इन गंभीर समस्याओं के समाधान को लेकर उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी संदीप कुमार ने सख्त रुख अपनाया है। डीसी ने मुख्य पथ को अविलंब अतिक्रमण मुक्त कराने और कोयला ढुलाई से फैल रहे प्रदूषण पर प्रभावी रोकथाम के कड़े निर्देश दिए हैं। मामले के स्थायी समाधान के लिए 3 अक्टूबर को बालूमाथ प्रखंड कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है।

बालूमाथ मुख्य पथ पर कई स्थानों पर दुकानदारों और स्थानीय लोगों द्वारा अवैध कब्जा कर लिए जाने के कारण आए दिन जाम की स्थिति बन रही है, जिससे ग्रामीणों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि नियमानुसार अभियान चलाकर सभी अतिक्रमित स्थलों को शीघ्र खाली कराया जाए और की गई कार्रवाई की रिपोर्ट जिला मुख्यालय को उपलब्ध कराई जाए।

उपायुक्त ने कहा कि आम लोगों के आवागमन में किसी भी प्रकार की बाधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अतिक्रमण हटाने और कोयला वाहनों के परिचालन से जुड़ी समस्याओं का हल सभी संबंधित पक्षों के साथ समन्वय बनाकर निकाला जाएगा। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे स्थानीय जनप्रतिनिधियों, व्यवसायियों और आम ग्रामीणों के साथ मिलकर जमीनी स्तर पर व्यावहारिक हल तलाशें।

कोयला ढुलाई से उड़ने वाली धूल, प्रदूषण और यातायात की समस्याओं के स्थायी निराकरण के लिए 3 अक्टूबर को प्रखंड कार्यालय में होने वाली बैठक में प्रशासनिक पदाधिकारियों के अलावा स्थानीय जनप्रतिनिधि, व्यवसायी और ग्रामीण भाग लेंगे। इस दौरान मुख्य पथ को अतिक्रमण मुक्त कराने, निजी एवं यात्री वाहनों के लिए निर्धारित पड़ाव सुनिश्चित करने, जर्जर सड़क की मरम्मत कराने तथा कोयला लदे वाहनों से होने वाले वायु प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण लगाने जैसे तमाम अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा कर आगे की रूपरेखा तय की जाएगी।

मशीन पहुंची हजारीबाग, अब जल्द शुरू होगा कचरा उठाव : उप महापौर

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : शहर में कचरा उठाव और डंपिंग की समस्या को लेकर नगर निगम की ओर से तैयारी तेज कर दी गई है। कचरा उठाव से संबंधित मशीन रांची से हजारीबाग पहुंच गई है। मशीन के पहुंचने के बाद अब शहर में कचरा उठाव का कार्य जल्द शुरू होगी। उप महापौर अविनाश कुमार यादव ने कहा कि शहर का कचरा खुले में छोड़ना किसी भी स्थिति में उचित नहीं है। नियमित रूप से कचरे का उठाव कर उसे निर्धारित डंपिंग स्थल तक पहुंचाना जरूरी है, ताकि शहर में गंदगी और दुर्गंध की समस्या नहीं हो और लोगों को स्वच्छ वातावरण मिल सके। उन्होंने कहा कि मशीन के पहुंचने के बाद कचरा उठाव व्यवस्था को गति दी जाएगी। वहीं, डंपिंग स्थल को लेकर यदि ग्रामीणों की ओर से विरोध किया जाता है तो प्रशासन नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करेगा।

उप महापौर ने बताया कि छठ घाटों की सफाई को लेकर भी नगर निगम की ओर से विशेष अभियान चलाया जाएगा। पर्व को देखते हुए घाटों के आसपास साफ-सफाई, कचरा उठाव और स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।उन्होंने शहरवासियों से 1 अक्टूबर को होने वाले विशेष स्वच्छता अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की।

एसआईआर के विरोध में झामुमो का प्रदर्शन, मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग

बिभा संवाददाता

लातेहार। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने सोमवार को लातेहार जिला मुख्यालय में विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी के राज्यव्यापी कार्यक्रम के तहत झामुमो नेताओं और कार्यकर्ताओं ने समाहरणालय गेट के समक्ष प्रदर्शन करने के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला दहन किया।

प्रदर्शन के दौरान नेताओं ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाए। कार्यकर्ताओं ने मतदाता सूची में पात्र मतदाताओं के नाम सुरक्षित रखने और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद बैद्यनाथ राम ने एसआईआर और निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक पात्र मतदाता के मताधिकार की रक्षा जरूरी है। किसी भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से नहीं हटना चाहिए। बैद्यनाथ राम ने आरोप लगाया कि एसआईआर के माध्यम से गैर-भाजपा समर्थक मतदाताओं के नाम प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि झामुमो लोकतांत्रिक तरीके से इस मुद्दे पर अपना विरोध जारी रखेगा। झामुमो जिलाध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव ने कहा कि पार्टी लगातार एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाती रही है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची से जुड़े किसी भी निर्णय में पारदर्शिता जरूरी है तथा किसी पात्र मतदाता का नाम सूची से नहीं हटना चाहिए। उन्होंने बताया कि पार्टी मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग को लेकर राष्ट्रपति के समक्ष भी अपनी मांग रखने की बात कह चुकी है।प्रदर्शन के दौरान झामुमो नेताओं ने एसआईआर को लेकर कई आरोप लगाए और दावा किया कि इससे बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम प्रभावित हो सकते हैं। हालांकि, इन आंकड़ों और राजनीतिक आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि इस रिपोर्ट में नहीं की गई है।कार्यक्रम में बीस सूत्री उपाध्यक्ष अरुण दुबे, अशोक पाण्डेय, सौरभ श्रीवास्तव, रिंकू कच्छप, बुद्धेश्वर उरांव, प्रभात कुमार, अंकित पाण्डेय, शीला देवी, आर्सेन तिर्की, सुशील कुमार यादव समेत बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता मौजूद थे।

इलाज के दौरान महिला की मौत, परिजनों ने लगाया गलत इंजेक्शन देने का आरोप

शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हंगामा, आक्रोशित लोगों ने झंडा चौक किया जाम; जांच और कार्रवाई के आश्वासन पर सवा घंटे बाद हटा जाम

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के दौरान रविवार की देर रात 36 वर्षीय महिला मालती देवी की मौत हो गई। मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया और ऑन-ड्यूटी नर्स पर बिना डॉक्टर की सलाह के गलत इंजेक्शन देने तथा इलाज में लापरवाही बरतने का गंभीर आरोप लगाया। सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। परिजनों के आक्रोश के बीच अस्पताल के कुछ कर्मियों के वहां से चले जाने की भी बात सामने आई है।

मृतका जय प्रकाश मार्ग निवासी मालती देवी थीं। परिजनों के अनुसार अचानक तेज सिरदर्द की शिकायत के बाद उनकी 19 वर्षीय बेटी मुस्कान उन्हें शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के फीमेल मेडिसिन वार्ड में लेकर पहुंची थी। रात करीब 12 बजे सिरदर्द बढ़ने पर बेटी दवा लेने बाहर गई। परिजनों का आरोप है कि इसी दौरान बाहर से लाई गई सुई लगाने के बाद मालती देवी के मुंह से झाग निकलने लगा और करीब आधे घंटे बाद रात एक बजे उनकी मौत हो गई। इसके बाद बेटी ने भर्ती पर्ची और रिपोर्ट की मांग की, लेकिन अस्पताल कर्मियों द्वारा टालमटोल किए जाने का आरोप लगाया गया।

घटना से आक्रोशित परिजनों और लोगों ने सोमवार सुबह करीब 11 बजे झंडा चौक को जाम कर दिया। लोग मामले की जांच कर दोषी स्वास्थ्यकर्मी के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। सूचना पर पहुंची सदर थाना पुलिस ने जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद करीब सवा घंटे बाद दोपहर 12:15 बजे जाम हटाया गया।

अस्पताल के डिप्टी सुपरिंटेंडेंट डॉ. राजकिशोर प्रसाद ने कहा कि घटना की जानकारी मिली है और महिला की मौत के कारणों की जांच की जा रही है। भर्ती होने के बाद की रिपोर्ट के साथ दिए गए इंजेक्शन और दवाओं की भी पड़ताल की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि घटना के बाद परिजन अस्पताल स्टाफ के साथ मारपीट पर उतारू हो गए थे, जिसके कारण कर्मियों को वहां से हटना पड़ा। उन्होंने कहा कि अस्पताल में किसी मरीज के साथ भेदभाव या दुश्मनी का सवाल नहीं है और सभी मरीजों का समान रूप से इलाज किया जाता है।

वहीं, सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि मामले में शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल प्रबंधन से स्पष्टीकरण और पूरा पक्ष मांगा गया है। जांच रिपोर्ट में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या लापरवाही सामने आने पर संबंधित दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

परियोजना स्तरीय व्यंजन प्रतियोगिता और पोषण प्रदर्शनी का आयोजन, पौष्टिक आहार के प्रति किया गया जागरूक

बिभा संवाददाता

लातेहार। राष्ट्रीय पोषण माह 2026 के तहत लातेहार में पोषण और संतुलित आहार को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में लातेहार सदर प्रखंड परिसर स्थित सभागार में परियोजना स्तरीय व्यंजन प्रतियोगिता और पोषण प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी सेविकाओं और सहायिकाओं ने स्थानीय एवं पौष्टिक खाद्य सामग्री से तैयार विभिन्न व्यंजनों का प्रदर्शन किया।कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं और आम लोगों को पोषण के महत्व के प्रति जागरूक करना रहा। प्रदर्शनी के माध्यम से यह बताया गया कि रोजमर्रा के भोजन में अलग-अलग खाद्य समूहों को शामिल कर पोषण स्तर को बेहतर किया जा सकता है। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों से मिलने वाले टेक-होम राशन (ळऌफ) से अलग-अलग पौष्टिक व्यंजन तैयार करने की जानकारी भी दी गई।मोटे अनाज और स्थानीय खाद्य पदार्थों पर जोर

कार्यक्रम में मोटे अनाज सहित स्थानीय स्तर पर आसानी से उपलब्ध पौष्टिक खाद्य पदार्थों को भोजन में शामिल करने पर विशेष जोर दिया गया। स्वस्थ और विविध भोजन के व्यावहारिक तरीकों को प्रदर्शनी और व्यंजन प्रतियोगिता के माध्यम से समझाया गया।राष्ट्रीय पोषण माह 2026 का मुख्य विषय ॡहमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारीॡ है। इस वर्ष अभियान में आहार विविधता, पर्याप्त प्रोटीन, ताजा पौष्टिक भोजन और आंगनबाड़ी केंद्रों में सामुदायिक भागीदारी पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

आंगनबाड़ी केंद्र से परियोजना और फिर जिला स्तर तक प्रतियोगिताजिला बाल कल्याण पदाधिकारी सविता कुमारी ने पत्रकारों को बताया कि पोषण माह के तहत पहले 25 सितंबर को सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर व्यंजन प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसके बाद सेक्टर स्तर पर कार्यक्रम हुआ और अब परियोजना स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है।उन्होंने बताया कि 30 सितंबर को जिला स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। परियोजना स्तर से चयनित उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली सहायिकाओं को जिला स्तर पर सम्मानित और पुरस्कृत किया जाएगा। सविता कुमारी ने बताया कि पोषण माह का उद्देश्य केवल भोजन उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि ग्रामीण परिवारों को यह समझाना भी है कि उपलब्ध और स्थानीय खाद्य सामग्री का बेहतर उपयोग किस तरह किया जा सकता है। इसके माध्यम से महिलाओं और परिवारों को संतुलित एवं पौष्टिक भोजन के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

राष्ट्रीय पोषण माह 9 सितंबर से 8 अक्टूबर 2026 तक मनाया जा रहा है। इस दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों को पोषण, स्वास्थ्य और शुरूआती बाल विकास से जुड़ी सामुदायिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र बनाया गया है।

कार्यक्रम में पोषण संबंधी जानकारी, व्यंजन प्रदर्शन और स्थानीय खाद्य पदार्थों के उपयोग को लेकर लोगों को जागरूक किया गया। आयोजकों ने कहा कि बेहतर पोषण के लिए परिवार और समुदाय की भागीदारी महत्वपूर्ण है।

पाकिस्तान के बेतूके सवालः भारत के सटीक जबाव

ललित गर्ग

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 26 सितंबर को महासभा में सटीक, तीक्ष्ण एवं प्रभावी वक्तव्य में पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि एक 'सीरियल प्रैक्टिशनर ऑफ टेररिज्म' ने एक दिन पहले तथ्यों को गलत ढंग से प्रस्तुत किया और आतंकवाद को सामान्य बनाने तथा उसके परिणामों से बचने का प्रयास किया, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें अधिवेशन में भारत और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर वही पुराने सवाल सामने आए, जिनका समाधान दक्षिण एशिया की शांति और स्थिरता के लिए अत्यंत आवश्यक है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार 81वां अधिवेशन 8 सितंबर 2026 से शुरू हुआ और इसकी सामान्य बहस 22 से 26 सितंबर के बीच हुई। इस वर्ष की बहस का घोषित केंद्रीय विषय था-विश्वास बहाल करना, परिवर्तन का प्रबंधन करना और ऐसी संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था बनाना जो सभी के लिए प्रभावी हो। ऐसे समय में जब दुनिया युद्धों, आतंकवाद, आर्थिक असमानता, ऊर्जा संकट और भू-राजनीतिक तनाव से जूझ रही है, यह सवाल और महत्वपूर्ण हो जाता है कि दक्षिण एशिया कब पुराने विवादों के चक्र से बाहर निकलेगा।

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 26 सितंबर को महासभा में सटीक, तीक्ष्ण एवं प्रभावी वक्तव्य में पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि एक 'सीरियल प्रैक्टिशनर ऑफ टेररिज्म' ने एक दिन पहले तथ्यों को गलत ढंग से प्रस्तुत किया और आतंकवाद को सामान्य बनाने तथा उसके परिणामों से बचने का प्रयास किया, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि भारत आतंकवाद के विरुद्ध आत्मरक्षा के अपने अधिकार का प्रयोग करेगा और आतंकवाद को प्रायोजित करने वाली सरकारों को जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। उन्होंने आतंकवाद के वित्तीय स्त्रोतों को उजागर करने और उन पर कार्रवाई की आवश्यकता भी रेखांकित किया। इसके एक दिन पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपने संबोधन में कश्मीर का मुद्दा उठाया और भारत द्वारा सिंधु जल संधि को रोकने के निर्णय की आलोचना की। पाकिस्तान ने इसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया, जबकि भारत की ओर से पाकिस्तान के सीमा-पार आतंकवाद संबंधी रुख पर सवाल उठाए गए। पाकिस्तान की प्रतिनिधि ने भी भारत पर आतंकवाद और कश्मीर को लेकर गंभीर आरोप लगाए। इस प्रकार संयुक्त राष्ट्र का मंच एक बार फिर दोनों देशों के पारस्परिक आरोप-प्रत्यारोप का साक्षी बना। लेकिन असली प्रश्न यह है कि इन आरोपों के बाद भी समाधान की दिशा में कितना रास्ता तय हुआ?

पाकिस्तान के सामने सबसे बड़ा प्रश्न आतंकवाद को लेकर उसकी नीति का है। भारत लगातार यह आरोप लगाता रहा है कि पाकिस्तान की धरती से या उसके संरक्षण में सक्रिय आतंकी नेटवर्क भारत की सुरक्षा के लिए चुनौती पैदा करते हैं। जयशंकर ने इसी संदर्भ में कहा कि आतंकवाद और मित्रता साथ-साथ नहीं चल सकते और आतंकवाद के कर्ता को अपना रास्ता बदलना होगा। दूसरी ओर पाकिस्तान भारत पर भी आतंकवाद को समर्थन देने के आरोप लगाता है और अपने यहां होने वाली हिंसक घटनाओं के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराता है। इन परस्पर आरोपों की सच्चाई और प्रमाण अलग-अलग मामलों में जांच का विषय हो सकते हैं, लेकिन इतना निर्विवाद है कि पाक आतंकवाद को पोषित कर भारत की शांति का भंग करता रहा है, इन आतंकी घटनाओं ने दोनों देशों की जनता को भारी मानवीय, आर्थिक और सामाजिक कीमत चुकाने पर मजबूर किया है। तो फिर सवाल उठता है-पाकिस्तान आखिर कब यह स्वीकार करेगा कि आतंकवाद किसी भी राष्ट्र की स्थायी विदेश नीति नहीं बन सकता? आतंकवाद यदि किसी देश के लिए रणनीतिक साधन बनता है तो अंततः वही साधन उस देश की आंतरिक सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय विश्वसनीयता के लिए भी समस्या बन सकता है। पाकिस्तान स्वयं लंबे समय से आतंकवादी हिंसा से जूझ रहा है। ऐसे में उसके सामने यह ऐतिहासिक अवसर है कि वह आतंकवाद के प्रश्न को केवल भारत-विरोधी दृष्टिकोण से न देखकर अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और भविष्य के संदर्भ में भी देखे। आतंकवाद के विरुद्ध कार्रवाई केवल किसी दूसरे देश की मांग पूरी करने के लिए नहीं, बल्कि पाकिस्तान के अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है।

दूसरा प्रश्न कश्मीर का है। पाकिस्तान ने इस बार भी संयुक्त राष्ट्र महासभा में कश्मीर का मुद्दा उठाया। लेकिन लगभग आठ दशक से चली आ रही इस बहस ने यह साबित कर दिया है कि केवल अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बयान देने से समस्या का समाधान नहीं होता। कश्मीर के नाम पर भारत और पाकिस्तान के बीच अविश्वास बढ़ता है, सुरक्षा तनाव पैदा होता है और दोनों देशों की विकास प्राथमिकताएं प्रभावित होती हैं। यदि पाकिस्तान वास्तव में क्षेत्रीय शांति और स्थिरता चाहता है, तो उसे यह विचार करना होगा कि कश्मीर को अपनी विदेश नीति के स्थायी केंद्र में रखकर वह अपने नागरिकों के भविष्य के लिए क्या हासिल कर रहा है। हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर कश्मीर का उल्लेख करना और घरेलू समस्याओं को पीछे छोड़ देना किसी भी देश के लिए दीर्घकालिक समाधान नहीं हो सकता। तीसरा और शायद सबसे गंभीर प्रश्न पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और वहां के आम नागरिक की जिंदगी का है। महंगाई, रोजगार, ऊर्जा, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दे किसी भी सरकार के लिए मूलभूत जिम्मेदारियां हैं। विदेश नीति तभी सार्थक होती है जब उसका अंतिम उद्देश्य देश के नागरिकों के जीवन को सुरक्षित, समृद्ध और सम्मानजनक बनाना हो। पाकिस्तान के लिए यह समय इस बात पर गंभीरता से विचार करने का है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के खिलाफ राजनीतिक और कूटनीतिक अभियान चलाने की तुलना में उसकी जनता की आर्थिक आवश्यकताओं, संस्थागत स्थिरता और मानव विकास पर अधिक ऊर्जा लगाना कितना आवश्यक है।

यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि भारत-पाक संबंधों को केवल आरोप-प्रत्यारोप के चश्मे से न देखा जाए। भारत की अपनी सुरक्षा चिंताएं वास्तविक हैं और किसी भी सरकार की पहली जिम्मेदारी अपने नागरिकों की सुरक्षा करना है। जयशंकर ने भी संयुक्त राष्ट्र में भारत के आत्मरक्षा के अधिकार और आतंकवाद के विरुद्ध शून्य-सहिष्णुता की बात कही। लेकिन इसी के साथ क्षेत्रीय शांति के लिए यह भी आवश्यक है कि आतंकवाद के विरुद्ध दृढ़ता और संवाद की संभावनाओं के बीच संतुलन खोजा जाए। संवाद तभी सार्थक हो सकता है जब हिंसा और आतंकवाद के प्रश्न पर स्पष्टता हो। पाकिस्तान को यह भी समझना होगा कि दुनिया आज केवल बयान नहीं सुनती, बल्कि नीतियों और व्यवहार को भी देखती है। संयुक्त राष्ट्र महासभा का मूल उद्देश्य ही बहुपक्षीय संवाद, शांति और सहयोग के लिए मंच उपलब्ध कराना है। यदि इस मंच का इस्तेमाल एक-दूसरे के विरुद्ध आरोपों को दोहराने में ही होता रहे, तो दोनों देशों के नागरिकों को उससे क्या हासिल होगा? भारत और पाकिस्तान दोनों परमाणु शक्ति संपन्न पड़ोसी हैं। इसलिए इनके बीच तनाव केवल द्विपक्षीय समस्या नहीं रहता, उसका प्रभाव पूरे दक्षिण एशिया की सुरक्षा और वैश्विक स्थिरता पर पड़ सकता है।

आज पाकिस्तान के सामने सबसे बड़ा आत्ममंथन यही होना चाहिए कि वह अपने भविष्य को किस आधार पर निर्मित करना चाहता है-पुराने विवादों, कश्मीर-केंद्रित राजनीति और आतंकवाद के आरोपों के आधार पर या आर्थिक विकास, शिक्षा, रोजगार, संस्थागत मजबूती और क्षेत्रीय सहयोग के आधार पर? भारत के सामने भी चुनौती यही है कि सुरक्षा से समझौता किए बिना दक्षिण एशिया में स्थायी शांति की संभावनाओं को खुला रखा जाए। पाकिस्तान कब बदलेगा, इसका उत्तर कोई दूसरा देश नहीं दे सकता। परिवर्तन अंततः पाकिस्तान की अपनी राजनीतिक इच्छाशक्ति, संस्थागत निर्णयों और नीति-निमार्ताओं पर निर्भर करेगा। लेकिन दिशा स्पष्ट है-आतंकवाद को किसी भी रूप में राजनीतिक साधन न बनने देना, अपनी जनता की आर्थिक जरूरतों को प्राथमिकता देना, कश्मीर के नाम पर लगातार टकराव की नीति से आगे बढ़ना और पड़ोसियों के साथ संबंधों को हिंसा के बजाय विश्वास तथा पारस्परिक सम्मान के आधार पर विकसित करना। यदि पाकिस्तान यह रास्ता चुनता है तो उसका लाभ केवल भारत को नहीं, स्वयं पाकिस्तान के नागरिकों और पूरे दक्षिण एशिया को मिलेगा। और यदि वह पुराने रास्ते पर ही चलता रहा, तो सबसे बड़ा प्रश्न दुनिया से अधिक उसके अपने नागरिकों के सामने खड़ा होगा-आखिर कब तक अतीत की राजनीति भविष्य की पीढ़ियों का वर्तमान तय करती रहेगी?

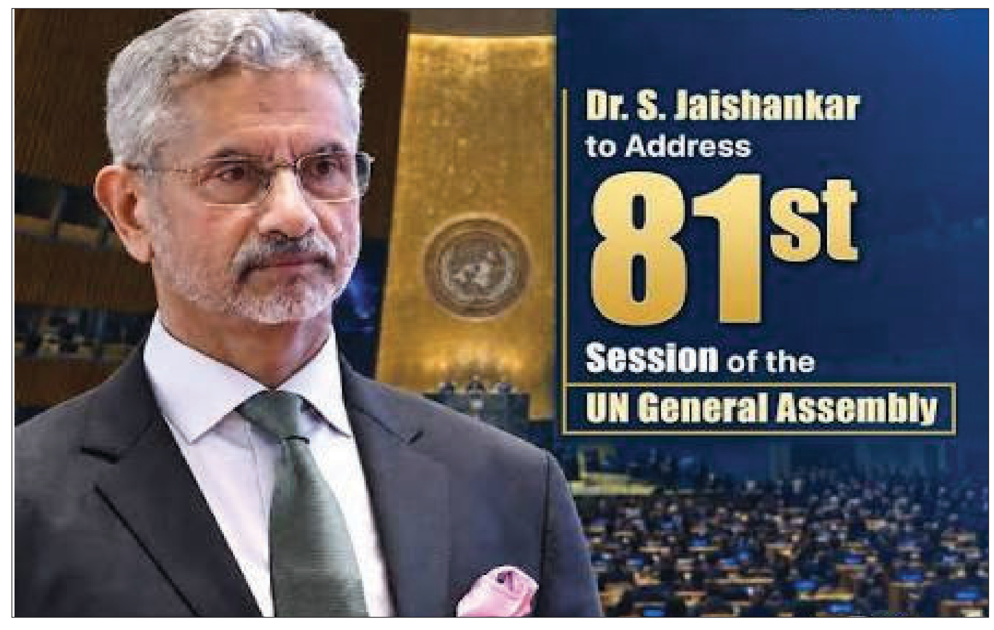

संपादकीय

हरियाणवी प्रतिभाओं को संबल

हरियाणा सरकार के उस फैसले का स्वागत ही किया जाना चाहिए, जिसमें सरकार ने राज्य में नई खोजों को प्रोत्साहन देने के लिये पचास हजार रुपये तक की, पेटेंट रजिस्ट्रेशन फीस की प्रतिपूर्ति करने का निर्णय किया है। निश्चय ही इस कदम से उन छात्रों को संबल मिलेगा जो सीमित संसाधनों में राज्य व देश के लिये कुछ महत्वपूर्ण खोज करने का संकल्प रखते हैं। लेकिन पेटेंट तो महज एक शुरूआत भर है। असली मुश्किल सवाल यह है कि पेटेंट सर्टिफिकेट मिलने पर मेधावी युवा क्या करेंगे। निर्विवाद रूप से भारत में प्रतिभावान छात्रों, रिसर्च पेपर्स या पेटेंट की कोई कमी नहीं है। दरअसल, कमी है तो उस इकोसिस्टम की जो किसी विचार या आइडिया को लैब या विश्वविद्यालय प्रोजेक्ट से निकालकर व्यावसायिक दृष्टि से सफल उत्पाद बनाता है। यही वजह है कि छात्रों को पेटेंट के लिये पैसे देने में मदद करने वाली नीति के साथ-साथ प्रोटोटाइपिंग, टेस्टिंग, बौद्धिक संपदा संरक्षण और नये विचार को मार्केट तक पहुंचाने में मदद मिलनी चाहिए। अन्यथा खोज व अनुसंधान अर्थव्यवस्था के महज पेटेंट कल्चर तक ही सिमट जाने का खतरा पैदा हो सकता है। जिसमें समाधान खोजने के बजाय पेटेंट फाइल करने पर इनाम दिया जाता है। सही मायने में इसके लिये कारगर समाधान तलाशने हेतु विश्वविद्यालयों को उद्योग जगत से और करीब से जोड़ने की जरूरत है। छात्रों को वास्तविक दुनिया की समस्याओं की पहचान करने,कंपनियों और सरकारी संस्थानों के साथ काम करने और ऐसे उत्पाद बनाने के लिये प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, जिनके लिये चिन्हित उपयोगकर्ता की पहले से पहचान हो सके।

सही मायने में राज्य में शोध-अनुसंधान का वातावरण बनाने के लिये तमाम व्यावहारिक पक्षों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। नई खोज करने वाले प्रतिभागियों को वित्तीय मदद, उत्पादन के लिये उपयोगी ढांचा, रेगुलेशन और मार्केटिंग से जुड़ी चुनौतियों से निपटने में मदद की जानी चाहिए। हरियाणा के लिये यह अवसर बेहद महत्वपूर्ण है। राज्य के विश्वविद्यालय और तकनीकी संस्थान खेती से जुड़ी विभिन्न तकनीकों, जल प्रबंधन, उत्पादन, हेल्थकेयर और स्वच्छ ऊर्जा आदि अन्य क्षेत्रों में इनोवेशन के इंजन बन सकते हैं। इसके लिये सिर्फ एक बार प्रोत्साहन राशि देने के बजाय लगातार निवेश करने की जरूरत होगी। राज्य को अपनी पेटेंट पॉलिसी की सफलता को सिर्फ पेटेंट की फीस की प्रतिपूर्ति वाले आवेदनों की संख्या से नहीं, बल्कि इस बात से अपनी सफलता का मूल्यांकन करना चाहिए कि उन पेटेंटों से व्यवहार में क्या हासिल हुआ। मसलन राज्य में कितने स्टार्ट-अप बने। राज्य में कितनी टेक्नोलॉजी का व्यवसायीकरण हुआ। उससे राज्य में नौकरियों की संख्या में कितनी वृद्धि हुई। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि पेटेंट किसी विचार या खोज को सुरक्षा देता है। लेकिन वह इस बात की गारंटी कदापि नहीं है कि व्यवहार में उसका उपयोग राज्य व देश के लिये कितना लाभदायक होगा। यही वजह है कि हरियाणा को व्यवहार में ज्यादा से ज्यादा समस्याओं के समाधान करने वाले उद्यमों और उत्पाद बनाने का लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए।

चिंतन-मनन

गुरु की स्वीकार्यता

हर वक्त संसार को गुरु की दृष्टि से देखो। तब यह संसार मलिन नहीं बल्कि प्रेम, आनन्द, सहयोगिता, दया आदि गुणों से परिपूर्ण, अधिक उत्सवपूर्ण लगेगा। तुम्हें किसी के साथ संबंध बनाने में भय नहीं होगा क्योंकि तुम्हारे पास आश्रय है। घर के अन्दर से तुम बाहर के वज्रपात, आंधी, वर्षा व कड़ी धूप देखोगे। भीतर वातानुकूलित व्यवस्था है- शीतल और शान्त। बाहर गर्मी और अशांति है पर तुम परेशान नहीं होते, क्योंकि कुछ भी तुम्हें बेचैन और विचलित नहीं कर सकता। कोई तुम्हारी पूर्णता नहीं छीन सकता। यही है गुरु का उद्देश्य। संसार के सभी संबंध उलट-पुलट हो जाते हैं। संबंध बनते हैं और टूटते हैं। यहां राग भी है, द्वेष भी। यही संसार है। पर गुरु कोई संबंध नहीं, गुरु की मौजूदगी होती है। गुरु का सान्निध्य अनुभव करो। गुरु को अपने संसार का अंश मत बनाओ। संसार का हिस्सा बनाते ही, वही अप्रिय भावनाएं उठती हैं- उन्होंने ऐसा कहा, उन्होंने ऐसा नहीं कहा, वह उनका अधिक प्रिय है, मैं नहीं हूं। जीवन में गुरु का सान्निध्य सभी संबंधों में पूर्णता लाता है। यदि गुरु के निकट अनुभव नहीं कर रहे, तो यह तुम्हारे मन, धारणा, अहंकार के कारण है। जो कुछ भी महत्वपूर्ण है, अंतरंग है, उसे गुरु के साथ बांटो। जो तुम्हारे लिए महत्वपूर्ण है, आंतरिक है, जब तक तुम उसे गुरु को नहीं व्यक्त करते, तब तक निकटता का अनुभव नहीं कर सकते।

दिल का मामला है, हर धड़कन कुछ कहती है..!

ऋतुपर्ण दवे

आज विश्व हृदय दिवस है। पिछले एक दशक में, स्वस्थ हृदय के महत्व को समझने वालों की संख्या में वृद्धि जरूर हुई है लेकिन साथ ही दुखद पहलू यह भी है कि हृदय संबंधी विकारों से पीड़ित लोगों की संख्या में भी तेजी से बढ़ोत्तरी हुई है। दरअसल, गतिहीन जीवनशैली, खराब खान-पान और बढ़ता तनाव लोगों की आम दिनचर्या को प्रभावित कर रहा है। इसी के चलते हृदय रोग दुनिया के लगभग सभी हिस्सों में सबसे बड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक बनकर उभरा है। लेकिन यह भी सही है कि जागरूकता, नियमित जांच और स्वस्थ जीवनशैली के जरिए हृदय संबंधी बहुतेरी समस्याओं को रोका जा सकता है या बेहतर जीवनशैली से प्रबंधित किया जा सकता है।

स्वास्थ्य संबंधी इन्हीं सब कारणों से विश्व हृदय दिवस की परिकल्पना को साकार कर एक दिन विशेष इसे पूरे विश्व में मनाने के निश्चय किया गया ताकि लोगों को इस रोग की बारीकी और शुरूआती लक्षणों को पहचानने में मदद मिल सके। कम से कम इतनी जागरूकता तो आए कि लोग जरूरत पड़ने पर प्राथमिक उपचार और त्वरित स्वास्थ्य सेवा प्राप्त करने की दिशा में जागरूक हो सकें। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, विश्व में सबसे ज्यादा मौतें हृदय रोग से होती हैं। हर साल लगभग एक करोड़ अस्सी लाख लोग इसकी वजह से अपनी जान गंवा देते हैं

विश्व हृदय दिवस की शुरूआत वर्ष 2000 में विश्व हृदय महासंघ द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से की गई। इसका उद्देश्य हृदय रोगों और उनकी रोकथाम के लिए आवश्यक उपायों के बारे में वैश्विक जागरूकता पैदा करना था। यह दिन हर साल 29 सितंबर को मनाया जाता है, जो दुनिया भर के व्यक्तियों, स्वास्थ्य संगठनों और समुदायों को हृदय स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने और निवारक उपायों को प्रोत्साहित करने के लिए एक साथ लाता है।

हृदय रोग के बढ़ते जोखिम और इसके कारकों को समझने, चेतावनी संकेतों को पहचानने और स्वस्थ आदतों को अपनाने के महत्व पर प्रकाश डालने के लिए इस पहल की शुरूआत की गई थी जो सार्थक प्रतीत हो रही है। अब यह विगत 26 वर्षों से, समूचे विश्व में स्वस्थ हृदय को लेकर जागरूकता फैलाने, रोकथाम और प्रारंभिक देखभाल के प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए एक वैश्विक मंच बन गया है। हर वर्ष यह दिन एक अलग थीम के साथ मनाया जाता है। इस बार इस दिन पर विश्व हृदय महासंघ ने डोंट मिस ए बीट थीम रखी है जिसमें काफी कुछ संकेत छुपे हैं। इस संदेश को दोहराया गया है कि हृदय रोग अक्सर गंभीर जटिलताओं का कारण बनने तक अनदेखा रह जाता है। हार्ट अटैक आने से कुछ हफ्ते पहले सीने में हल्का दर्द, अत्यधिक थकान और सांस फूलने जैसे संकेत मिलने लगते हैं। एसीडिटी, सीने में हल्का दबाव, जकड़न या भारीपन महसूस होना, जो काम करने पर बढ़ता है और आराम करने पर कम हो जाता है। बिना किसी भारी काम के हर समय बहुत ज्यादा थका हुआ और कम ऊर्जा महसूस होना। सांस लेने में तकलीफ जैसे सीढ़ियां चढ़ने या सामान्य काम करने के दौरान अचानक सांस फूलना। शरीर के अन्य हिस्सों में दर्द. जबड़े में जकड़न, गर्दन, पीठ, कंधे या बाएं हाथ तक फैलना। ठंडा पसीना और बिना किसी मेहनत के चक्कर आना, अचानक से ठंडा पसीना आना, उल्टी जैसा महसूस करना। अचानक नींद न आना या सोते वक्त बेचैनी महसूस होना आदि इसके संकेत हैं। 2026 का अभियान तीन प्रमुख संदेशों पर आधारित है लक्षणों को पहचानें, अपने दिल की रक्षा करें, जीवन शैली परिवर्तन में समय के साथ बदलाव करें। जरा सी आहट होने पर तुरंत चिकित्सकीय मदद लें। दरअसल, हृदय रोग को लेकर एक भ्रान्ति भी है कि यह वृद्ध वयस्कों से जोड़ा जाता है, लेकिन यह किसी भी उम्र के लोगों को प्रभावित कर सकता है। उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मोटापा, धूम्रपान, दीर्घकालिक तनाव, शारीरिक निष्क्रियता, अपर्याप्त नींद और हृदय रोग का पारिवारिक इतिहास जैसे कारक समय के साथ जोखिम को बढ़ा सकते हैं। इनमें से कुछ जोखिम धीरे-धीरे विकसित होते हैं और स्थिति गंभीर होने तक स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते हैं। ऐसी स्थिति में दिल के बचाव के लिए संतुलित आहार, शारीरिक रूप से सक्रिय रहना, तंबाकू से परहेज और रक्तचाप को नियंत्रित रखने जैसे छोटी-छोटी नियमित आदतें काफी हद तक जोखिम को कम कर सकती हैं। इनमें कई जोखिम की पहचान या संकेत हमारा शरीर दे देता है। सच तो यह है कि हृदय की धड़कन को पहचानने की कला से भी काफी हद तक इस रोग को समझ कर समय रहते चेता जा सकता है। एक स्वस्थ व्यक्ति की हृदय की धड़कन 60 से 100 प्रति मिनट होनी चाहिए। इसके लिए नियमित रूप से चिकित्सकीय परामर्श व जाँच की आजकल हर कहीं आसानी से सुविधाएं उपलब्ध है। हृदय की एक-एक धड़कन महत्वपूर्ण है। इसलिए डोंट मिस ए बीट थीम के साथ इस बार हृदय संबंधी रोगों को लेकर जन-जागरूकता को और फैलाएं।

बिखरी हुई व्यवस्था की कीमत अब छिपी नहीं है

लेखक

डॉ. गिरधर जे. ज्ञानी

भारत के कई हिस्सों में आज भी एक डॉक्टर से दूसरे डॉक्टर तक मरीज की जानकारी पहुंचाने का मुख्य जरिया खुद मरीज ही है। वह हर बार अपनी पुरानी मेडिकल रिपोर्ट लेकर जाती है- कागजों की फाइल, मोबाइल में जांच की तस्वीरें या फिर सिर्फ अपनी याददाश्त के भरोसे। इलाज के हर चरण में नई जानकारी तैयार होती है, लेकिन अक्सर वह अगले डॉक्टर या अस्पताल तक नहीं पहुंच पाती। अस्पतालों के लिए इस कमी को दूर करना लंबे समय तक प्राथमिकता नहीं रहा। जब स्वास्थ्य सेवाओं को डिजिटल बनाने की बात हुई, तो मुख्य सवाल यही रहा कि इसमें कितना खर्च आएगा और अस्पतालों को अपनी व्यवस्था में कितना बदलाव करना पड़ेगा।

स्वास्थ्य क्षेत्र में कोई नई डिजिटल व्यवस्था एक सप्ताहांत में लागू नहीं की जा सकती। अस्पतालों में वर्षों पुराने सॉफ्टवेयर, अलग-अलग तरह की काम करने की प्रक्रियाएं और डिजिटल तकनीक के इस्तेमाल का अलग-अलग स्तर है। छोटे अस्पतालों के लिए तकनीक पर खर्च किया गया हर रुपया बिस्तरों, उपकरणों और कर्मचारियों पर होने वाले खर्च से जुड़ा होता है। इसलिए हमेशा यह सवाल रहा कि क्या नई व्यवस्था वास्तव में ऐसी समस्या का समाधान करेगी, जिसका समाधान जरूरी है।

अब सवाल बदल गया है। ज्यादा महत्वपूर्ण सवाल यह है कि मरीजों की जानकारी अलग-अलग जगह बंटी रहने की वजह से अस्पतालों और मरीजों को पहले से कितना नुकसान हो रहा है।

मरीज के इलाज का पूरा सफर इस समस्या को साफ दिखाता है। वह पहले किसी स्थानीय डॉक्टर को दिखा सकती है, फिर किसी जांच केंद्र पर जांच करा सकती है, उसके बाद विशेषज्ञ डॉक्टर से सलाह ले सकती है और अंत में अस्पताल में भर्ती हो सकती है। इलाज के हर चरण में मरीज से जुड़ी नई जानकारी तैयार होती है, लेकिन यह जानकारी अक्सर डॉक्टर, क्लिनिक और जांच केंद्र के बीच आगे नहीं पहुंचती। इसके बाद क्या होता है, यह हम सभी अच्छी तरह जानते हैं कि मरीज की पूरी मेडिकल हिस्ट्री उपलब्ध नहीं होती, वही जांच दोबारा करानी पड़ती है, इलाज में अनावश्यक देरी होती है और ऐसी जानकारी जुटाने में घंटों लग जाते हैं जो पहले से कहीं और मौजूद होती है।

लंबे समय तक डेटा को अस्पताल या संस्था की अपनी संपत्ति की तरह देखा गया, जिसे अपने पास रखा जाए। जबकि असल में यह ऐसी जानकारी है, जिसे मरीज के साथ आगे बढ़ना चाहिए। अलग-अलग कंपनियों के अलग-अलग प्रारूप और एक-दूसरे से मेल न खाने वाली डिजिटल व्यवस्थाओं ने इस समस्या को और बढ़ाया है। अब जानकारी को अलग-अलग जगह बंद रखने की कीमत इतनी बढ़ गई है कि इसका नुकसान मरीजों और अस्पतालों, दोनों को हो रहा है। इसी वजह से निजी अस्पतालों ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन यानी एबीडीएम को एक अलग नजरिए से देखना शुरू किया है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी कहा है कि अलग-अलग डिजिटल स्वास्थ्य प्रणालियों के बीच जानकारी के आदान-प्रदान के लिए एक समान मानकों की जरूरत है। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि मरीज जहां भी इलाज कराए, उसकी जरूरी स्वास्थ्य जानकारी अगले डॉक्टर या अस्पताल के काम आ सके।

दुनिया के अलग-अलग देशों के अनुभव बताते हैं कि जब मरीज की स्वास्थ्य जानकारी एक जगह से दूसरी जगह आसानी से नहीं पहुंचती, तो मरीज को खराब अनुभव हो सकता है, एक ही जांच बार-बार हो सकती है और इलाज में देरी हो सकती है। इसके विपरीत, अलग-अलग स्वास्थ्य प्रणालियों के बीच बेहतर तालमेल से जांचों की दोहराव वाली जरूरत और अस्पताल में दोबारा भर्ती होने के मामलों में कमी देखी गई है।

प्रशासन के स्तर पर भी यही समस्या दिखाई देती है। एक अस्पताल कई बीमा कंपनियों और भुगतान करने वाली संस्थाओं के साथ काम करता है। इनमें से हर संस्था की अपनी डिजिटल व्यवस्था और अपने तरीके होते हैं। जब ये व्यवस्थाएं एक-दूसरे से ठीक से बात नहीं कर पातीं, तो बीमा दावों की प्रक्रिया बेवजह धीमी और महंगी हो जाती है। इसका सीधा असर अस्पताल की वित्तीय टीम और उसके पैसे के प्रवाह पर पड़ता है।

नेशनल हेल्थ क्लेम्स एक्सचेंज (एनएचसीएक्स) इसी समस्या को दूर करने की कोशिश करता है। यह बीमा दावों की प्रक्रिया को एक समान बनाने पर काम करता है। चाहे डॉक्टर के लिए जरूरी जांच रिपोर्ट हो या अस्पताल और बीमा कंपनी के बीच भेजा जाने वाला दावा, अगर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी एक जगह से दूसरी जगह आसानी से नहीं पहुंच सकती, तो यह पूरी व्यवस्था की कमी है। एनएचसीएक्स और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन स्वास्थ्य क्षेत्र के अलग-अलग हिस्सों पर काम करते हैं, लेकिन दोनों के पीछे मूल सोच एक ही है- जानकारी सुरक्षित तरीके से, एक समान व्यवस्था के तहत और जरूरी सुरक्षा उपायों के साथ एक जगह से दूसरी जगह पहुंच सके।

लेकिन स्वास्थ्य क्षेत्र में डिजिटल व्यवस्था सिर्फ ऊपर से लागू नहीं की जा सकती। इसे डॉक्टरों, अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवाएं देने वालों के साथ मिलकर तैयार करना होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी चेतावनी दी है कि अगर डिजिटल व्यवस्था अलग-अलग और केवल ऊपर से तय करके लागू की जाती है, तो इससे स्वास्थ्य व्यवस्था में बिखराव और स्वास्थ्य कर्मचारियों पर प्रशासनिक बोझ बढ़ सकता है। इसलिए अलग-अलग प्रणालियों को आपस में जोड़ना ही मुख्य लक्ष्य होना चाहिए।

भारत में यह बात खास तौर पर महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां निजी स्वास्थ्य क्षेत्र बहुत विविध है। महानगर का एक बड़ा कॉरपोरेट अस्पताल और दूसरे या तीसरे स्तर के शहर का छोटा अस्पताल एक जैसी तकनीक, संसाधन या डिजिटल व्यवस्था लागू करने की क्षमता नहीं रखते। छोटे अस्पताल में अलग से तकनीकी टीम भी नहीं हो सकती। अगर डिजिटल व्यवस्था सही तरीके से नहीं बनाई गई, तो उसे लागू करने का अतिरिक्त बोझ भी अस्पताल पर पड़ सकता है। इसलिए डिजिटल व्यवस्था को अपनाने की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि अस्पतालों को कितना व्यावहारिक सहयोग मिलता है और नई व्यवस्था मरीजों के इलाज के मौजूदा तरीके के साथ कितनी आसानी से जुड़ पाती है।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के दूत और एनएचसीएक्स के समर्थक के रूप में, एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स ऑफ इंडिया (एएचपीआई) राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के साथ मिलकर काम कर रहा है। इसका उद्देश्य अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा देने वालों को इन डिजिटल व्यवस्थाओं का व्यावहारिक लाभ समझाना, अलग-अलग तरह के अस्पतालों में इनके इस्तेमाल को बढ़ावा देना और अस्पतालों के अनुभवों को उन लोगों तक पहुंचाना है, जो इन डिजिटल व्यवस्थाओं को तैयार कर रहे हैं।

निजी स्वास्थ्य क्षेत्र सिर्फ भारत की डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था का इस्तेमाल करने वाला नहीं रह सकता। अस्पताल इस व्यवस्था के सबसे महत्वपूर्ण उपयोगकर्ताओं में हैं, इसलिए उन्हें इसे बनाने में भी सक्रिय भूमिका निभानी होगी। अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा देने वालों को जानकारी के अलग-अलग जगह बंटे होने और आपसी तालमेल की कमी का जो अनुभव होता है, उसे देश में डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था को आगे बढ़ाने की योजना में शामिल करना होगा।

आगे का काम चार हिस्सों में बांटा जा सकता है। पहला, अस्पतालों को ऐसी डेटा व्यवस्थाओं को खत्म करना होगा, जिनका अलग-अलग बंद पड़े रहना किसी के काम नहीं आता।

दूसरा, स्वास्थ्य तकनीक से जुड़ी कंपनियों को ऐसे उत्पाद और सॉफ्टवेयर बनाने होंगे, जो एक-दूसरे के साथ आसानी से काम कर सकें। तीसरा, चिकित्सा संस्थाओं और संगठनों को छोटे अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों को डिजिटल व्यवस्था अपनाने के शुरूआती चरण में मदद करनी होगी। चौथा, नीति बनाने वालों को ऐसे समान और व्यावहारिक मानक तय करने होंगे, जिन्हें स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े सभी लोग अपना सकें। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की सफलता तब मानी जाएगी, जब अस्पतालों, डॉक्टरों और मरीजों को स्वास्थ्य व्यवस्था में बिखराव कम होता हुआ महसूस होगा। जब ऐसा होगा और ऐसा होना संभव है तब डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था को मरीजों के इलाज का अधिक बेहतर और प्रभावी तरीका माना जाएगा।

(लेखक एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स ऑफ इंडिया (एएचपीआई) के महानिदेशक हैं। लेख में व्यक्त विचार उनके व्यक्तिगत हैं।)

काम को आसान बना देंगे ये स्मार्ट ट्रिक्स

हाउस वाइफ ही नहीं बल्कि वर्किंग वुमन्स का भी किचन के साथ गहरा रिश्ता होता है। वैसे तो गृहणीयां खाना बनाने से लेकर किचन में हर में माहिर होती है लेकिन इसके बावजूद भी कई बार उन्हें काम करते समय कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ता है, जिसके कारण काम में देरी हो जाती है। किचन से जुड़ी छोटी-मोटी बातों के बारे में हर औरत को पता होना चाहिए, ताकि वो अपने काम को और भी आसान बना सके। आज हम आपको ऐसे ही कुछ टिप्स बताने जा रहें है, जिनकी मदद से आप अपने काम को और भी आसान बना सकते है। ये शानदार किचन ट्रिक्स आपका काम आसान करने के साथ-साथ खाने का स्वाद भी बढ़ जाएगा।

- बादाम या टमाटर छिलने के लिए पहले उन्हें 5-10 मिनट तक पानी में उबाले। इससे इनके छिलके आसानी से निकल जाएंगे।
- प्याज को काटने और लहसुन को छिलने से पहले उसे 10 मिनट के लिए पानी में भिगो दें। इससे प्याज काटते समय आंसू नहीं आएंगे और लहसुन के छिलके भी आराम से उतर जाएंगे।
- सूखे मेवे या ड्राईफ्रूट्स को काटने से पहले 1 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। इससे यह सॉफ्ट हो जाएंगे और आप इन्हें आसानी से काट सकेंगी।
- मशरूम को कभी भी पानी से न धाएं। क्योंकि यह पानी को सोख लेते है और कपाते समय पानी छोड़ देते है, जिससे सब्जी का टेस्ट खराब हो जाता है। इसकी बजाए आप मशरूम को गीले कपड़े से साफ करें।
- अगर आप पनीर बना रही है तो उसमें थोड़ा-सा ऑयल लगा दें। इससे यह बर्तन के साथ चिपकेंगे नहीं।
- शहद की शुद्धता पता लगाने के लिए उसकी कुछ बूंदें कांच की बोतल या गिलास में डालें। अगर शहद तले पर बैठ जाए तो शुद्ध है और अगर वो पानी में मिक्स हो जाए तो मिलावटी है।
- अगर आप बिरयानी या कोई ग्रेवी वाली डिश बना रही है तो उसमें दही डालने से पहले अच्छी तरह फेंट लें। इससे खाने का स्वाद बढ़ जाएगा। इसके अलावा सब्जियां उबालने के बाद इसके पानी को दाल बनाने में इस्तेमाल करें। इससे दाल का स्वाद दोगुना हो जाएगा।
- चावल पकाने से पहले उससे अच्छी तरह से धो लें। इससे चावल में मौजूद स्टार्च निकाल जाएगा और चावल पकने के बाद चिपचिपा नहीं होगा। इसके अलावा चावल की खीर बनाते समय बर्तन में पहले थोड़ा-सा पानी डाल दें। इससे दूध बर्तन के तले पर नहीं चिपकेगा।
- फलों को काटने के बाद उसके उपर अच्छी तरह से नींबू छिड़ककर फ्रिज में स्टोर करें। इससे फल पूरा दिन ताजे रहेंगे और इनका रंग भी खराब नहीं होगा।

पर्सनल स्पेस में प्रोफेशनल लाइफ हो रही है हावी तो इन टिप्स को करें फॉलो

वर्क-फॉम-होम और हाइब्रिड वर्किंग मॉडल के चलते प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ खराब होने लगी है। कंपनी को ऐसा लगता है कि वर्क-फ्रॉम-होम और हाइब्रिड वर्किंग के कारण वह अपने इंप्लाई को कभी भी फोन कर सकते हैं और उन्हें कभी भी काम करने को कह सकते हैं। ऐसे में मजबूरी में अपनी नौकरी को बचाने के लिए इंप्लाई को ओवरटाइम काम करना पड़ता है। यहीं कारण है जिसके कारण पर्सनल लाइफ के लिए आजकल के युवा को समय नहीं मिलता है और उनकी लाइफ में दिक्कत आने लगती हैं। हालांकि कुछ टिप्स को अपनाकर आप भी अपने पर्सनल और प्रोफेशनल जीवन को अलग रख सकते हैं।

शेड्यूल बनाएं

अगर आप वर्क-फॉम-होम और हाइब्रिड वर्किंग के तौर पर काम कर रहे हैं तो आपको समय पर लॉग इन करना चाहिए और समय पर ही लॉग आउट करना चाहिए। अगर आपका बॉस आपको रोजाना ओवरटाइम काम करने को कह रहा है तो आपको उसकी शिकायत करनी चाहिए।

ब्रेक लें

वर्क-फॉम-होम और हाइब्रिड वर्किंग में आपको काम के साथ बीच- बीच में ब्रेक लेते रहना चाहिए। आधे घंटे का ब्रेक लेकर आप खुद के काम को कर सकते हैं। इससे आपको खुद के लिए भी समय मिलता रहेगा।

परिवार के लिए समय

कई बार ऑफिस का काम होने के बाद लोग अपने फोन यानी सोशल मीडिया में व्यस्त हो जाते हैं। हालांकि आपको स्क्रीन टाइम कम करने पर ध्यान देना चाहिए। बचा हुआ समय आपको परिवार को देना चाहिए या फिर आप नई चीजों को सीखने के लिए भी समय निकाल सकते हैं।

काउंसलिंग लें

अगर आप इन चीजों को फॉलो करने के बाद भी अपनी प्रोफेशनल लाइफ को पर्सनल स्पेस से अलग नहीं रख पा रहे हैं तो आपको काउंसलिंग लेने की जरूरत है। काउंसलिंग की मदद से आप अपने प्रोफेशनल लाइफ को पर्सनल स्पेस में हावी नहीं होने देगें।

नाश्ते में बनाएं राजस्थानी वड़ा गलगल का अचार और पौष्टिक चीला

गलगल का अचार

क्या चाहिए - गलगल- 2 किलो, हरी मिर्च- 250 ग्राम, अदरक- 250 ग्राम, सरसों का तेल- 200 मि.ली, कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर- 2 बड़े चम्मच, हल्दी पाउडर- 1 बड़ा चम्मच, हींग- 1/2 छोटा चम्मच, अजवाइन- 2 बड़े चम्मच, मेथी दाना- 1 बड़ा चम्मच, काला नमक- 2 बड़े चम्मच, सादा नमक- 1 बड़ा चम्मच, शक्कर- 200 ग्राम।

ऐसे बनाएं - एक बड़े बर्तन में पानी को तेज़ आंच पर गर्म करें। उबाल आने पर साबुत गलगल (नींबू) डालकर 3-4 मिनट उबालें। पानी निथारकर गलगल को पोंछकर सुखा लें। इनको एक इंच के टुकड़ों में काट लें और बीज निकाल दें। हरी मिर्च को एक इंच टुकड़ों में काटें। अदरक के भी एक इंच लंबे कतरे करें। पैन में सरसों का तेल मध्यम से तेज़ आंच पर गर्म करें। जब इसमें से धुआं निकलने लगे तो इसे आंच से हटा दें। तेल को दस मिनट तक ठंडा करें। इसमें लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर, हींग, अजवाइन, मेथी दाने, शक्कर और नमक डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। फिर इसमें डालें गलगल, अदरक और हरी मिर्च। अच्छी तरह से मिलाकर जार में भरें। जार को 15-20 दिन के लिए धूप में रखें जब इसका रंग गहरा और नींबू मुलायम न हो जाए। तैयार अचार को पराठों, चीले आदि के साथ परोसें।

राजस्थानी पौष वड़ा

क्या चाहिए - चावली दाल- 1 कप, चना दाल- 1/2 कप, मूंग की धुली दाल- 1/2 कप, मेथी दाने- 2 छोटे चम्मच, साबुत धनिया- 2 छोटे चम्मच, धनिया पाउडर- 1 छोटा चम्मच, लाल मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच, गरम मसाला- 1/2 छोटा चम्मच, हींग- 1/4 छोटा चम्मच, हल्दी पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच, लौंग- 4, काली मिर्च- 5, हरी मिर्च- 3 कटी हुई, अदरक- 1/2 छोटा चम्मच कटी हुई, हरा धनिया- थोड़ा-सा कटा हुआ, नमक- स्वादानुसार, तेल- तलने के लिए।

ऐसे बनाएं - सभी दालों को रातभर अलग-अलग पानी में भिगोकर रखें। फिर इन्हें निथारकर दरदरा पीस लें। दालों को पीसते समय अगर पानी कम लगे तो 1-2 बड़े चम्मच पानी डाल सकते हैं। ज़्यादा पानी न डालें क्योंकि इससे घोल पतला हो जाएगा। लौंग, काली मिर्च, मेथी दाने और साबुत धनिया को भी अलग से दरदरा पीस लें। बोल में पीसी हुई दालें, पीसे हुए मसाले समेत सारी सामग्री डालें और अच्छी तरह मिलाएं। कड़ाही में तेल गर्म करें। एक-एक करके घोल के वड़े तेल में डालें। वड़ों को मध्यम आंच पर सुनहरा-भूरा और कुरकुरा होने तक तलें। चाय या हरी चटनी के साथ गर्मागर्म वड़े परोसें।

मेथी पालक चीला

क्या चाहिए - पालक- 1 कप कटी हुई, मेथी- 1/4 कप कटी हुई, हरा धनिया- 1 बड़ा चम्मच कटा हुआ, पुदीना- 1 बड़ा चम्मच कटा हुआ, हरी मिर्च- 1 कटी हुई, अदरक- 1/4 छोटा चम्मच कटी हुई, बेसन- 1 कप, लाल मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच, नमक- स्वादानुसार, धनिया पाउडर- 1 छोटा चम्मच, अजवाइन- 1/2 छोटा चम्मच, हल्दी पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच, हींग- 1/4 छोटा चम्मच, तेल- सेंकने के लिए।

ऐसे बनाएं - बोल में बेसन, पालक, मेथी, मसाले समेत सारी सामग्री डालें। थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए घोल बनाएं। अब गर्म तवे पर तेल लगाएं और घोल से चीला फैलाएं। चीले पर तेल लगाते हुए दोनों तरफ़ से सेंकें। जब यह सुनहरा हो जाए तो इस पर कीसा हुआ पनीर और पसंदीदा चटनी लगाएं। इसे अचार के साथ भी परोस सकते हैं।

इन चार वजहों से मशीन वॉश करने के बाद कपड़ों पर नजर आते हैं सफेद दाग

कपड़े किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व की पहचान होते हैं। अगर हम साफ-सुथरे कपड़े पहनते हैं तो इससे हमारा फर्स्ट इंप्रेशन काफी अच्छा पड़ता है। यही कारण है कि लोग एक बार पहनने के बाद कपड़ों को मशीन वॉश करना पसंद करते हैं। लेकिन आपने कई बार देखा होगा कि जब आप कपड़ों को मशीन वॉश करते हैं तो अक्सर उनमें सफेद दाग नजर आते हैं। कपड़ों को धोने के बाद भी जब उन पर सफेद धारियां या धब्बे नजर आते है तो यकीनन मन में एक निराशा पैदा होती है। ऐसे में कपड़ों को दोबारा धोने के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं बचता है। लेकिन कपड़ों के पूरे बैच को दोबारा धोना यकीनन काफी समय लेने वाला होता है। हालांकि, क्या आपने कभी इस बात पर गौर किया है कि मशीन में कपड़े धोने के बाद भी उनमें सफेद दाग क्यों नजर आते हैं। दरअसल, इसके पीछे कई वजहें जिम्मेदार हो सकती हैं।

पाउडर डिटर्जेंट का इस्तेमाल करना

कपड़ों को धोने के बाद उन पर सफ़ेद दाग नजर आने का एक मुख्य कारण पाउडर डिटर्जेंट का उपयोग है। अक्सर पाउडर डिटर्जेंट मशीन के पानी में उस तरह से घुलता नहीं है जैसा उसे घुलना चाहिए, जिससे कपड़ों पर धारियां पड़ जाती हैं। इसलिए, अगर आप कपड़ों पर नजर आने वाले इस सफेद दाग की समस्या से छुटकारा पाना चाहती हैं तो पाउडर डिटर्जेंट से लिक्विड डिटर्जेंट पर स्विच करने पर विचार करें।

डिटर्जेंट का अधिक इस्तेमाल करना

कपड़ों का धोते समय डिटर्जेंट की मात्रा भी बहुत मायने रखती है। कई बार लोग बेहतर सफाई के चक्कर में जरूरत से ज्यादा डिटर्जेंट का इस्तेमाल करने लग जाते हैं। हालांकि, ऐसा करने से अवशेष रह सकते हैं क्योंकि यह पूरी तरह से घुल नहीं सकता या धोने के दौरान बाहर नहीं निकल सकता। इसलिए, आप सीमित मात्रा में ही डिटर्जेंट का इस्तेमाल करें। अगर आपके कपड़ों पर किसी तरह के दाग है तो डिटर्जेंट की मात्रा बढ़ाने के स्थान पर पहले स्पॉट ट्रीटमेंट की मदद से दाग को क्लीन करें।

मशीन ओवरलोड होना

अमूमन लोग एक बैच में ज्यादा से ज्यादा कपड़े धोने की कोशिश करते हैं, जिससे समय की बचत हो सके। लेकिन वास्तव में इसका खामियाजा कपड़ों को भुगतना पड़ता है। ओवरलोड वॉशिंग मशीन पानी के फ्लो और ड्रेनेज को बाधित कर सकती है। इसलिए, डिटर्जेंट पूरे लोड तक नहीं पहुंच पाता है, जिससे कपड़े सही तरह से धुल नहीं पाते हैं। कपड़ों पर बची हुई गंदगी, झाग, धूल के कारण सफेद अवशेष रह जाते हैं। ऐसे में उन कपड़ों को दोबारा धोना पड़ता है। इसलिए, आप अपनी मशीन में बहुत ज़्यादा पानी न भरें, चाहे आपके पास समय की कमी क्यों न हो।

मशीन ड्रेनपाइप फ़िल्टर का बंद होना

अक्सर हमारा ध्यान इस ओर नहीं जाता है, लेकिन मशीन ड्रेनपाइप फ़िल्टर बंद हो जाने की स्थिति में लिंट, अघुलनशील डिटर्जेंट और गंदगी आपके कपड़ों पर फिर से जम सकती है। इसलिए, नियमित अंतराल पर फ़िल्टर को साफ़ करने का नियम बनाएं। जब आप ऐसा करते हैं तो आपके अधिक बेहतर साफ होते हैं।

खर्चों और सीमित आय के साथ खरीदें अपने सपनों का घर

घर ख़रीदना एक बहुत बड़ा निवेश है। ख़ासतौर पर उनके लिए जिनकी आय सीमित है। अधिकांश युवाओं का मासिक वेतन 15 हज़ार रुपये प्रति माह से शुरू होकर लगभग 3 वर्षों में 25 से 30 हज़ार रुपये प्रति माह तक पहुंचता है। इसी में कई ख़र्चे पूरे करने होते हैं जिसके बाद घर का सपना पूरा कर पाना लगभग नामुमकिन लगने लगता है। इसी वर्ग को ध्यान में रखकर हम एक ऐसी रणनीति तैयार करेंगे ताकि हर कोई अपने घर का सपना साकार कर सके।

बजट से शुरुआत

सबसे पहले अपना बजट बनाएं। इस बात का प्रयास करें कि प्रारंभ में आप ऐसा घर ख़रीदें, जो आपके बजट में आता हो। बाद में उसे बेचकर प्राप्त राशि को डाउन पेमेंट की तरह प्रयोग करते हुए बड़े घर के लिए बड़ा लोन लेने पर विचार कर सकते हैं।

क्षेत्र का चयन

आमतौर पर शहर के व्यस्त या विकसित इलाक़ों में घरों की क़ीमतें अधिक होती हैं। इसलिए ऐसे इलाक़ों की खोज करें जहां अभी क़ीमतें कम हैं, लेकिन अगले 5 वर्षों में बढ़ने की संभावनाएं हैं।

ऋण की पात्रता जांच लें

कोई भी बैंक घर या फ्लैट की क़ीमत का शत-प्रतिशत लोन नहीं देता है। लोन की राशि घर की क़ीमत के 80 से 90 फ़ीसदी तक हो सकती है। आपके वेतन से होने वाली कटौतियों को भी ध्यान में रखा जाता है। कुल कटौतियां 60 फ़ीसदी से अधिक न हों, कुछ मामलों में यह 70 फ़ीसदी तक स्वीकार की जा सकती हैं।

डाउन पेमेंट

अब प्रश्न यह है कि घर की क़ीमत और बैंक लोन के अंतर को कैसे पाटा जाए। इस उद्देश्य से इन विकल्पों पर विचार करें-

- यदि आपके पास स्वर्ण आभूषण हैं और वो लॉकर में रखे हैं, तो उन्हें काम पर लगाएं। गोल्ड लोन आसानी से और कम ब्याज पर मिल जाता है, जिससे प्राप्त धनराशि का उपयोग आप डाउनपेमेंट अथवा मार्जिन भरने के लिए कर सकते हैं।
- पोस्ट ऑफिस के एनएससी, बीमा पॉलिसी, बैंक का फिक्स्ड डिपॉज़िट, शेयर और म्यूचुअल फंड के आधार पर भी लोन लेकर आप धन जुटा सकते हैं।

ईएमआई से पहले सिप

यदि लोन लेने के लिए आपके पास कुछ भी उपलब्ध नहीं है, तो कुछ वर्षों के लिए लोन लेने के विचार को स्थगित करें। ईएमआई का तनाव लेने से अच्छा है कि आप हर महीने किसी अच्छे इक्विटी म्यूचुअल फंड में एसआईपी यानी सिस्टमैटिक इंवेस्टमेंट की योजना बनाएं।

आवास योजना भी एक विकल्प है

यह पता लगाएं कि आपके शहर में विकास प्राधिकरण की एलआईजी और एमआईजी आय वर्ग के लिए क्या कोई आवास योजना है। प्राय: सभी बड़े शहरों में निम्न और मध्यम आय वर्ग के परिवारों के लिए आवास योजनाएं चलाई जा रही हैं। जिन शहरों और क़स्बों में प्राधिकरण नहीं है, वहां हमें प्रधानमंत्री आवास योजना के विषय में पता करना चाहिए। अफोर्डेबल हाउसिंग स्कीम के अंतर्गत भी सस्ते घर बनाए जा रहे हैं। इन योजनाओं के अंतर्गत बनाए जा रहे घरों की क़ीमतें काफ़ी किफ़ायती होती हैं।

मराठवाड़ा में 8 माह में 653 किसानों ने की आत्महत्या 290 परिवारों को नहीं मिली आर्थिक मदद

छत्रपति संभाजी नगर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में किसान आर्थिक संकट के कारण आत्महत्या कर रहे हैं। कर्ज और मौसम की मार से किसानो की आत्महत्या बढ़ती जा रही है। जनवरी से अगस्त 2026 के बीच आठ महीनों में 653 किसानों ने आत्महत्या की है। औसतन हर दिन करीब तीन किसान आत्महत्या कर रहे हैं। सबसे अधिक मामले बीड जिले में सामने आए हैं। जिलावार आंकड़ों के अनुसार बीड में 149, छत्रपति संभाजीनगर में 138, धाराशिव में 88, नांदेड में 82, जालना में 61, लातूर में 46, परभणी में 45 और हिंगोली में 44 किसानों की मौत हुई है । सबसे गंभीर स्थिति सरकारी सहायता को लेकर है।उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार इन आठ जिलों में करीब 290 किसान परिवारों को अब तक आर्थिक मदद नहीं मिली। बीड में 70, संभाजीनगर में 63, जालना में 31, परभणी में 30, हिंगोली में 20, नांदेड में 30, धाराशिव में 28 और लातूर में 18 परिवार मदद से वंचित हैं। फसल बर्बादी, बारिश की कमी, कर्ज, उत्पादन लागत बढ़ने और उपज का उचित मूल्य नहीं मिलने से किसानों का आर्थिक संकट बढ़ा है। विशेषज्ञों के अनुसार केवल मुआवजा नहीं, बल्कि सिंचाई, फसल बीमा और कर्ज राहत की प्रभावी व्यवस्था जरूरी है। महाराष्ट्र सरकार का इस और कोई ध्यान नहीं है। जिसके कारण आत्महत्या करने के लिए किसान विवस हैं।

खुले बोरवेल में गिरी बच्ची हारी जिंदगी की जंग, दस घंटे बाद निकाला बाहर

फरीदाबाद (एजेंसी)। हरियाणा के फरीदाबाद के सीही गांव में एक खुले बोरवेल में गिरी तीन साल की बच्ची नेहा जिंदगी की जंग हार गई। करीब दस घंटे तक चले अभियान के बाद सोमवार सुबह करीब चार बजे मासूम को बोरवेल से बाहर निकाला गया। हालांकि, जब उसे बाहर निकाला तब उसके शरीर में कोई हलचल नहीं थी। बच्ची को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। यह घटना जिला प्रशासन और नगर निगम की घोर लापरवाही पर सवाल खड़े करती है, जिसकी कीमत एक मासूम को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बच्ची को सुरक्षित निकालने के लिए रविवार रात से ही हरियाणा पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग की टीमें मौके पर जुटी हुई थीं। एनडीआरएफ के अधिकारियों के मुताबिक उन्हें रविवार रात करीब आठ बजे घटना की सूचना मिली, जिसके बाद गाजियाबाद से एनडीआरएफ की टीम करीब नौ बजे मौके पर पहुंची। शुरुआत में बचाव दल को बोरवेल के अंदर से बच्ची के रोने की आवाज सुनाई दे रही थी, जिसने उम्मीद जगाई थी, लेकिन कुछ समय बाद यह आवाज बंद हो गई, जिसने बचाव दल और परिजनों की चिंता बढ़ा दी। बोरवेल की गहराई करीब 300 फीट बताई गई थी, जो बचाव अभियान को बेहद चुनौतीपूर्ण बना रही थी। बचाव दल द्वारा लाए गए सामान्य उपकरणों से बच्ची को बाहर निकालने में सफलता नहीं मिल पा रही थी। ऐसे में, स्थानीय कारपेंटर की मदद से मौके पर ही एक विशेष औजार तैयार किया गया, जिसकी मदद से बच्ची को निकालने के प्रयास किए।

यूपी में गोशाला में 20 गोवंश की मौत, पुलिस ने दर्ज की दो पर एफआईआर

बदायूं(एजेंसी)। यूपी के बदायूं के अभिगांव की गोशाला में गोवंश की मौत के मामले में पुलिस ने मामला दर्ज किया है। गोशाला में अव्यवस्थाओं और गोवंश की देखभाल में लापरवाही के साथ पशु क्रूरता और गोवध आरोप में संचालक प्रियंक कौशिक और दानवीर को नामजद किया है। शिकायत में सरकारी धन के दुरुपयोग और गोवंश को समुचित चारा-पानी उपलब्ध न कराने का आरोप भी लगाया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अभिगांव के प्रशासक सत्यवीर सिंह की ओर से थाना उसावां में दर्ज कराई गई शिकायत के मुताबिक 26 सितंबर को गोशाला में 428 गोवंश मौजूद थे। इनके भरण-पोषण के लिए शासन से प्रति गोवंश रोज 50 रुपए के हिसाब से धनराशि दी जाती है। शिकायत में बताया गया कि एक जनवरी 2026 से गोशाला शारदा सेवा समिति संचालित कर रही है और इस हिसाब से 21400 रुपए प्रतिदिन और करीब 6.42 लाख रुपए प्रति माह की धनराशि समिति को दी गई थी।

मेघालय में सेप्टिक टैंक में जहरीली गैस से चार मजदूरों की मौत

मेघालय (एजेंसी)। मेघालय के दक्षिण गारो हिल्स जिले में दुखद घटना सामने आई है, जहाँ एक सेप्टिक टैंक में जहरीली गैस के संपर्क में आने से असम के चार निर्माण मजदूरों की मौत हुई। यह घटना रंगदोकराम गाँव में सेबेस्टियन सीएच संगमा के घर पर हुई, जहाँ मजदूर एक नए बने सेप्टिक टैंक से जुड़े निर्माण कार्य में लगे थे। रिपोर्टों के अनुसार, दो मजदूरों ने जमीन के नीचे बने टैंक का ढक्कन खोलने की कोशिश की, तभी वे अंदर फंसी जहरीली गैसों की चपेट में आकर अचानक गिर पड़े। उनकी मदद के लिए दौड़े दो अन्य मजदूर भी उन्हीं गैसों का शिकार हो गए और बेहोश हो गए। पुलिस और फायर एंड इमरजेंसी सर्विस की टीमें तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं, लेकिन मजदूरों को बचाना बेहद मुश्किल साबित हुआ।

संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करना ही विपक्ष का एकमात्र एजेंडा: जेपी नड्डा

नई दिल्ली , एजेंसी।
केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयोग पर लग रहे आरोपों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सहित विपक्षी नेताओं का एकमात्र एजेंडा देश की स्वतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम और कमजोर करना है।

केंद्रीय मंत्री नड्डा ने कहा कि जहां एक ओर 140 करोड़ भारतीय अपनी कड़ी मेहनत से विकसित भारत का संकल्प पूरा कर रहे हैं और दुनियाभर में भारत का नाम हो रहा है, वहीं कांग्रेस और इंडी गठबंधन के नेता देश की तरक्की को देखकर निराश और हताश है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के सभी झूठे आरोप तथ्यों की कसौटी पर बार-बार गलत साबित हुए हैं। चुनाव आयोग से लेकर देश की सबसे बड़ी अदालतों तक, उनके हर झूठ की पोल खुल चुकी है।

केंद्रीय मंत्री नड्डा ने कहा कि जब विपक्ष के पास कोई नीति या विजन नहीं होता, तब वे देश में भ्रम और अराजकता फैलाने के लिए नई-नई साजिशें रचते हैं। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले एक झूठी खबर पर पूरे देश में हंगामा खड़ा किया था, और अब जब चुनाव आयोग के सभी सदस्यों ने उनके हर झूठ का पर्दाफाश कर दिया है, तब वे फिर से माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं।

नड्डा ने राहुल गांधी को सीधा संदेश देकर कहा, राहुल गांधी कान खोलकर सुन लें! किसी झूठ को सौ बार दोहराने से वह सच नहीं बन जाता और न ही सच कभी हारता है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल, अखिलेश यादव और ममता बनर्जी जैसे नेताओं पर देश की स्वतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने का आरोप लगाया, इस टूलकिट मानसिकता बताया जो देश के विकास को रोकने के लिए हर सुबह एक नई साजिश रचती है।

नड्डा ने विपक्ष के काम करने के तरीके पर कटाक्ष कर कहा, आरोप लगाना, देश का माहौल खराब करना और भाग जाना, यही विपक्ष काम रह गया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को देश की सुरक्षा, जन-कल्याण या देश के सम्मान और प्रतिष्ठा की कोई परवाह नहीं है। उनका एकमात्र मकसद सत्ता हासिल करना, परिवारवाद की राजनीति को बढ़ावा देना और अपना निजी फायदा उठाना है। उन्होंने चेतावनी दी कि जनता ने अतीत में देश में अस्थिरता पैदा करने की कोशिश करने वाली ताकतों को करारा सबक सिखाया है।

केसी वेणुगोपाल के खिलाफ मानहानिकारक फेसबुक पोस्ट, 5 पर केस

– मुख्यमंत्री पद की दावेदारी पर हुए थे पोस्ट, घृणा फैलाने और शांति भंग करने का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल को फेसबुक पर निशाना बनाकर मानहानिकारक और आपत्तिजनक सामग्री साझा करने के आरोप में पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

अलप्पुझा साइबर पुलिस ने अधिवक्ता जॉनसन अब्राहम की शिकायत पर यह कार्रवाई की, जिसकी जानकारी सोमवार को मिली। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने 11 मई से 19 जुलाई के बीच वेणुगोपाल के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक पोस्ट किए। इनका उद्देश्य लोगों में उनके प्रति घृणा पैदा करना और सार्वजनिक शांति भंग करने के लिए उकसाना था। ये पोस्ट तब किए गए थे जब यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट की विधानसभा चुनाव जीत के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए चर्चाएं जारी थीं और वेणुगोपाल का नाम भी संभावितों में शामिल था। आरोप है कि आरोपियों ने उनकी उम्मीदवारी का विरोध करते हुए सोशल मीडिया पर ऐसी सामग्री साझा की थी। पांचों आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और केरल पुलिस अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज हुआ है। उन पर वैमनस्य फैलाने के इरादे से झूठी जानकारी फैलाने, दंगा होने की आशंका के बावजूद उकसाने और उपद्रव करने के आरोप हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों और उनके पोस्ट से जुड़ी जानकारी एकत्र कर ली गई है, और जल्द ही उनसे पूछताछ की जाएगी।

केजरीवाल ने पीएम मोदी को दिए जेन-जी से जुड़ने के महत्वपूर्ण टिप्स

नई दिल्ली , एजेंसी।
आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को वीडियो संदेश जारी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जेन-जी से बेहतर ढंग से जुड़ने के लिए कुछ नए टिप्स दिए। केजरीवाल ने प्रधानमंत्री मोदी के जेन-जी से जुड़ने के वर्तमान प्रयासों, जैसे आधी रात को रील बनाना या भजन क्लबिंग में जाना, को नौटंकी बताकर कहा कि इससे जेन-जी प्रभावित नहीं हो रहा है। उन्होंने हाल ही में दिल्ली के तिलक नगर में हुई घटना का जिक्र किया। उनके अनुसार, रेखा गुप्ता सरकार के एक मंत्री ने हाथ से टूट रही सड़क का विरोध कर रहे जेन-जी के युवक को कथित तौर पर थप्पड़ मार दिया। केजरीवाल ने इस घटना पर कड़ी आपत्ति जताकर प्रधानमंत्री मोदी से सवाल किया कि ऐसी घटनाओं के बाद युवा कैसे जुड़े।

आप प्रमुख केजरीवाल ने प्रधानमंत्री मोदी को सलाह दी कि यदि वे वास्तव में जेन-जी का विश्वास जीतना चाहते हैं, तब उन्हें तुरंत उस मंत्री को गिरफ्तार करना चाहिए और भ्रष्टाचार में लिप्त सड़क निर्माणकर्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि ऐसा करने से प्रधानमंत्री को रील बनाने या भजन क्लबिंग जैसे दिखावों की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, बल्कि पूरे देश का जेन-जी स्वाभाविक रूप से पीएम मोदी से जुड़ जाएगा। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस को मामले में मंत्री को बचाने के लिए ऊपर से आदेश मिले हैं। उन्होंने जोर दिया कि जेन-जी ईमानदारी, सीधापन और सच्चाई की उम्मीद करता है, न कि भ्रष्टाचार को बचाने की।

अशोक सिंहल का जीवन समाज और राष्ट्र के लिए समर्पण का उदाहरण : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के पूर्व अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अशोक सिंहल को उनकी जन्मशती पर याद करते हुए कहा कि उनका जीवन समाज, संस्कृति और राष्ट्र के लिए समर्पित रहा। उन्होंने सिंहल के संगठनात्मक कौशल, सामाजिक समरसता के प्रति प्रतिबद्धता और राम जन्मभूमि आंदोलन में उनकी भूमिका को भी स्मरण किया।

प्रधानमंत्री ने एक लेख में कहा कि सिंहल का जीवन इस भावना का उदाहरण था कि व्यक्ति को अपनी उपलब्धियों से अधिक लोक कल्याण के लिए समर्पित जीवन को महत्व देना चाहिए। उन्होंने एक सुभाषित का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस तरह वृक्ष अपने फल और नदी अपना जल अपने लिए नहीं रखते, उसी तरह संत स्वभाव के लोग दूसरों की सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित करते हैं।

मोदी ने कहा कि 27 सितंबर से अशोक सिंहल की जन्मशती वर्ष की शुरूआत हुई है। उन्होंने सिंहल के साथ अपने लंबे जुड़ाव और व्यक्तिगत संस्मरण साझा करते हुए 1981 का एक प्रसंग याद किया, जब उन्हें सिंहल का हाथ से लिखा पत्र मिला था। प्रधानमंत्री ने कहा कि सिंहल देश के दूर-दराज के क्षेत्रों की यात्राएं करते थे और वंचित तथा अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों के लिए लगातार काम करने पर विचार करते रहते थे। वर्ष 2001 के कच्छ भूकंप के बाद उनके साथ का अनुभव भी उन्होंने याद किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि संपन्न परिवार से आने के बावजूद सिंहल ने अलग मार्ग चुना और समाज तथा संस्कृति के लिए अपना जीवन समर्पित किया। प्रयागराज और काशी से उनके जुड़ाव का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि सिंहल का आध्यात्मिक साधना, शिक्षा, विशेषकर वैदिक शिक्षा और संगीत से गहरा लगाव था। उन्होंने बीएचयू से शिक्षा प्राप्त की थी और एकल विद्यालय की पहल से भी जुड़े थे।

मोदी ने सिंहल के संगठनात्मक कौशल का उल्लेख करते हुए 1993 में अमेरिका में आयोजित स्वामी विवेकानंद के शिकागो संबोधन की शताब्दी से जुड़े सम्मेलन और वर्ष 2000 में त्रिनिदाद एवं टोबैगो के पोर्ट ऑफ स्पेन में हुए विश्व हिंदू सम्मेलन के प्रसंग साझा किए। उन्होंने कहा कि सिंहल अपने सहयोगियों के प्रति स्नेह रखते थे और उनका प्रोत्साहन कार्यकताओं में नई ऊर्जा भर देता था।

राम जन्मभूमि आंदोलन में सिंहल की भूमिका का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 1991 की बोट क्लब रैली में उनका संबोधन और आंदोलन के दौरान घायल अवस्था की तस्वीर लंबे समय तक स्मरण में रही। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के पीछे सिंहल जैसी विभूतियों का समर्पण रहा। मोदी ने सामाजिक समरसता पर सिंहल के जोर का भी उल्लेख किया और कहा कि वह समाज में भेदभाव के खिलाफ थे तथा सभी को समान गरिमा और सम्मान देने के पक्षधर थे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सिंहल ने राष्ट्र-निर्माण के साथ शिक्षा और संगीत को भी विशेष महत्व दिया। उन्होंने युवाओं को पढ़ने के लिए प्रेरित किया और स्वयं भी अच्छा गाते थे। मोदी ने कहा कि सिंहल के आदर्शों से आज भी प्रेरणा मिलती है और उनकी जन्मशती के अवसर पर युवाओं को उनके जीवन और कार्यों से परिचित कराने का प्रयास होना चाहिए।

दिल्ली कोर्ट ने यौन उत्पीड़न मामले में बृजभूषण और तोमर को जारी किया नोटिस

–बरी किए जाने के फैसले को महिला पहलवानों ने दी है चुनौती, अब 9 को होगी सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को यौन उत्पीड़न के मामले में भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को नोटिस जारी किया। इस मामले में बृजभूषण को बरी किए जाने के फैसले को महिला पहलवानों ने चुनौती दी है। राऊज एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज दिग्विजय सिंह ने सोमवार को चार महिला पहलवानों की याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान सेशन कोर्ट ने बृजभूषण के साथ डब्ल्यूएफआई के पूर्व सचिव विनोद तोमर को भी नोटिस भेजा। इस मामले में अगली सुनवाई 9 अक्टूबर को होगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बृजभूषण शरण सिंह और महिला पहलवानों के बीच यह विवाद 2023 में सामने आया था। कई नामी महिला पहलवानों ने आरोप लगाया था कि 2016 से 2022 के बीच बृजभूषण की ओर से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं, ट्रेनिंग कैंप, डब्ल्यूएफआई कार्यालय और अन्य स्थानों पर उनके साथ अनुचित व्यवहार और यौन उत्पीड़न किया गया। इस मामले में डब्ल्यूएफआई के पूर्व सचिव विनोद तोमर को सह-आरोपी बनाया। महिला पहलवानों की शिकायतों के आधार पर पुलिस ने बृजभूषण के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। 3 अगस्त को मामले में दिल्ली की मजिस्ट्रेट कोर्ट ने बृजभूषण और विनोद तोमर को बरी कर दिया। चार महिला पहलवानों ने मजिस्ट्रेट कोर्ट के 3 अगस्त के आदेश के खिलाफ सेशन कोर्ट का रुख किया है। इस मामले में सह-आरोपी विनोद तोमर की बरी होने के आदेश को भी चुनौती दी गई है।

याचिका में कहा गया कि मजिस्ट्रेट कोर्ट का आदेश कानून की नजर में टिकाऊ नहीं है और सबूतों का गलत व चुनिंदा तरीके से आकलन किया गया है। महिला पहलवानों का कहना है कि आदेश में पीड़िता के व्यवहार को लेकर पुरानी रूढ़िवादी सोच को आधार बनाया गया है। याचिका के मुताबिक ट्रायल कोर्ट ने गवाहों के समर्थन वाली पूरी तस्वीर देखने के बजाय छोटी-छोटी और गैर-जरूरी गलतियों पर ध्यान केंद्रित किया और उन्हीं के आधार पर बृजभूषण सिंह के खिलाफ पूरे मामले को खारिज कर दिया।

मुख्यमंत्री फडणवीस किसानों के मुद्दे सुलझाएं या ईसी के प्रवक्ता बनें : कांग्रेस

मुंबई , एजेंसी।
महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर तीखा हमला कर कहा है कि अगर वह राज्य के सूखा प्रभावित किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं कर सकते, तब उन्हें इस्तीफा देकर निर्वाचन आयोग के प्रवक्ता के तौर पर काम करना चाहिए। कांग्रेस नेता सपकाल का यह बयान राहुल गांधी की आलोचना के जवाब में आया है, जिसमें फडणवीस ने उन पर निर्वाचन आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं में जनता का विश्वास कमजोर करने और अराजकता फैलाने का आरोप लगाया था। सीएम फडणवीस ने विपक्ष के वोट चोरी के आरोपों को निराधार बताकर कहा था कि तीनों निर्वाचन आयुक्तों ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े फैसले सर्वसम्मति से लिए थे। इस पर सवाल उठाकर सपकाल ने पूछा कि क्या फडणवीस निर्वाचन आयोग के प्रवक्ता हैं और वह कांग्रेस द्वारा आयोग से पूछे गए सवालों का जवाब क्यों दे रहे हैं। दरअसल एक खबर के बाद, कांग्रेस और कई अन्य दलों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की है। खबर में दावा था कि दो निर्वाचन आयुक्तों ने बीते 10 महीनों में करीब 14 बार एसआईआर प्रक्रिया को लेकर निर्वाचन आयोग के तरीकों पर औपचारिक आपत्ति जाहिर की थी। सपकाल ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया को लेकर उठाए गए सवालों से चुनावी व्यवस्था में पारदर्शिता का मुद्दा केंद्र में आ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेता सवालों का तथ्यों के साथ जवाब देने के बजाय राहुल गांधी की व्यक्तिगत आलोचना कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने जोर दिया कि मुख्यमंत्री को निर्वाचन आयोग का बचाव करने के बजाय महाराष्ट्र की जनता से जुड़े मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने अपनी बात दोहराई, कि अगर फडणवीस इन मुद्दों का समाधान नहीं कर सकते, तब उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर पूर्णकालिक रूप से निर्वाचन आयोग के प्रवक्ता के तौर पर काम करना चाहिए।

दीपके के गुरु कौन हैं? सीजेपी में पर्दे के पीछे बड़ी भूमिका

जंतर-मंतर आंदोलन संभालने का भी दावा

नई दिल्ली, एजेंसी।
कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक और राष्ट्रीय संयोजक अभिजीत दीपके के राजनीतिक मार्गदर्शक को लेकर चर्चा तेज हो गई है। एक वीडियो कॉल की सामने आई बातचीत में सीजेपी के सह संयोजक आशुतोष रांका और खुद अभिजीत दीपके ने बताया कि आजिंक्य शिंदे लंबे समय से दीपके के मेंटर रहे हैं। दोनों के मुताबिक, शिंदे पार्टी के गठन से पहले भी दीपके को सलाह देते रहे हैं और अब संगठन में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं।

वीडियो में रांका ने कहा कि आजिंक्य शिंदे, दीपके के सीजेपी में आने से पहले से ही उनके मेंटर हैं। उन्होंने नीट पेपर लीक के खिलाफ जंतर-मंतर पर हुए आंदोलन में शिंदे की भूमिका का जिक्र किया। रांका के मुताबिक, मंच पर दीपके और अन्य नेता लोगों से संवाद कर रहे थे, जबकि प्रदर्शन के प्रबंधन की जिम्मेदारी शिंदे खुद संभाल रहे थे। दीपके ने भी शिंदे की भूमिका को लेकर रांका की बात से सहमति जाहिर की है। उन्होंने कहा कि आंदोलन के दौरान शिंदे ने वॉलेंटियर्स की टीम तैयार करने, भीड़ के प्रबंधन और पूरे कार्यक्रम की व्यवस्था संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। दीपके के मुताबिक, इसी आंदोलन के दौरान देशभर में काम करने वाली वॉलेंटियर्स की टीम तैयार हुई।

कौन हैं आजिंक्य शिंदे?

आजिंक्य शिंदे पहले आम आदमी पार्टी (आप) से जुड़े रहे हैं। महाराष्ट्र में वह पार्टी की युवा इकाई में जिम्मेदारी संभाल चुके हैं और गोवा के सह-प्रभारी भी रहे हैं। बाद में उन्होंने सीजेपी का रुख किया। सीजेपी में शिंदे को राष्ट्रीय संगठन की जिम्मेदारी दी गई है। पार्टी के विस्तार और संगठनात्मक गतिविधियों में उनकी भूमिका अहम है। दीपके और शिंदे दोनों महाराष्ट्र से आते हैं और लंबे समय से एक-दूसरे को जानते हैं। पार्टी से जुड़े लोगों के अनुसार, शिंदे सार्वजनिक तौर पर कम नजर आते हैं और संगठनात्मक रणनीति तथा जमीनी गतिविधियों पर ज्यादा ध्यान देते हैं। इसी वजह से सीजेपी में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होने के बावजूद उनकी सार्वजनिक पहचान अपेक्षाकृत सीमित है।

एसआईआर-2026 को लेकर बरहेट में निर्वाचन आयोग के सचिव ने की समीक्षा, दिए आवश्यक निर्देश

पात्र मतदाताओं का नाम न कटे, अपात्र नाम न जुड़े : सचिव संजीव

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। एसआईआर-2026 के सफल क्रियान्वयन को लेकर भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के सचिव संजीव कुमार प्रसाद ने शनिवार को बरहेट प्रखंड का दौरा कर पुनरीक्षण कार्यों की समीक्षा की। वन प्रमंडल के अतिथि भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी दीपक कुमार दूबे ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। समीक्षा के दौरान निर्वाचन आयोग के सचिव ने बरहेट (अ०ज०जा०) विधानसभा क्षेत्र के आदिवासी एवं पहाड़िया समुदाय के पात्र मतदाताओं का नाम किसी भी परिस्थिति में मतदाता सूची से नहीं हटाने का निर्देश दिया। साथ ही मतदाता सूची में किसी अपात्र या विदेशी व्यक्ति का नाम शामिल नहीं होने देने पर विशेष सतर्कता बरतने को कहा। उन्होंने एस आईआर - 2026 के तहत प्राप्त दावा एवं आपत्ति से जुड़े दस्तावेजों और अभिलेखों का जायजा लिया। दस्तावेजों को व्यवस्थित एवं सुरक्षित तरीके से संधारित करने का निर्देश देते हुए दावा-आपत्ति से जुड़े मामलों की सुनवाई की प्रगति की भी जानकारी ली। लंबित मामलों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने को कहा गया। सचिव ने बरहेट विधानसभा क्षेत्र के सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि पात्र मतदाताओं से संबंधित सुनवाई की प्रक्रिया में तेजी लाएं और प्रत्येक आवेदन का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं नियमानुसार निष्पादन सुनिश्चित करें। जिला प्रशासन के अनुसार, एसआईआर-2026 के तहत दावा एवं आपत्ति दाखिल करने की अवधि 5 अगस्त से 30 सितंबर 2026 तक निर्धारित है। इस अवधि में प्राप्त सभी आवेदनों का समयबद्ध तरीके से निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में निवार्ची पदाधिकारी बरहेट-सह-अपर समाहर्ता विजय कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी कुमुदिनी टुडू, सभी संबंधित सहायक निवार्ची पदाधिकारी, बीएलओ एवं निर्वाचन कर्मी उपस्थित रहे।

कांग्रेस में दो नए चेहरे शामिल, पूर्व सैनिक समेत पूर्व सीपीआईएम नेता ने थामा पार्टी का दामन

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। कांग्रेस ने जिले में संगठन विस्तार की कवायद तेज करते हुए पूर्व सैनिक शेख मोअज्जम अली और पूर्व सीपीआईएम नेता शेख अब्दुल कय्यूम को पार्टी में शामिल कराया। दोनों नेताओं ने जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। जिला कांग्रेस अध्यक्ष बरकत खान और पूर्व जिलाध्यक्ष अनुकूल मिश्रा ने माला पहनाकर दोनों का स्वागत किया। सदस्यता ग्रहण करने के बाद पूर्व सैनिक शेख मोअज्जम अली ने कहा कि राहुल गांधी के विचारों, जनहित से जुड़े मुद्दों पर उनकी सक्रियता तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता से प्रभावित होकर उन्होंने कांग्रेस से जुड़ने का निर्णय लिया है। उन्होंने पार्टी की नीतियों के अनुरूप संगठन और समाज के बीच सक्रिय भूमिका निभाने की बात कही। इस मौके पर कांग्रेस नेताओं ने कहा कि दोनों नेताओं के पार्टी में शामिल होने से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि नए सदस्यों के अनुभव और सक्रियता से पार्टी के संगठनात्मक कार्यों को गति मिलेगी। मौके पर मो. कलीमुद्दीन, बास्की यादव, मो. सद्दाम हुसैन, मो. औरंगजेब समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मोटरसाइकिल निकालने को लेकर मारपीट, एक व्यक्ति जख्मी

बिभा संवाददाता

उधवा । राधानगर थाना क्षेत्र के मीरनगर गांव में बीते रविवार की शाम मोटरसाइकिल निकालने को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। इस घटना में सोष्टी साहा नामक व्यक्ति घायल हो गया। मामले को लेकर पीड़ित सोष्टी साहा ने राधानगर थाना में आवेदन देकर कार्रवाई करने की मांग किया है। दिए गए आवेदन में आरोप लगाया है कि रविवार की शाम करीब छह बजे राधानगर पंचायत के महेशबथान निवासी देवरत मंडल ने उनके घर में घुसकर बाइक निकालने लगा। मना करने पर मारपीट की गई। जिसमें उसके सिर व हाथ में चोट लगी है। आरोप है कि घटना के दौरान उसकी जेब से 25 हजार रुपये नगद और करीब तीन तोला सोने की चेन छीन ली गई। बीच-बचाव करने पहुंची उसकी मां के साथ भी मारपीट का आरोप लगाया गया है। पीड़ित ने पुलिस से मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

प्लस टू उच्च विद्यालय राधानगर की प्रबंधन समिति की अध्यक्ष बनीं अंजू देवी

उधवा(बिभा) । उधवा प्रखंड के प्लस टू उच्च विद्यालय राधानगर में सोमवार को विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन किया गया। शिक्षा विभाग की ओर से नियुक्त पर्यवेक्षक विजय मंडल की देखरेख में समिति गठन की प्रक्रिया पूरी कराई गई। इस दौरान पर्यवेक्षक विजय मंडल ने उपस्थित सदस्यों को विद्यालय प्रबंधन समिति के गठन, दायित्व एवं कार्यप्रणाली के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इसके बाद अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद के लिए मतदान कराया गया। मतदान के बाद अंजू देवी को अध्यक्ष तथा रतन मंडल को उपाध्यक्ष चुना गया। वहीं विद्यालय के प्रधानाध्यापक सह सचिव रवि मिश्रा ने कहा कि विद्यालय प्रबंधन समिति के गठन से विद्यालय के शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों को बेहतर ढंग से संचालित करने में सहयोग मिलेगा। उन्होंने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों से विद्यालय के विकास एवं विद्यार्थियों के हित में सक्रियता से कार्य करने की अपील की। मौके पर अनुनय मंडल, उज्ज्वल मंडल, विमल मंडल, अमल मंडल, सिफल मंडल सहित अन्य सदस्य एवं लोग मौजूद थे।

कारूडीह गांव में 10 बिजली पोल के तार काट ले गये चोर

हंसडीहा(बिभा): सरैयाहाट थाना क्षेत्र के कारुडीह गांव में अज्ञात चोरों ने बिजली पोल से तार काटकर चोरी कर लिया. घटना के बाद कारुडीह के साथ आसपास के बौरा गांव की बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गयी. इससे करीब 30 घरों में अंधेरा छा गया है. ग्रामीणों के अनुसार, घटना देर रात की है. सुनसान का फायदा उठाकर चोर बिजली पोल पर चढ़े और तार काटकर अपने साथ ले गये. सुबह बिजली नहीं रहने पर ग्रामीणों को घटना की जानकारी हुई. इसके बाद गांव में हड़कंप मच गया. बिजली आपूर्ति ठप रहने से ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. पेयजल की व्यवस्था, मोबाइल चार्जिंग, बच्चों की पढ़ाई समेत घरेलू काम प्रभावित हैं. उमस भरे मौसम में बिजली नहीं रहने से लोगों की परेशानी और बढ़ गयी है. घटना की सूचना मिलने के बाद बिजली विभाग के कर्मी मौके पर पहुंचे और क्षतिग्रस्त लाइन का जायजा लिया. विभाग ने जल्द तार दुरुस्त कर बिजली आपूर्ति बहाल करने का आश्वासन दिया है. प्राथमिक आकलन के अनुसार, चोरी से करीब चार लाख रुपये का नुकसान हुआ है. मामले की सूचना स्थानीय थाना को दे दी गयी है. पुलिस अज्ञात चोरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जांच कर रही है. ग्रामीणों ने प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और जल्द बिजली बहाल कराने की मांग की है.

हंसडीहा में बाइक लूट की कोशिश, विरोध करने पर मारी गोली

हंसडीहा(बिभा) : हँसडीहा थाना क्षेत्र में सोमवार की अहले सुबह बाइक लूट की कोशिश के दौरान अपराधियों द्वारा फायरिंग किए जाने का मामला सामने आया है। घटना दुमकाझ्रहंसडीहा मुख्य मार्ग पर लकड़ाटांड़ स्थित हरदिया नदी के समीप की बताई जा रही है। इस घटना में लकड़ाटांड़ निवासी शिवलाल हांसदा के बाएं पैर में गोली लगी है। मिली जानकारी के अनुसार, शिवलाल हांसदा सुबह करीब पांच बजे अपनी बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान हरदिया नदी के पास बाइक सवार दो अज्ञात युवकों ने उन्हें रोक लिया और बाइक छीनने का प्रयास किया। शिवलाल ने जब इसका विरोध किया तो आरोपियों ने गोली चला दी, जो उनके बाएं पैर में लगी। गोली लगने के बावजूद शिवलाल ने हिम्मत नहीं छोड़ी और बाइक पर ही बैठे रहे। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोगों को घटना की जानकारी हुई। लोगों की आवाजाही बढ़ती देख दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। सुबह के समय मुख्य सड़क पर हथियार के बल पर बाइक लूट की कोशिश और फायरिंग की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना की सूचना मिलते ही हंसडीहा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने घायल शिवलाल हांसदा से घटना की जानकारी ली तथा फरार आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी शुरू कर दी है।

चुनाव आयोग के विरोध में झामुमो का प्रदर्शन, स्टेशन चौक पर फूंका मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कथित फैसलों के विरोध में सोमवार को झामुमो कार्यकताओं ने साहेबगंज के स्टेशन चौक पर प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष अरुण सिंह और जिला सचिव सुरेश टुडू के संयुक्त नेतृत्व में कार्यकताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका। इससे पहले कार्यकताओं ने स्टेशन परिसर से स्टेशन चौक तक आक्रोश मार्च निकाला। इस दौरान कार्यकताओं ने ह्लज्ञानेश कुमार मुदार्बादह्न, ह्लज्ञानेश कुमार गद्दी छोड़ोह्न, ह्लज्ञानेश कुमार हाय-हायह्न और ह्लमुख्य चुनाव आयुक्त की मनमानी नहीं चलेगीह्न जैसे नारे लगाए। वहीं प्रदर्शन के दौरान जिला अध्यक्ष अरुण सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष प्रो. नजरुल इस्लाम, सांसद प्रतिनिधि संजीव सामू हेंब्रम, जिला सचिव सुरेश टुडू, मोहम्मद मारुफ और जिला परिषद अध्यक्ष सह झामुमो नेत्री मोनिका किस्कू ने संबोधित किया। नेताओं ने चुनाव आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त पर मनमाने तरीके से फैसले लेने का आरोप लगाते हुए विरोध जताया। वहीं झामुमो नेताओं ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा लिए गए विभिन्न फैसलों को लेकर पार्टी में नाराजगी है। उन्होंने सवाल उठाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा लिए गए फैसले किसके इशारे पर लिए जा रहे हैं। नेताओं ने कहा कि पार्टी ऐसे फैसलों का विरोध करती है और राष्ट्रपति से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग करती है। मौके पर केंद्रीय समिति सदस्य संजय मिश्रा उर्फ बब्लू मिश्रा, मुजीबुर रहमान, अखलाकुर रहमान, जंगबहादुर सिंह, बरहेट प्रखंड अध्यक्ष बर्नाड मरांडी, पतना प्रखंड अध्यक्ष गुरु हेंब्रम, सचिव मोहम्मद शाहबाज, बोरियो प्रखंड अध्यक्ष स्टीफन मुर्मू, सुबोध सोरेन, अयूब शेख, धर्मवीर कुमार महतो, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष देव सोरेन, मोहम्मद अली अंसारी, एजाज अंसारी, जिला मीडिया सदस्य अरशद अंसारी सहित बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय का घेराव आज

साहेबगंज। शिक्षकों की विभिन्न लंबित समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ, जिला इकाई साहेबगंज की ओर से 29 सितंबर को जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय का घेराव किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 11 बजे से शाम चार बजे तक निर्धारित किया गया है। जिसकी जानकारी संघ के जिला महासचिव मनोरंजन कुमार ने देते हुए बताया कि शिक्षकों की सेवा निवृत्ति एवं पेंशन लाभ देने में हो रहे विलंब, चिकित्सा अवकाश की स्वीकृति में देरी तथा ग्रेड-1 से वंचित शिक्षकों को नियमानुसार लाभ नहीं मिलने समेत कई समस्याएं लंबे समय से लंबित हैं। इन समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर संघ ने कार्यालय घेराव का निर्णय लिया है।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर वृंदावन में मासिक समीक्षा सह क्लस्टर बैठक आयोजित

साहेबगंज । आयुष्मान आरोग्य मंदिर वृंदावन में मासिक समीक्षा सह क्लस्टर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता सीएचओ एस्टर हेंब्रम ने की। इसमें क्षेत्र के सभी सहिया, सहिया साथी, एएनएम, एमपीडब्ल्यू एवं सहिया पर्यवेक्षक शामिल हुए। बैठक में स्वास्थ्य विभाग की ओर से संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की गई। सीएचओ ने गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व चार जांच, संस्थागत प्रसव तथा दो दिन या उससे अधिक समय से बुखार से पीड़ित लोगों की आरडीके जांच और आवश्यक उपचार सुनिश्चित करने पर जोर दिया। इसके अलावा नवजात शिशुओं का संपूर्ण टीकाकरण कराने, सहियाओं द्वारा नियमित रूप से गृह भ्रमण करने तथा ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श देने के निर्देश दिए गए। बैठक में संदिग्ध मरीजों की पहचान कर उनकी जांच कराने पर भी विशेष जोर दिया गया। मौके पर सहिया साथी मेरी कर्मकार, एएनएम संगीता कुमारी एवं टेरेसा मुर्मू, एमपीडब्ल्यू वीरेंद्र कुमार तथा सहिया पर्यवेक्षक अवधेश कुमार सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

पोषण आहार प्रदर्शनी में सहायिकाओं ने दिखाया पौष्टिक व्यंजन

बिभा संवाददाता

उधवा । बाल विकास परियोजना कार्यालय उधवा में सोमवार को परियोजना स्तर पर पोषण आहार प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में प्रखंड के नौ सेक्टरों के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों की सहायिकाओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। प्रदर्शनी में आंगनबाड़ी केंद्रों की सहायिकाओं ने स्थानीय स्तर पर आसानी से उपलब्ध खाद्य पदार्थों का उपयोग कर विभिन्न प्रकार के पौष्टिक व्यंजन तैयार कर प्रदर्शित किए। व्यंजनों में अनाज,दाल,हरी सब्जियां,मौसमी फल तथा अन्य पौष्टिक खाद्य सामग्री का उपयोग किया गया। सहायिकाओं ने बताया कि स्थानीय खाद्य पदार्थों से कम लागत में पौष्टिक भोजन तैयार किया जा सकता है। जिससे बच्चों और माताओं के पोषण स्तर में सुधार लाने में मदद मिल सकती है। कार्यक्रम के दौरान बाल विकास परियोजना पदाधिकारी भारती ने प्रदर्शित किए गए सभी व्यंजनों का अवलोकन किया। उन्होंने सहायिकाओं से व्यंजनों में इस्तेमाल की गई सामग्री तथा उनके पोषण संबंधी महत्व की जानकारी ली। सीडीपीओ ने कहा कि बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए संतुलित आहार बेहद जरूरी है। इसी तरह गर्भवती और धात्री माताओं को भी पर्याप्त मात्रा में पौष्टिक आहार मिलना आवश्यक है। उन्होंने आंगनबाड़ी सेविकाओं और सहायिकाओं से पोषण संबंधी जानकारी परिवारों तक पहुंचाने तथा लोगों को स्थानीय और पौष्टिक खाद्य पदार्थों के उपयोग के लिए प्रेरित करने की अपील की। सीडीपीओ भारती ने बताया कि प्रदर्शनी में बेहतर एवं पौष्टिक व्यंजन तैयार कर प्रदर्शित करने वाली सहायिकाओं में प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा। चयनित सहायिकाओं को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया जाएगा। मौके पर महिला पर्यवेक्षिका आभा,नीतिशमा पाठक सहित अन्य मौजूद थे।

एसआईआर और मतदाता सूची में बदलाव के विरोध में कांग्रेस का विरोध मार्च, समाहरणालय पहुंचकर सौंपा ज्ञापन

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली, विशेष गहन पुनरीक्षण, मतदाता सूची में बदलाव तथा निर्वाचन आयोग की आईटी प्रणाली और डेटा प्रबंधन से जुड़े मुद्दों को लेकर सोमवार को जिला कांग्रेस कमिटी की ओर से विरोध मार्च निकाला गया। जिले के विभिन्न प्रखंडों से कांग्रेस कार्यकर्ता सुबह से ही जिला कांग्रेस कार्यालय पहुंचने लगे। करीब 11:30 बजे कांग्रेसजन गांधी चौक पहुंचे, जहां राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद विरोध मार्च शुरू हुआ। मार्च का नेतृत्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान ने किया। गांधी चौक से निकला मार्च पटेल चौक, ग्रीन होटल, कॉलेज रोड, पूर्वी रेलवे फाटक और सुभाष चौक होते हुए समाहरणालय पहुंचा। इस दौरान कांग्रेस कार्यकताओं ने मतदाता अधिकार, निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता और संस्थागत जवाबदेही की मांग को लेकर नारे लगाए। समाहरणालय पहुंचने के बाद कांग्रेस कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पुतलो जलाकर विरोध दर्ज कराया। इसके बाद जिला कांग्रेस अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त के माध्यम से ज्ञापन सौंपा।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक मतदाता के वोट का महत्व है। मतदाता सूची में किसी भी प्रकार का बदलाव निर्धारित प्रक्रिया और पारदर्शिता के साथ होना चाहिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर उठ रहे सवालों का स्पष्ट और संतोषजनक जवाब मिलना आवश्यक है। साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस की मांग है कि एसआईआर, मतदाता सूची में हुए बदलाव तथा निर्वाचन आयोग की आईटी प्रणाली और डेटा प्रबंधन से जुड़े मामलों की स्वतंत्र एवं पारदर्शी समीक्षा की जाए, ताकि चुनावी प्रक्रिया में आम जनता का विश्वास मजबूत हो। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पार्टी इन मुद्दों को आगे भी लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से उठाती रहेगी तथा मतदाताओं के अधिकार और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग करती रहेगी। वहीं विरोध मार्च में अनुकूल चन्द्र मिश्रा, बासुकीनाथ यादव, मोहम्मद कलीमुद्दीन, अशोक कुमार दास, नवीद अंजुम, एस्थर मरांडी, सरफराज आलम, नित्यानंद गुप्ता, हीरालाल साहा, रिजवान अंसारी, नूरजहां बीबी, ऐनुल हक अंसारी, कमरूल हक, रागीब आलम, अफजल अंसारी, सतीश पासवान, राजेश कुमार सिंह, मो. सलाउद्दीन, सद्दाम हुसैन, मो. मेराजुद्दीन, अरविंद कुमार यादव, प्रखंड अध्यक्ष मो. बदरुद्दीन, देवेंद्र ठाकुर, रणजीत टुडू, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष तनवीर राजा, एनएसयुआई जिला अध्यक्ष थॉमस रॉबर्ट समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

सड़क सुरक्षा को लेकर डीसी ने दिए सख्त निर्देश, अवैध पार्किंग व ओवरलोड वाहनों पर चलेगा अभियान

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। साहेबगंज जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लगाने और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने को लेकर उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में एनआईसी सभाकक्ष में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में दुर्घटना संभावित क्षेत्रों, यातायात व्यवस्था, नो-एंट्री, अवैध पार्किंग सहित सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने साहेबगंज, राजमहल और बरहरवा में अवैध एवं अनावश्यक पार्किंग के खिलाफ सघन जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया। मोटरयान निरीक्षक के नेतृत्व में संबंधित थाना प्रभारियों को कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। वहीं जैप-9 से साक्षरता चौक मार्ग पर नो-एंट्री का प्रभावी अनुपालन कराने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती का निर्देश दिया गया। साहेबगंज शहरी क्षेत्र के नो-एंट्री जोन में आवश्यक आपूर्ति वाहनों के परिचालन के दौरान निर्धारित गति सीमा का सख्ती से पालन कराने को कहा गया। इसके अलावा हिट एंड रन मुआवजा के सभी लंबित मामलों का 15 दिनों के भीतर निष्पादन करने का निर्देश संबंधित अनुसंधान पदाधिकारियों एवं सड़क सुरक्षा कोषांग को दिया गया। वहीं बैठक में साहेबगंज-गोविंदपुर मार्ग पर साहेबगंज से हरिणचरा मोड़ तक सड़क के दोनों ओर उगी झाड़ियों की कटाई-छंटाई कराने का निर्देश पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता को दिया गया। इससे सड़क किनारे लगे साइन बोर्ड और रोड फ्लैंक स्पष्ट दिखाई दे सकेंगे। ओवरस्पीडिंग एवं दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में रोड स्लाइडिंग बैरिकेड लगाने तथा इसके लिए सीएसआर मद से संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में कार्रवाई करने को कहा गया।

टेलो ब्रिज पर क्रैश बैरियर और उधवा पुल के पास डायवर्सन व साइन बोर्ड लगाने का भी निर्देश दिया गया। साहिबगंज पश्चिमी रेलवे फाटक पर बढ़ते जाम को देखते हुए पांच चौकीदार एवं जिला बल के जवानों की प्रतिनियुक्ति करने को कहा गया। टाइगर मोबाइल द्वारा बड़े वाहनों के प्रवेश में दी जा रही अनावश्यक छूट की थाना स्तर पर समीक्षा कर अनधिकृत प्रवेश पूरी तरह रोकने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही धोड़मारा पुल चौक और साक्षरता चौक पर आवश्यक पुलिस बल उपलब्ध कराने, ओवरलोड वाहनों एवं दोपहिया वाहनों की सघन जांच करने तथा सड़क किनारे सूखे पेड़ों की कटाई से संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। जिलेबिया घाटी समेत अन्य मार्गों के किनारे उगी झाड़ियों की साफ-सफाई कराने पर भी जोर दिया गया। बैठक में परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास, अनुमंडल पदाधिकारी-सह-जिला परिवहन पदाधिकारी अमर जॉन आईन्द, एसडीपीओ सदर, नगर प्रशासक, थाना प्रभारी सहित संबंधित पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित थे।

रांची मंडल के संबंध में ई-नीलामी सूचना

संख्या: C/RNC/e-Auction/2026 **दिनांक: 25.09.2026**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची द्वारा रांची मंडल में ई-नीलामी आमंत्रित की गई है। कैटलॉग पहले ही IREPS वेबसाइट पर प्रकाशित किया जा चुका है। विवरण निम्नानुसार है: **श्रेणी:** पार्सल; **कैटलॉग संख्या: RNCPARCEL-VPH-3; परिसंपत्ति का विवरण:** रांची मंडल की ट्रेन संख्या 12812-12811 **हटिया-लोकमान्य तिलक-हटिया सुपरफास्ट एक्सप्रेस** द्वारा राउंड ट्रिप आधार पर पार्सल वैन (LVPH) की लीजिंग हेतु ई-नीलामी। **नीलामी प्रारंभ:** 12.10.2026 को 10:00 बजे; **नीलामी समाप्त:** 12.10.2026 को 10:30 बजे। **नोट:** संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल देखें। उपर्युक्त कैटलॉग के अंतर्गत लॉटवार विवरण वहाँ उपलब्ध है। **(PR-816)**

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, रांची

दक्षिण पूर्व रेलवे
हम मुस्कान के साथ आपकी सेवा में तत्पर हैं

संक्षिप्त डायरी

दहेज हत्या में फरार सास के घर कुर्की-जब्ती, विवाहिता का शव गायब करने का आरोप

पटना (एजेंसी) दहेज के लिए विवाहिता की हत्या और शव गायब करने के मामले में मसौढ़ी पुलिस ने फरार आरोपी सास के घर कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की. अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है. मसौढ़ी में दहेज के लिए विवाहिता की हत्या कर शव गायब करने के मामले में फरार चल रही नामजद आरोपी सास के घर मसौढ़ी पुलिस ने रविवार को कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की. कार्रवाई जिलाल बिगहा गांव स्थित आरोपी रिंकू देवी के घर पर की गयी. पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ पूर्व में इश्तेहार भी चिपकाया गया था, लेकिन गिरफ्तारी नहीं हो सकी. पांच लाख रुपये अतिरिक्त दहेज मांगने का आरोप जहानाबाद जिले के मखदुमपुर थाना क्षेत्र के भगवान खंधा निवासी स्व. खीरा प्रसाद की पुत्री माधुरी कुमारी (21) की शादी 11 मार्च 2024 को जिलाल बिगहा निवासी सीताराम प्रसाद के पुत्र सूरज कुमार उर्फ गुड्डू (22) से हुई थी. मृतका के पिता का आरोप है कि शादी में करीब 15 लाख रुपये खर्च किये गये थे. शादी के कुछ माह बाद पति सूरज कुमार, ससुर सीताराम प्रसाद, सास रिंकू देवी, ननद कंचन कुमारी और मामा ससुर अशोक यादव पांच लाख रुपये अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर माधुरी को प्रताड़ित करने लगे. फोन पर बतायी थी प्रताड़ना की बात परिजनों के अनुसार, इसी वर्ष 15 मई को माधुरी ने फोन कर ससुराल में प्रताड़ित किये जाने की जानकारी दी थी. इसके अगले दिन परिजन जब जिलाल बिगहा स्थित उसके ससुराल पहुंचे, तो घर में ताला बंद मिला और सभी आरोपी फरार थे. परिजनों ने ग्रामीणों से पूछताछ की, तो माधुरी की हत्या कर शव गायब कर दिये जाने की जानकारी मिली. दो माह की गर्भवती थी माधुरी परिजनों ने बताया कि माधुरी करीब दो माह की गर्भवती थी. घटना के बाद पुलिस ने मामले में नामजद आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की. गिरफ्तारी नहीं होने पर फरार आरोपी रिंकू देवी के घर पर कुर्की-जब्ती की गयी. अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी पुलिस के अनुसार, मामले में अन्य नामजद आरोपी भी फरार हैं. उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है. पुलिस ने रिंकू देवी के घर की कुर्की-जब्ती की कार्रवाई पूरी कर ली है.

वन देवी मंदिर में बाबा बिहटेश्वर की टीम ने की भव्य आरती,सैकड़ों दीयों से जगमग मंदिर परिसर

पटना (एजेंसी)वन देवी मंदिर में बाबा बिहटेश्वर नाथ आरती टीम ने सैकड़ों दीयों की रोशनी और भजन-कीर्तन के साथ भव्य आरती का आयोजन किया. आस्था और प्रकाश का अद्भुत संगम. बाबा बिहटेश्वर नाथ मंदिर की आरती टीम की ओर से वन देवी मंदिर में भजन-कीर्तन और भव्य आरती का आयोजन किया गया. पुजारी हरिओम जी के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में माता का विधि-विधान से भव्य श्रृंगार किया गया. इसके बाद भजन-कीर्तन और आरती का आयोजन हुआ. सैकड़ों दीयों से जगमगा उठा मंदिर दीपोत्सव के दौरान मंदिर परिसर में सैकड़ों दीप जलाये गये. दीपों की रोशनी से पूरा मंदिर परिसर जगमगा उठा. मंदिर के आकर्षक स्वरूप को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे. श्रद्धालुओं ने कहा कि वन देवी मंदिर में पहली बार इस तरह का भव्य दीपोत्सव देखने को मिला. भजन-कीर्तन से भक्तिमय हुआ माहौल कार्यक्रम का संचालन पुजारी हरिओम जी के नेतृत्व में किया गया. भोला जी के नेतृत्व में भजन-कीर्तन प्रस्तुत किया गया. भजनों के बाद श्रद्धालुओं की मौजूदगी में भव्य आरती हुई. दीपों की रोशनी, भजन और आरती से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया. आस्था और रोशनी का दिखा अद्भुत संगम दीपोत्सव के दौरान मंदिर परिसर में सैकड़ों दीपकों का आकर्षक नजारा देखने को मिला. श्रद्धालु भक्ति और आस्था में लीन नजर आये. पूरे कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में उत्साह और भक्तिमय माहौल बना रहा.

ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट से सरकारी योजनाओं तक सबकुछ, एक क्लिक में मिलेगा बिहार के विभागीय काम का पूरा ब्योरा

पटना (एजेंसी) बिहार के नागरिकों के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण और राहत भरी खबर सामने आई है। राज्य सरकार से जुड़ी किसी भी योजना, विकास परियोजना या निर्णय की जानकारी प्राप्त करने के लिए अब लोगों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने या परेशान होने की बिल्कुल आवश्यकता नहीं पड़ेगी। बिहार सरकार एक ऐसी दूरगामी पहल करने जा रही है, जिससे राज्य के सभी विभागों की योजनाएं और उपलब्धियां एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होंगी। उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में तैयार किए जा रहे 'संकल्प पोर्टल' के माध्यम से आम जनता को पारदर्शी और त्वरित जानकारी प्रदान करने की व्यवस्था की जा रही है। यह पोर्टल राज्य में गुड गवर्नेंस यानी सुशासन की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य डिजिटल माध्यम से आम जनता और सरकार के बीच की दूरी को समाप्त करना तथा जवाबदेही तय करना है। संकल्प पोर्टल क्या है और इसकी जरूरत

क्यों पड़ी? अक्सर यह देखा जाता है कि सरकार की तरफ से कई कल्याणकारी योजनाएं और नीतियां लागू की जाती हैं, लेकिन सही समय पर सही जानकारी न मिलने के कारण आम लोग उनका लाभ उठाने से वंचित रह जाते हैं। इसके अलावा, किसी योजना पर कितना काम हुआ है, इसका सटीक डेटा भी जनता तक आसानी से नहीं पहुंच पाता था। इसी समस्या के समाधान के लिए 'संकल्प पोर्टल' को विकसित किया जा रहा है। यह एक एकीकृत (इंटीग्रेटेड) डिजिटल प्लेटफॉर्म होगा, जहाँ बिहार सरकार के सभी विभागों द्वारा लिए गए फैसलों, घोषित संकल्पों, और चल रही परियोजनाओं की अद्यतन (अपडेटेड) जानकारी दर्ज की जाएगी। इस पोर्टल के शुरू होने सेः आम नागरिकों को एक ही जगह पर प्रामाणिक जानकारी मिलेगी। पोर्टल की मुख्य विशेषताएं और 10 डैशबोर्ड विंडो संकल्प पोर्टल को उपयोगकताओं की सुविधा के अनुसार काफी सरल और इंटरैक्टिव बनाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, इस पोर्टल के डैशबोर्ड पर 10 अलग-अलग विंडो (विजेट/सेक्शन) होंगी। इससे यूजर को एक ही नजर में सरकार के कामकाज और राज्य की प्रगति की पूरी तस्वीर स्पष्ट हो जाएगी। इन 10 विंडो के माध्यम से नागरिक निम्नलिखित जानकारियां देख सकेंगेः 'बिहार गति' और बुनियादी ढांचाः राज्य में चल रही बड़ी इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति। फ्लैगशिप ग्रीन प्रोजेक्ट्सः पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ विकास से जुड़ी विशेष परियोजनाएं। ग्रीनफील्ड एवं औद्योगिक प्रोजेक्टः राज्य में लग रहे नए उद्योग और नई विकास योजनाएं। मुख्यमंत्री की घोषणाएंः मुख्यमंत्री द्वारा जनता से किए गए वादों और घोषणाओं का वास्तविक स्टेटस। कैबिनेट के फैसलेः राज्य मंत्रिमंडल की बैठकों में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों का ब्योरा। 100 दिनों का रिपोर्ट कार्डः सरकार द्वारा हर 100 दिनों की कार्यप्रगति और उपलब्धियों का विस्तृत ब्योरा। जनप्रतिनिधियों और श्क्ढ पत्रों का अपडेटः जनप्रतिनिधियों की सिफारिशों पर मुख्यमंत्री स्तर से की गई कार्रवाइयों की जानकारी। विशेष विधानसभा क्षेत्र (तारापुर) की प्रगतिः तारापुर विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की विशेष मॉनिटरिंग विंडो। 'सहयोग कार्यक्रम' के आवेदनः जनता दरबार या सहयोग कार्यक्रम में आए आवेदनों के निष्पादन की स्थिति। विभागवार लक्ष्य और उपलब्धियांः हर सरकारी विभाग का अपना तय लक्ष्य और उसके मुकाबले जमीन पर हुआ काम। 100 दिनों का रिपोर्ट कार्ड और रियल-टाइम अपडेट इस पोर्टल की सबसे खास बात '100 दिनों का रिपोर्ट कार्ड' होगा। सरकार अपने कामकाज का लेखा-जोखा नियमित रूप से इस सेक्शन में अपडेट करेगी। पिछले कुछ महीनों में आम जनता के हित में लिए गए बड़े फैसलों को पोर्टल पर अपलोड करने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। हर विभाग को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वह अपने तय लक्ष्यों, बजटीय आवंटन और भौतिक प्रगति का पूरा ब्योरा पोर्टल पर दर्ज करे। इससे न सिर्फ आम जनता को यह पता चलेगा कि उनके क्षेत्र या विभाग में कितना काम हुआ है, बल्कि उच्च अधिकारियों और मुख्यमंत्री कार्यालय के लिए भी परियोजनाओं की निगरानी करना आसान हो जाएगा। 'सहयोग कार्यक्रम' और तारापुर मॉडल संकल्प पोर्टल केवल राज्य स्तरीय आंकड़ों तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह निचले स्तर के प्रशासनिक मामलों से भी जुड़ेगा। 'सहयोग कार्यक्रम' के तहत आम नागरिकों द्वारा दिए गए आवेदनों और शिकायतों पर क्या कार्रवाई हुई, इसका अपडेट भी पोर्टल पर उपलब्ध रहेगा। इससे आम फरियादियों को अपने आवेदन का स्टेटस जानने के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। इसके साथ ही, मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र तारापुर में चल रही विकास परियोजनाओं के लिए एक समर्पित विंडो बनाई गई है। इसके जरिए यह देखा जा सकेगा कि एक विशिष्ट मॉडल क्षेत्र में विकास कार्य किस गति से आगे बढ़ रहे हैं।

कान में मवाद और दर्द का इलाज अब जांच के बाद, पटना एम्स जारी करेगा नई गाइडलाइन

पटना (एजेंसी) कान के मवाद और दर्द का इलाज अब जांच के बाद ही होगा. पटना एम्स नई गाइडलाइन जारी कर रहा है, जो एंटीबायोटिक दवाओं के सही इस्तेमाल पर जोर देती है. पटना कान के मरीजों को किस समय और कौन सी एंटीबायोटिक दवा देनी है, इसका निर्णय अब बैक्टीरियल कल्चर और सेंसिटिविटी जांच के आधार पर किया जाएगा. दिल्ली एम्स के दिशा-निर्देश के तहत पटना एम्स में इसे लेकर नई गाइडलाइन जारी होने जा रही है. दरअसल, देशभर के एम्स में कान से लंबे समय तक मवाद बहने और दर्द से पीड़ित मरीजों की केस स्टडी तैयार की गई है. इसमें सामने आया कि कान से लंबे समय तक मवाद बहने की गंभीर बीमारी क्रॉनिक सपुरेटिव ओटाइटिस मीडिया (सीएसओएम) के इलाज में कई सामान्य एंटीबायोटिक दवाओं का

असर कम हो रहा है. सामान्य एंटीबायोटिक के प्रति बढ़ रही प्रतिरोधक क्षमता केस स्टडी में पाया गया कि सीएसओएम के इलाज में लंबे समय से इस्तेमाल की जा रही कुछ सामान्य एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति बैक्टीरिया की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ रही है. ऐसे में बिना जांच के अनुमान के आधार पर एंटीबायोटिक देना प्रभावी नहीं माना जा रहा है. एम्स पटना के निदेशक डॉ. राजू अग्रवाल ने कहा कि एंटीबायोटिक दवा कब और किस मरीज को देनी है, इसे लेकर संस्थान के चिकित्सकों की ओर से लगातार रिसर्च की जा रही है. उन्होंने कहा कि कान-नाक-गला से संबंधित मरीजों के इलाज से पहले एंटीबायोटिक सेंसिटिविटी और बैक्टीरियल कल्चर जांच कराना जरूरी है, ताकि संक्रमण के लिए उपयुक्त दवा का चयन किया जा सके. बैक्टीरियल कल्चर के बाद ही तय होगी दवा एम्स पटना के डॉक्टरों के अनुसार, कान से लंबे समय तक मवाद बहने वाले मरीजों में कुछ एंटीबायोटिक दवाएं गंभीर संक्रमण के मामलों में प्रभावी पायी गयी हैं. पाइपरसिलिन-टैजोबैक्टम, इमीपेनम, मेरोपेनम और एमिकासिन जैसी दवाएं कई मामलों में असरदार पायी गयी हैं. वहीं, जेंटामिसिन जैसी कुछ दवाओं के खिलाफ बैक्टीरिया की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ने की बात सामने आयी है. डॉक्टरों का कहना है कि इन दवाओं का इस्तेमाल बिना चिकित्सकीय सलाह के नहीं किया जाना चाहिए. सीएसओएम के मरीजों में सेंसिटिविटी और बैक्टीरियल कल्चर जांच के बाद ही एंटीबायोटिक का चयन किया जाना चाहिए. इससे यह पता लगाने में मदद मिलती है कि संबंधित संक्रमण पैदा करने वाले बैक्टीरिया पर कौन सी दवा अधिक प्रभावी हो सकती है. सेंसिटिविटी जांच क्यों है जरूरी? सटीक बैक्टीरिया की पहचानः कान के संक्रमण कई तरह के बैक्टीरिया के कारण हो सकते हैं. कल्चर और सेंसिटिविटी जांच से संक्रमण के लिए जिम्मेदार बैक्टीरिया की पहचान करने में मदद मिलती है. सही दवा का चुनावः कई बार सामान्य एंटीबायोटिक दवाएं संक्रमण पर प्रभावी नहीं होती हैं. सेंसिटिविटी टेस्ट से डॉक्टरों को यह तय करने में मदद मिलती है कि संबंधित बैक्टीरिया पर कौन सी एंटीबायोटिक प्रभावी हो सकती है. साइड इफेक्ट और सुनने की क्षमता की सुरक्षाः कुछ शक्तिशाली एंटीबायोटिक, विशेषकर अमीनोग्लाइकोसाइड वर्ग की दवाओं के अनुचित इस्तेमाल से कान को नुकसान पहुंचने का जोखिम हो सकता है. जांच के आधार पर दवा का चयन करने से अनावश्यक एंटीबायोटिक इस्तेमाल को कम करने में मदद मिल सकती है.

पटना में प्रदर्शन: वाटर कैनन चलते ही नाचने लगे प्रदर्शनकारी, बैरिकेड्स उठाकर फेंकने की कोशिश

पटना (एजेंसी) पटना में किसानों, छात्रों और मजदूरों के प्रदर्शन के दौरान हंगामा. बैरिकेड्स तोड़ने की कोशिश, कई लोग हिरासत में लिए गए. स्वास्थ्य बिगड़ने की भी खबरें. पटना में सोमवार को विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शनकारियों के सड़क पर उतरने से कई इलाकों में हलचल बढ़ गयी. गांधी मैदान से आक्रोश मार्च निकाला गया, जो जेपी गोलंबर होते हुए डाकबंगला चौराहे तक पहुंचा. प्रदर्शन को देखते हुए पटना पुलिस ने कई प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा बढ़ा दी. इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच कई जगहों पर बहस और झड़प की स्थिति भी बनी. इस दौरान प्रदर्शनकारी बैरिकेड्स उठाकर फेंकने की कोशिश करते नजर आएं. वाटर कैनन चलते ही नाचने लगे प्रदर्शनकारी इसी बीच प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के

लिए वाटर कैनन चलाया. पानी की बौछार पड़ते ही कुछ प्रदर्शनकारी नाचते नजर आए. उन्होंने पुलिस का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि इतनी गर्मी में वाटर कैनन चलाकर उन्हें राहत मिल रही है. रउद्ध कृतिका मिश्रा ने किया अनाउंसमेंट वाटर कैनन के बीच पटना सदर रउद्ध कृतिका मिश्रा ने प्रदर्शनकारियों से धैर्य रखने की अपील की. उन्होंने अनाउंस करते हुए कहा कि प्रदर्शनकारियों के प्रतिनिधिमंडल से बातचीत हो चुकी है. जल्द ही उन्हें उचित मंच पर बातचीत के लिए ले जाया जाएगा. रउद्ध ने प्रदर्शनकारियों से शांत रहने और धैर्य बनाए रखने की अपील की. गांधी मैदान से निकला आक्रोश मार्च जानकारी के अनुसार, गांधी मैदान के गेट नंबर-10 से आक्रोश मार्च निकाला गया. इसमें किसान, छात्र-नौजवान, मजदूरों के साथ अक्क्ष्त्र उढक, अक्क्ष्त्र और अन्य वाम दलों के कार्यकर्ता शामिल हुए. प्रदर्शनकारियों ने बाढ़-सूखा का स्थायी समाधान, बाढ़ पीड़ितों को युद्धस्तर पर राहत और वित्त रहित शिक्षा का कलंक समाप्त करने जैसी मांगों को लेकर पोस्टर-बैनर के साथ प्रदर्शन किया. रोजगार और न्यूनतम मानदेय समेत कई मांगें प्रदर्शनकारी युवाओं के लिए रोजगार, स्कीम वर्कर्स को स्थायी करने और मजदूरों को न्यूनतम मानदेय देने की मांग भी उठा रहे हैं. वहीं मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर भी प्रदर्शन किया गया. हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी जेपी गोलंबर की ओर पहुंचे. जेपी गोलंबर पर बैरिकेड्स तोड़ने की कोशिश जेपी गोलंबर के पास प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड्स तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश की. इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प की स्थिति बन गयी. कामख्या नारायण सिंह के साथ प्रदर्शनकारियों की तीखी बहस भी हुई. स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने मौके पर सुरक्षा बढ़ा दी. डाकबंगला पर पुलिस ने शुरू किया हिरासत में लेना जेपी गोलंबर के बाद प्रदर्शनकारी डाकबंगला चौराहे की ओर बढ़े. यहां पुलिस ने दर्शनकारियों को हिरासत में लेना शुरू किया. कई महिला और पुरुष प्रदर्शनकारियों को पुलिसकर्मी पकड़कर मौके से ले जाते दिखे. कुछ प्रदर्शनकारियों को टांग-टांगकर ले जाने का वीडियो भी सामने आया है. कई महिला-पुरुष हिरासत में डाकबंगला पर पुलिस कार्रवाई के दौरान कई महिला और पुरुष प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया. मौके पर पटना ररढ कार्तिकेय शर्मा, सिटी एसपी वेस्ट संकेत कुमार, सिटी एसपी ईस्ट शैलजा समेत कई वरीय पुलिस अधिकारी मौजूद रह

पटना में 330 करोड़ से बनेगी 6.8 किमी लंबी फोरलेन सड़क, 1.57 एकड़ जमीन का होगा

पटना (एजेंसी) परसा-संपतचक फोरलेन सड़क का निर्माण नवंबर से तेज होगा. 330.24 करोड़ की लागत से 6.8 किमी सड़क और 9 पुल-पुलिया बनेंगे, जिससे 5 लाख लोगों को मिलेगी राहत. परसा-संपतचक के बीच फोरलेन सड़क निर्माण की प्रक्रिया नवंबर से तेज होने की उम्मीद है. सड़क चौड़ीकरण के लिए रहीमपुर, परसा और छतना गांव में कुल 1.57 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया जाना है. पुलिया भी बनाये जायेंगे. तीन गांवों में जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू परसा-संपतचक के बीच सड़क चौड़ीकरण के लिए तीन गांवों में जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है. रहीमपुर, परसा और छतना गांव में कुल 1.57 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया जाना है. जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया आगे बढ़ने के बाद सड़क निर्माण का काम भी तेज होगा. 6.8 किमी लंबी सड़क होगी फोरलेन परसा से संपतचक तक करीब 6.8 किलोमीटर लंबी सड़क को फोरलेन

बनाया जायेगा. सड़क की चौड़ाई 14 मीटर होगी. चौड़ी सड़क बनने से इस मार्ग पर वाहनों के आवागमन के लिए अधिक जगह उपलब्ध होगी और मौजूदा सड़क की क्षमता बढ़ेगी. निर्माण पर खर्च होंगे 330.24 करोड़ रुपये परियोजना के तहत सड़क चौड़ीकरण और इससे जुड़े निर्माण कार्यों पर 330.24 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे. सड़क निर्माण के साथ मार्ग पर नौ पुल-पुलिया का भी निर्माण किया जायेगा. इससे सड़क के विभिन्न हिस्सों में आवागमन को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी. फोरलेन बनने के बाद इस मार्ग की यातायात क्षमता बढ़ने की उम्मीद है. पांच लाख आबादी को आवागमन में मिलेगी सुविधा परसा-संपतचक सड़क के चौड़ीकरण से करीब पांच लाख की आबादी को आवागमन में सुविधा मिलने की उम्मीद है. इस मार्ग का उपयोग करने वाले लोगों को चौड़ी सड़क का लाभ मिलेगा. खासकर परसा और संपतचक के बीच आने-जाने वाले वाहनों के लिए सड़क की क्षमता बढ़ने से आवागमन आसान हो सकता है.

पटना: गंगा में नहाने के दौरान चार दोस्त डूबे, तीन को बचाकर खुद तेज धारा में बहकर लापता हो गया आशुतोष

पटना (एजेंसी) पटना के मनेर में गंगा नदी में नहाने के दौरान 4 दोस्त डूब गए. आशुतोष ने जान की परवाह किए बिना 3 दोस्तों को बचाया, लेकिन खुद लापता हो गया. राजधानी पटना के मनेर थाना क्षेत्र के खासपुर के पास रविवार को गंगा नदी में नहाने के दौरान चार युवक डूबने लगे. इस दौरान एक युवक ने अपनी जान की परवाह किये बिना तीन दोस्तों को बचा लिया, लेकिन उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने के दौरान वह खुद थककर गंगा की तेज धारा में डूब गया और लापता हो गया. घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया. मौके पर लोगों की भीड़ जुटी रही. तीन दोस्तों को बचाने के लिए नदी में लगायी छलांग जानकारी के अनुसार, खासपुर गांव निवासी अमरनाथ राय का 30 वर्षीय पुत्र आशुतोष कुमार अपने दोस्तों रंजन, प्रिंस और अरविंद कुमार के साथ गंगा नदी में नहाने गया था. नहाने के दौरान अचानक दोस्तों को बचाते-

बचाते खुद डूबा तीनों दोस्तों को बचाने के बाद आशुतोष काफी थक गया. इसी दौरान गंगा की तेज धारा की चपेट में आने से वह खुद डूब गया और लापता हो गया. आशुतोष के नदी में डूबने की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे. इसके बाद परिवार में चीख-पुकार मच गयी. स्थानीय गोताखोरों ने शुरू की तलाश घटना की सूचना मुखिया प्रतिनिधि बोधनाथ राय ने तत्काल प्रशासन को दी. सूचना मिलने के बाद पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और युवक की तलाश शुरू करायी. देर शाम तक एसडीआरएफ की टीम के नहीं पहुंचने पर स्थानीय गोताखोरों की मदद से गंगा में तलाशी अभियान चलाया गया. हालांकि, काफी प्रयास के बावजूद देर शाम तक आशुतोष का कोई पता नहीं चल सका था.

बच्चों में गुर्दे की बीमारी के ये लक्षण दिखें तो न करें नजरअंदाज, पटना में विशेषज्ञों ने बतायी जरूरी बातें

पटना (एजेंसी) पटना में बच्चों के संपूर्ण विकास और पोषण प्रबंधन पर आयोजित वर्कशॉप में पीएमसीएच के विशेषज्ञों ने महत्वपूर्ण जानकारियां दीं. शारीरिक, मानसिक विकास और बीमारियों पर चर्चा हुई. पटना के होटल चाणक्या में बच्चों के समुचित विकास और पोषण प्रबंधन को लेकर विशेष वर्कशॉप आयोजित हुआ. कार्यक्रम में पीएमसीएच के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास, पोषण, गुर्दे से जुड़ी बीमारियों और रक्त संबंधी विकारों पर जानकारी साझा की. कार्यक्रम में 45 से अधिक शिशु रोग विशेषज्ञ शामिल हुए.

विशेषज्ञों ने बच्चों की बीमारियों की शुरूआती पहचान और उचित इलाज के महत्व पर भी चर्चा की. होटल चाणक्या में हुआ विशेष आयोजन पटना के आर ब्लॉक स्थित होटल चाणक्या में बच्चों के समुचित विकास और पोषण प्रबंधन को लेकर विशेष वर्कशॉप आयोजित किया गया. कार्यक्रम में बाल स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए. पीएमसीएच के डॉक्टरों ने किया उद्घाटन वर्कशॉप का उद्घाटन पीएमसीएच की डॉ मधु सिन्हा, डॉ पंकज हंस, डॉ संतोष कुमार और स्मृति रंजन परिडा ने संयुक्त रूप से किया. कार्यक्रम में बच्चों के स्वास्थ्य से जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा हुई. बच्चों में गुर्दे की बीमारी पर क्या बोले विशेषज्ञ पीएमसीएच के किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ पंकज हंस ने बच्चों में गुर्दे से जुड़ी बीमारियों पर जानकारी दी. उन्होंने कहा कि अभिभावकों में जागरूकता की कमी के कारण बच्चों में गुर्दे संबंधी बीमारियों की पहचान में देरी हो सकती है. सूजन और पेशाब में बदलाव हो सकते हैं संकेत डॉ पंकज हंस के अनुसार बच्चों के शरीर में सूजन, पेशाब में जलन या पेशाब में खून आना गुर्दे से जुड़ी समस्या के संकेत हो सकते हैं. ऐसे लक्षण दिखने पर बच्चों की चिकित्सकीय जांच कराना जरूरी है. बच्चों में किडनी बीमारी को लेकर घबराने की जरूरत नहीं विशेषज्ञ ने बताया कि बच्चों में गुर्दे से जुड़ी बीमारी को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है. उन्होंने कहा कि बच्चों में यह बीमारी लाइलाज नहीं है और समय पर बीमारी की पहचान और उचित उपचार महत्वपूर्ण है.

डीआरडीओ का हल्के 'बुलेटप्रूफ' कांच के लिए सीजीसीआरआई से समझौता

50 करोड़ की परियोजना, बख्तरबंद वाहनों के लिए आयात विकल्प

कोलकाता ।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने बख्तरबंद वाहनों के लिए स्वदेशी, उन्नत एवं हल्के बुलेटप्रूफ कांच के विकास हेतु सीएसआईआर-केंद्रीय कांच एवं सिरेमिक अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीजीसीआरआई) के साथ 50 करोड़ रुपये की एक बड़ी परियोजना के लिए हाथ मिलाया है। इस महत्वाकांक्षी पहल का उद्देश्य आयातित पारदर्शी कवच का प्रभावी विकल्प तैयार करना और उसके वजन तथा मोटाई को मौजूदा स्तर से 50 प्रतिशत तक कम करना है। चार साल की यह परियोजना वर्तमान में उन्नत चरण में है। इसमें महाराष्ट्र स्थित नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल) और चंडीगढ़ स्थित टीबीआरएल सहित डीआरडीओ की अन्य प्रयोगशालाएं भी सहयोग कर रही हैं। परियोजना का अगला चरण प्रयोगशाला स्तर के विकास से बड़े पैमाने पर विनिर्माण तक प्रौद्योगिकी को ले जाने के लिए डीआरडीओ द्वारा चुने गए उद्योग साझेदार के साथ काम करना होगा। सीएसआईआर-सीजीसीआरआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह परियोजना रक्षा क्षेत्र के लिए उन्नत स्वदेशी बुलेटप्रूफ कांच प्रौद्योगिकी विकसित करेगी, जो भारत की रणनीतिक जरूरतों को सीधे संबोधित करती है। कोलकाता स्थित संस्थान के अधिकारियों ने पुष्टि की कि लक्ष्य ऐसे उन्नत पारदर्शी ग्लास-सिरेमिक विकसित करना है, जो पारंपरिक कवच की तुलना में काफी हल्के और पतले होने के साथ-साथ कई गोलियों से सुरक्षा प्रदान कर सकें।

गोदरेज प्रॉपर्टीज का मुंबई में 6000 करोड़ का मेगा-प्लान!

दक्षिण मुंबई के मरीन लाइंस में 2.5 एकड़ भूमि पर विकसित होगी प्रीमियम आवासीय परियोजना

मुंबई ।

रियल एस्टेट सेक्टर की अग्रणी कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड (जीपीएल) ने अपनी विस्तार योजनाओं को गति देते हुए मुंबई के प्रमुख लक्जरी रियल एस्टेट बाजार में एक बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने दक्षिण मुंबई के मरीन लाइंस में 2.5 एकड़ में एक प्रीमियम आवासीय परियोजना विकसित करने के लिए एक समझौते की घोषणा की है, जिससे उसे अनुमानित 6,000 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त होने की संभावना है। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को बताया कि यह परियोजना संयुक्त रूप से विकसित की जाएगी और यह उसके पोर्टफोलियो में एक महत्वपूर्ण वृद्धि होगी। जीपीएल के एक प्रमुख अधिकारी ने मुंबई को कंपनी के लिए एक प्रमुख बाजार बताया, जहां प्रीमियम और लक्जरी परियोजनाओं को लगातार मजबूत प्रतिक्रिया मिली है। यह विकास ऐसे समय में आया है जब मुंबई का लक्जरी आवास बाजार मजबूती से बढ़ रहा है। संपत्ति सलाहकार इंडिया सोथबीज इंटरनेशनल रियल्टी और सीआरई मैट्रिक्स के अनुसार, इस साल की पहली छमाही में 10 करोड़ रुपये या उससे अधिक कीमत वाले लक्जरी मकानों की बिक्री 12 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 18,512 करोड़ रुपये हो गई है।

कटाई से पहले धान की फसल पर मौसम की मार, किसानों को दोहरी चिंता

दयालपुर में तैयार खड़ी फसल खेतों में बिछी, किसान पैदावार घटने और मंडी में रेट कम मिलने से परेशान

फरीदाबाद ।

फरीदाबाद के दयालपुर गांव में पिछले दिनों हुई भारी बारिश और तेज हवाओं ने किसानों की तैयार खड़ी धान की फसल को खेतों में बिछा दिया है।

कटाई से महज 10-15 दिन पहले हुए इस नुकसान से किसान गहरे सदमे में हैं और उन्हें पैदावार में कमी तथा मंडी में फसल का सही दाम न मिलने की दोहरी चिंता सता रही है। किसानों का कहना है कि साल की शुरुआत में गेहूं की फसल को भी आखिरी दौर में मौसम की मार झेलनी पड़ी थी, और अब धान के साथ भी ऐसी ही स्थिति सामने आई है। दयालपुर गांव के एक किसान ने कहा कि रात में तेज बारिश के साथ आंधी चलने से उनकी 4 एकड़ में लगी 1509 किस्म की धान की फसल पूरी तरह खेत में बिछ गई है। वे करीब 40 प्रतिशत नुकसान का अनुमान लगा रहे हैं। धान की खेती में प्रति एकड़ लगभग 20 हजार रुपये की लागत आती है और फसल लगभग पककर तैयार थी। यदि 15 से 20 दिन और मौसम ठीक रहता तो धान की कटाई कर उसे मंडी पहुंचाया जा सकता था। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि खेत में नीचे गिरे दाने ठीक से नहीं पक पाएंगे और कुछ काले भी पड़ सकते हैं। इससे न केवल पैदावार कम होगी, बल्कि मंडी में उचित रेट भी नहीं मिल पाएगा।

शेयर बाजार में हाहाकार! सेंसेक्स 1000 अंक टूटा, निफ्टी 23000 पर

चंद मिनटों में ही निवेशकों के 4.3 लाख करोड़ डूबे

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को शुरुआती कारोबार में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बुरी तरह गिरे। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं बाजार पर हावी रहीं। एशियाई बाजारों में कमजोर रुख ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। विदेशी पूंजी की निकासी ने भी शुरुआती कारोबार के दौरान निवेशकों के मनोबल को चोट पहुंचाई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 730 अंक गिरकर 73,170.12 पर आ गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 231.50 अंक टूटकर 22,908.95 पर पहुंच गया। सुबह 10 बजकर 45 मिनट पर सेंसेक्स 1,010.46 अंकों की गिरावट के साथ 72,885.28 के स्तर पर जबकि निफ्टी 309.66 अंकों की गिरावट के साथ 22,830.85 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। इस बड़ी गिरावट के चलते निवेशकों को चंद मिनटों में ही लगभग 4.3 लाख करोड़ रुपये का भारी नुकसान उठाना पड़ा। बाजार ट्रंप और कच्चे तेल का खेल बाजार में इस तीव्र गिरावट की मुख्य वजह अमेरिकी राष्ट्रपति

डोनाल्ड ट्रंप का ईरान के साथ हुए सात-दिवसीय समझौते को अस्वीकार करना है। ईरान ने अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी हटाने के बदले महत्वपूर्ण शिपिंग रूट होर्मुज जलडमरूमध्य को वाणिज्यिक जहाजों के लिए खोलने का प्रस्ताव रखा था, जिसे ट्रंप ने ठुकरा दिया। इस फैसले के बाद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें फिर से बढ़ गईं। इस गिरावट के अन्य कारणों में विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली और अमेरिकी ब्याज दरों का दबाव भी शामिल है।

सोने-चांदी के दाम धड़ाम, एमसीएक्स पर भारी गिरावट

चांदी हुई 6000 रुपए सस्ती, सोना भी लगभग 1.39 लाख रुपए प्र ति 10 ग्राम

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी की कीमतों में सोमवार को भारी गिरावट दर्ज की गई है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दोनों कीमती धातुएं बड़ी गिरावट के साथ कारोबार कर रही हैं, जिससे खरीदारों के लिए यह एक अच्छा मौका बन सकता है। एमसीएक्स पर सोने का भाव 2721 रुपये गिरकर 148160 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। वहीं चांदी भी 6000 रुपये से ज्यादा फिसलकर 228700 रुपये प्रति किलो पर कारोबार कर रही है। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भी कीमती धातुओं की चमक फीकी पड़ी है। कॉमैक्स पर सोना 2.06 फीसदी गिरकर 4232 डॉलर प्रति औंस पर आ गया है, जबकि चांदी 3 फीसदी से ज्यादा की गिरावट के साथ 62 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही है। यह गिरावट ऐसे समय में आई है जब हाल के महीनों में सोने में उतार-चढ़ाव देखा गया है; जुलाई-अगस्त में करीब 11 फीसदी की तेजी के बाद सितंबर में इसकी कीमत लगभग 6 फीसदी गिर चुकी है। विशेषज्ञों के अनुसार वैश्विक कारकों और बाजार के दबाव के चलते इन कीमती धातुओं के दाम प्रभावित हुए हैं। जो लोग सोने-चांदी में निवेश या खरीददारी का मन बना रहे हैं, उनके लिए यह मौजूदा दरें आकर्षक हो सकती हैं।

आईआरडीएआई का बीमा बिक्री पर शिकंजा, ग्राहक हित में बदलेंगे नियम

ऊंचे कमीशन, डार्क पैटर्न और जबरन बंडलिंग पर लगेगी रोक

नई दिल्ली ।

ग्राहकों को गलत बीमा उत्पाद बेचने (मिस-सेलिंग) पर लगाम कसने के लिए बीमा नियामक आईआरडीएआई ने कमर कस ली है। नियामक ने एक कंसल्टेशन पेपर जारी किया है, जिसमें एजेंटों को मिलने वाले भारी शुरुआती कमीशन, ऑनलाइन बिक्री के डार्क पैटर्न और लोन के साथ जबरन बीमा बेचने जैसी कई समस्याओं पर अंकुश लगाने के लिए सख्त बदलावों का प्रस्ताव किया गया है। इसका उद्देश्य ग्राहक हितों की रक्षा और उद्योग में पारदर्शिता बढ़ाना है।

आईआरडीएआई के एक अधिकारी ने उच्च शुरुआती कमीशन (40-50 फीसदी तक) को मिस-सेलिंग की वजह बताया है। प्रस्तावित व्यवस्था में पहले साल के कमीशन को कम कर इसका एक हिस्सा पॉलिसी के रिन्यू होने पर देने की बात कही गई है। इससे एजेंट ग्राहकों से लंबे समय तक जुड़े रहेंगे। गलत तरीके से बेचने वाले एजेंटों व डिस्ट्रीब्यूटर्स पर नजर रखने को सार्वजनिक इंश्योरेंस रजिस्ट्री का भी प्रस्ताव है। नियामक ने लोन के साथ जबरन बीमा बेचने और ऑनलाइन बीमा खरीदारी में इस्तेमाल होने वाले डार्क पैटर्न (जैसे प्रीमियम जानने के लिए अनिवार्य मोबाइल नंबर) पर भी चिंता जताई है, जिन पर शिकंजा कसा जाएगा। आईआरडीएआई का मानना है कि इन बदलावों से बीमा कंपनियों की लागत में कमी आएगी, जिसका लाभ बेहतर रिटर्न और क्लेम रेशियो के रूप में ग्राहकों तक पहुंचेगा। नए नियम 1 जनवरी या 1 अप्रैल 2027 से लागू हो सकते हैं।

अमेरिका से भारत को राहत, एल्युमिनियम कैन स्टॉक पर आंशिक शुल्क हटे

वॉशिंगटन ।

वाणिज्य विभाग ने भारत समेत कई देशों से आयात होने वाले कुछ खास एल्युमिनियम कैन स्टॉक पर लागू एंटी-डंपिंग और काउंटरवेलिंग ड्यूटी से आंशिक रूप से पाबंदियां हटा दी हैं। विभाग ने बदले हुए हालात की अपनी समीक्षा के अंतिम नतीजों की घोषणा की, जिसके तहत यह फैसला 24 सितंबर से लागू माना जाएगा। यह कदम भारतीय एल्युमिनियम निर्यातकों के लिए एक बड़ी राहत है, जिससे अमेरिकी बाजार में उनकी पहुंच आसान होगी। यह आंशिक छूट उन एल्युमिनियम स्टॉक पर लागू होगी जो विशेष रूप से पेय पदार्थों के कैन, कैन के ढक्कन और कैन खोलने के लिए इस्तेमाल होने वाले टैब बनाने के लिए उपयुक्त हैं। हालांकि, इसका यह मतलब नहीं है कि सभी कॉमन अलॉय एल्युमिनियम शीट पर लगे व्यापारिक शुल्क खत्म कर दिए गए हैं; व्यापक एंटी-डंपिंग और अन्य व्यापारिक शुल्क अभी भी लागू रहेंगे। उत्पाद की पात्रता उसके लिखित तकनीकी विवरण के आधार पर तय की जाएगी, न कि अमेरिकी टैरिफ सिस्टम में उसकी कैटेगरी के आधार पर। यह फैसला भारत के अलावा बहरीन, ब्राजील, क्रोएशिया, मिस्र, जर्मनी, इंडोनेशिया, इटली, ओमान, रोमानिया, सर्बिया, स्लोवेनिया, दक्षिण अफ्रीका, स्पेन, ताइवान और तुर्किये से आने वाली एल्युमिनियम शीट से जुड़े मौजूदा आदेशों पर भी असर डालेगा। चीन से आयात होने वाली एल्युमिनियम शीट पर भी अलग से असर होगा। अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने यह समीक्षा तब शुरू की थी जब अमेरिका की एल्युमिनियम इंडस्ट्री

के कुछ सदस्यों ने कैन बनाने में इस्तेमाल होने वाले एल्युमिनियम स्टॉक को मिलने वाली छूट के नियमों को स्पष्ट करने की मांग की थी। इंडस्ट्री ने तर्क दिया था कि तय शर्तों को पूरा करने वाले एल्युमिनियम कैन स्टॉक को हमेशा से इन व्यापारिक शुल्कों के दायरे से बाहर रखने का इरादा था। यह राहत न केवल भविष्य के आयात पर लागू होगी, बल्कि उन पुराने योग्य आयातों पर भी लागू होगी जिन पर अमेरिकी कस्टम अधिकारियों ने अभी अंतिम रूप से शुल्क तय नहीं किया है। वाणिज्य विभाग के मुताबिक, आंशिक छूट उस तारीख से लागू होगी जब इन सामानों की अंतिम कस्टम प्रक्रिया को रोकना शुरू किया गया था।

यह भारत जैसे एल्युमिनियम उत्पादकों और निर्यातकों के लिए एक सकारात्मक विकास है, जिनके उत्पाद अमेरिका के मेटल आयात से जुड़ी व्यापार नीतियों से प्रभावित होते रहे हैं।

अक्टूबर में 16 दिन बैंकों में रहेगा कामकाज ठप!

नई दिल्ली ।

अक्टूबर का महीना त्योहारों और छुट्टियों की सौगात लेकर आ रहा है। ऐसे में अगर आपको बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम निपटाना है, तो अपनी योजना सावधानी से बनाएं, क्योंकि अक्टूबर में देशभर के बैंकों में कुल 16 दिनों की छुट्टी रहने वाली है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी आधिकारिक हॉलिडे कैलेंडर के अनुसार ये छुट्टियां विभिन्न राज्यों में स्थानीय पर्वों और साप्ताहिक अवकाश के कारण होंगी, जिससे बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहेंगी। आरबीआई के कैलेंडर के मुताबिक अक्टूबर में कुल 16 दिन बैंक बंद रहेंगे। इन छुट्टियों में 6 साप्ताहिक अवकाश (रविवार, दूसरे और चौथे शनिवार) शामिल हैं। बाकी 10 छुट्टियां विभिन्न राज्यों और सर्कलों में स्थानीय त्योहारों जैसे महात्मा गांधी जयंती (2 अक्टूबर, पूरे देश में), महालया अमावस्या, दुर्गा पूजा (महा सप्तमी, महा अष्टमी, महानवमी), दशहरा (विजयादशमी), लक्ष्मी पूजा, करवा चौथ और सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती के कारण होंगी। उदाहरण के लिए, दुर्गा पूजा और दशहरा के चलते 19 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक अगरतला, कोलकाता, बेंगलुरु, पटना, चेन्नई और गुवाहाटी सहित कई राज्यों में बैंक बंद रहेंगे। वहीं 29 अक्टूबर को करवा चौथ के अवसर पर शिमला में और 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती पर अहमदाबाद में बैंक कामकाज प्रभावित होगा। ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि वे बैंक शाखा जाने से पहले भारतीय रिजर्व बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर अपने राज्य की छुट्टियों की सूची अवश्य जांच लें, ताकि किसी भी असुविधा से बचा जा सके।

1 अक्टूबर से एलपीजी सब्सिडी के लिए बायोमेट्रिक आधार सत्यापन अनिवार्य

बिना ई-केवाईसी या बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन के नहीं मिलेगी सब्सिडी

नई दिल्ली ।

1 अक्टूबर से घरेलू एलपीजी सिलेंडर के लिए सब्सिडी के नियमों में एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने अब सब्सिडी का लाभ उठाने के लिए बायोमेट्रिक आधार ऑथेंटिकेशन (बीएए) को अनिवार्य कर दिया है। इसके साथ ही, दिल्ली में 14.2 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत 942 रुपये पर स्थिर बनी हुई है। मंत्रालय के नए नियम के अनुसार जिन उपभोक्ताओं ने अभी तक अपनी ई-केवाईसी या बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन पूरा नहीं किया है, उन्हें 1 अक्टूबर से मिलने वाली सरकारी सब्सिडी बंद कर दी जाएगी। हालांकि, आपका गैस कनेक्शन चालू रहेगा और सिलेंडर की डिलीवरी भी होती रहेगी, लेकिन आपको सब्सिडी वाले रेट पर नहीं, बल्कि बाजार भाव पर सिलेंडर खरीदना होगा।

फिलहाल, 28 सितंबर को दिल्ली में 14.2 किलो वाला एलपीजी सिलेंडर 942 रुपये और 19 किलो वाला कमर्शियल सिलेंडर 2747.50 रुपये में बिक रहा है, जो पहले के स्तर पर बरकरार हैं। वहीं दूसरी ओर एशियाई बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में 1 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

स्टॉक मार्केट में यूपीआई भुगतान पर नया एमडीआर, ब्रोकरों पर पड़ेगा बोझ

एनएसई ने सरकार से बातचीत की खबरों को नकारा, ब्रोकरों की बढ़ी चिंता

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में यूपीआई के माध्यम से होने वाले भुगतानों पर अब नया मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू होगा। 15 अक्टूबर से प्रभावी होने वाला यह नियम शेयर, सिक्योरिटीज, म्यूचुअल फंड और स्टॉक ब्रोकर से जुड़े लेनदेन पर 0.02 फीसदी एमडीआर लगाएगा, जिसकी अधिकतम सीमा प्रति लेनदेन 300 रुपये होगी। यह शुल्क सीधे ग्राहक से न लेकर भुगतान प्राप्त करने वाले ब्रोकरों और संबंधित कंपनियों पर लागत का बोझ डालेगा। यह एमडीआर भुगतान प्राप्त करने वाले मर्चेंट या ब्रोकर की लागत होती है, जिससे ब्रोकरों के सामने एक अतिरिक्त लागत का सवाल खड़ा हो गया है। विशेष रूप से तब, जब कोई ग्राहक यूपीआई के जरिए पैसे जमा करता है, लेकिन बाद में उन पैसों से कोई शेयर नहीं खरीदता, ऐसी स्थिति में भी ब्रोकर को एमडीआर का खर्च उठाना पड़ सकता है। हालांकि, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के एक प्रमुख अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि एमडीआर को लेकर उनकी सरकार से कोई बातचीत नहीं हुई है। उनके अनुसार इस नए शुल्क

का व्यावहारिक समाधान ब्रोकर और ग्राहकों को मिलकर निकालना होगा। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि यह नियम बाजार प्रतिभागियों और ग्राहकों को किस तरह प्रभावित करता है।

तत्काल पैसों की जरूरत? एफडी तोड़ने से बेहतर है उस पर लोन लेना

नई दिल्ली ।

अचानक वित्तीय जरूरत पड़ने पर फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) मालिकों के सामने एफडी तोड़ने या उसके बदले लोन लेने का विकल्प होता है। वित्तीय विशेषज्ञ एफडी को बरकरार रखते हुए उस पर लोन लेने को एक स्मार्ट वित्तीय निर्णय मानते हैं, जिससे आप पेनल्टी और ब्याज के नुकसान से बचते हैं।

अचानक पैसों की जरूरत पड़ने पर फिक्स्ड डिपॉजिट के मालिक अक्सर दुविधा में होते हैं कि इसे तोड़ें या इसके बदले लोन लें। वित्तीय विशेषज्ञ मानते हैं कि एफडी तोड़ने से होने वाले नुकसान से बचने के लिए उस पर लोन लेना एक समझदारी भरा विकल्प है। मान लीजिए आपको 3 लाख रुपये चाहिए और आपके पास 5 लाख रुपये की 7 फीसदी ब्याज वाली एक साल की एफडी है। यदि आप 6 महीने बाद एफडी तोड़ते हैं, तो बैंक पेनल्टी के साथ ब्याज दर घटाकर 5 फीसदी प्रभावी कर सकता है, जिससे आपको लगभग 12,500 रुपये ब्याज मिलेगा। यह पूर्ण अवधि के 35,000 रुपये के संभावित ब्याज से काफी कम है।

वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में दर्ज किया 99.31% का शानदार क्लेम सेटलमेंट रेशियो, उद्योग में सबसे आग

ICICI PRUDENTIAL
LIFE INSURANCE

रांची: आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के लिए 99.31% का क्लेम सेटलमेंट रेशियो घोषित किया है, जो आधिकारिक आकड़ों (फॉर्म एल-39 और एल-40) के आधार पर भारत की शीर्ष जीवन बीमा कंपनियों में सबसे अधिक है। इस तिमाही के दौरान, कंपनी ने 414.08 करोड़ रुपए मूल्य के व्यक्तिगत मृत्यु दावों का निपटान किया। विशेष रूप से, वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में प्रमुख जीवन बीमाकताओं में कंपनी का प्रति दावा औसत मूल्य लगभग 15 लाख रुपए था, जो सबसे अधिक है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के चीफ-अंडरराइटिंग एंड रिटेल क्लेम्स, श्री सारंग गोखले ने कहा, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ में, हम अपने ग्राहकों और उनके परिवारों के लिए क्लेम प्रक्रिया को सरल, सुगम और समय पर पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में, हमारा क्लेम सेटलमेंट रेशियो इंडस्ट्री में सबसे अधिक 99.31% रहा। इसके साथ ही, बिना जाँच वाले मामलों में आखिरी दस्तावेज मिलने की तारीख से क्लेम सेटल करने का हमारा औसत समय सिर्फ 1 दिन का रहा। इसके अलावा, हमने मृत्यु दावों के रूप में 414.08 करोड़ रुपए का भुगतान किया। हमारी 'कस्टमर-फर्स्ट' सोच और डिजिटलीकरण पर मजबूत फोकस हमें क्लेम को तेजी से निपटाने में सक्षम बनाता है, जिससे परिवारों को उस समय वित्तीय राहत मिल सके जब उन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है। क्लेम करने वाले लोग हमारे मोबाइल ऐप, व्हाट्सएप, चैटबॉट और वेबसाइट के माध्यम से आसानी से क्लेम दर्ज और ट्रैक कर सकते हैं।

पेज एक का शेष

प्रहार को थाना स्तर तक पहुंचाएं...

उन्होंने राज्य पुलिस बलों से केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर काम करने के लिए विशेष टीम गठित करने को कहा। शाह के अनुसार, सरकार 2019 से 2026 के बीच 36 देशों से 288 भगोड़े अपराधियों को भारत वापस लेकर आई है। उन्होंने कहा कि एजेंसियों के बेहतर समन्वय के परिणामस्वरूप सीमापार हथियारों, विस्फोटकों और मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल शहजाद भट्टी नेटवर्क के 40 से अधिक मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया गया तथा 15 राज्यों में 100 से अधिक प्राथमिकी दर्ज कर 350 लोगों को गिरफ्तार किया गया। सम्मेलन में केंद्रीय गृह सचिव, विदेश सचिव, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और केंद्रीय पुलिस संगठनों के प्रमुख, 15 राज्यों के पुलिस महानिदेशक तथा सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के आतंकवाद-रोधी दस्तों के प्रमुख शामिल हुए। अन्य राज्यों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया।

नाबालिगों के मामले में सोशल मीडिया...

एच.एस. फुल्का ने कहा कि केंद्र सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 79 के तहत अपने अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए डिजिटल मध्यस्थों को भारतीय कानूनों का पालन करने के निर्देश दे सकता है। याचिकाकर्ता ने मांग की है कि डिजिटल प्लेटफॉर्मों को इस बात का ध्यान रखने के निर्देश दिए जाएं कि नाबालिगों में अनुबंध करने की कानूनी क्षमता नहीं होती और ऑनलाइन सेवाओं तक उनकी पहुंच के लिए जरूरी सुरक्षा उपाय लागू किए जाएं। एच.एस. फुल्का ने कहा, हमारे बच्चों की सुरक्षा के लिए यह जरूरी है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को भारत के कानूनों का उल्लंघन करने से रोका जाए। याचिका में ऑनलाइन दुनिया में बच्चों के सामने मौजूद कई जोखिमों को भी उठाया गया है। इनमें बच्चों को बहला-फुसलाकर यौन शोषण की ओर ले जाना, यौन शोषण, ऑनलाइन ट्रैफिकिंग, सेक्सटॉर्शन, बच्चों के व्यवहार की प्रोफाइलिंग, निजी डेटा का दुरुपयोग और साइबर बुलिंग जैसी चिंताएं शामिल हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के संस्थापक भुवन ऋभु ने कहा, यह तथ्य है कि बच्चों को किसी तरह का अनुबंध करने की अनुमति नहीं दी जा सकती और सोशल मीडिया कंपनियों के साथ उनके द्वारा किए गए ऐसे सभी समझौते अमान्य हैं। यह पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल है। दुनिया भर में कानूनों को समझने और उन्हें प्रभावी ढंग से लागू करने की जरूरत है, ताकि न्याय सुनिश्चित हो और बच्चों की सुरक्षा की जा सके। जब उपयोगकर्ताओं के लिए अपनी व्यक्तिगत जानकारी देना और अपनी पहचान उजागर करना अनिवार्य किया जाएगा, तो इससे बच्चों के ऑनलाइन शोषण और उनके साथ होने वाले दुर्व्यवहार में काफी कमी आएगी।

एशियाई खेल : भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने बांग्लादेश को 10-0 से रौंदा, सेमीफाइनल में पाकिस्तान से होगी मुकाबला

काकामिगाहारा : सेमीफाइनल का टिकट पहले ही पक्का कर चुकी गत चैम्पियन भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने यहां 20वें एशियाई खेलों (अ्रॅ-ठॅङ्गॅ 2026) में अपना अजेय क्रम जारी रखा और सोमवार को भारी बारिश के बीच पूल ए के आखिरी मैच कप्तान हरमनप्रीत सिंह की हैट्रिक की मदद से बांग्लादेश को 10-0 से रौंदने के साथ लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। गत चैम्पियनों ने पूल चरण के शुरूआती चार मैचों में इंडोनेशिया को 13-1, दक्षिण कोरिया को 8-2, सिंगापुर को 7-0 और जापान को 2-0 से हराया था। भारतत की अब सेमीफाइनल में एक अक्टूबर को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से मुलाकात होगी। दूसरे सेमीफाइनल में मलेशिया की टक्कर दक्षिण कोरिया से होगी।

गिफु प्रीफेक्चरल ग्रीन स्टेडियम में खेले गए दिन के आखिरी लीग मैच में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत (27वां, 40वां व 45वां मिनट) ने तीन गोल ठोके तो शिलानंद लाकड़ा (44वां व 45वां मिनट) ने दो गोल किये। अभिषेक (तीसरा मिनट), जुगराज सिंह (22वां मिनट), सुखजीत सिंह (32वां मिनट), संजय (59वां मिनट) व मनदीप सिंह (60वां मिनट) ने भी एक-एक गोल किया।

बारिश के कारण पिच गीली हो गई थी और खिलाड़ी पूरे भीग चुके थे, जिससे मूवमेंट में दिक्कत हो रही थी। चूंकि बारिश की वजह से पाकिस्तान बनाम ओमान मैच 15 मिनट के लिए रोकना पड़ा था, लिहाजा भारत और बांग्लादेश का मैच आधा घंटे देर से शुरू हुआ। भारत ने मध्यांतर के बाद हमलों की बौछार करते हुए कुल सात गोल ठोके।

महिला टीम कल कोरिया से सेमीफाइनल खेलेगी

भारतीय महिला टीम की बात करें तो वह भी पूल बी में सभी पांचों मैचों में जीत हासिल कर सेमीफाइनल में पहले ही प्रवेश कर चुकी है। हॉकी स्पर्धा में एक दिन के विश्राम के बाद बुधवार (30 सितम्बर) को भारत का सेमीफाइनल में कोरिया गणराज्य से मुकाबला होगा जबकि गत चैम्पियन व ओलम्पिक रजत पदक विजेता चीन की मेजबान जापान से टक्कर होगी।

मुख्य चुनाव आयुक्त की बर्खास्तगी की मांग को लेकर झामुमो का राजभवन के समक्ष प्रदर्शन 30 को

बिभा संवाददाता

रांचीः चुनाव आयोग की आंतरिक कार्यप्रणाली और मतदाता सूची से जुड़े कथित एकतरफा फैसलों के विरोध में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने मोर्चा खोल दिया है। झामुमो रांची जिला समिति एवं रांची महानगर समिति के संयुक्त तत्वावधान में 30 सितंबर 2026 (बुधवार) को सुबह 11 बजे राजभवन के समक्ष जोरदार प्रदर्शन किया जाएगा। पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से बर्खास्त करने की मांग उठाई है।

झामुमो केंद्रीय समिति के महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर बेहद गंभीर और चिंताजनक तथ्य उजागर हुए हैं। उन्होंने मीडिया रिपोर्टों और आधिकारिक दस्तावेजों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा लिए गए कई एकतरफा निर्णयों पर आयोग के ही अन्य दो चुनाव आयुक्तों–सुखबीर सिंह संधू एवं विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में कम से कम 14 बार लिखित व औपचारिक आपत्तियां दर्ज कराई हैं।

श्री पांडेय ने कहा कि अन्य दोनों चुनाव आयुक्तों की आपत्तियों व चिंताओं को दरकिनार कर, बिना उनकी सहमति और जानकारी के मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत करोड़ों पात्र मतदाताओं के नाम हटाना और नियमों में एकतरफा फेरबदल करना पूरी तरह असंवैधानिक, अनधिकृत और अवैध है। उन्होंने इसे स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सीधा कुठाराघात करार दिया।

इस लोकतंत्र विरोधी और पक्षपातपूर्ण रवैये के खिलाफ आयोजित होने वाले इस प्रदर्शन में रांची स्थित पार्टी के केंद्रीय समिति के सभी पदाधिकारी व सदस्य, सांसद, विधायक, विभिन्न स्तरों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल होंगे। झामुमो ने लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए इस आंदोलन को व्यापक स्तर पर सफल बनाने का आह्वान किया है।

संक्षिप्त खबरें

चक्रधरपुर मंडल के बिरराजपुर स्टेशन का होगा उन्नयन

कोलकाता(बिभा) : बिरराजपुर स्टेशन पर नॉन-इंटरलॉकिंग (एन.आई.) कार्य के पूरा होने से यह स्टेशन चक्रधरपुर मंडल के एक महत्वपूर्ण माल ढुलाई एवं परिचालन केंद्र के रूप में विकसित होगा। चक्रधरपुर मंडल के 5वें गुड्स कोचिंग टर्मिनल (जीसीटी) के कमीशनिंग के साथ बीरराजपुर का महत्व माल ढुलाई नेटवर्क में और बढ़ गया है। नए जीसीटी लाइन के कमीशनिंग से स्टेशन की माल ढुलाई क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा अतिरिक्त लोडिंग एवं अनलोडिंग यातायात के अवसर सृजित होंगे। बिरराजपुर में पहले से ही निरंतर माल ढुलाई गतिविधियां संचालित हो रही हैं। मई माह में 33 रेक, जून में 34 रेक, जुलाई में 30 रेक, अगस्त में 42 रेक तथा 25 सितंबर 2026 तक 29 रेक अनलोड किए गए। वर्तमान में कई कंपनियां बीरराजपुर में नियमित रूप से अपनी सामग्रियों का अनलोडिंग कर रही हैं, जिनमें मुख्य रूप से कोयला, लौह अयस्क एवं पेलेट शामिल हैं। शीघ्र ही फ्लाई ऐश की लोडिंग सहित नए माल यातायात के जुड़ने की भी उम्मीद है। माल ढुलाई एवं अनलोडिंग क्षमता में वृद्धि से अधिक माल आवागमन, रेक के त्वरित आवागमन तथा रेलवे के अतिरिक्त राजस्व में सहायता मिलेगी। एन.आई. कार्य के तहत यार्ड लाइनों के अतिरिक्त प्रावधान एवं संशोधन से यार्ड की क्षमता मजबूत होगी तथा परिचालन में अधिक लचीलापन आएगा। डाउन साइड पर नई लाइन के प्रावधान से चांडिल की ओर से आने वाली कोचिंग ट्रेनों के डिटेंशन में कमी आएगी, जिससे ट्रेनों का सुचारू परिचालन एवं समयपालन सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, मंडल के 5वें गुड्स कोचिंग टर्मिनल के कमीशनिंग से सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के लिए एक मजबूत आधार तैयार होगा, जिससे माल ढुलाई, लॉजिस्टिक्स एवं टर्मिनल संबंधी गतिविधियों में निजी क्षेत्र की अधिक भागीदारी को प्रोत्साहन मिलेगा। कुल मिलाकर, बिरराजपुर में एन.आई. कार्य से परिचालन दक्षता में वृद्धि, माल ढुलाई क्षमता का विस्तार, नए माल यातायात को आकर्षित करने, अतिरिक्त राजस्व अर्जित करने तथा चक्रधरपुर मंडल में बिरराजपुर की एक प्रमुख माल टर्मिनल के रूप में भूमिका को और मजबूत करने में मदद मिलेगी।

राजभाषा के उत्कृष्ट प्रयोग के लिए प्रयागराज रेल मंडल को मिला विशेष पुरस्कार एवं चल वैजयंती

प्रयागराज(बिभा): उत्तर मध्य रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) कार्यालय, प्रयागराज को राजभाषा हिंदी के प्रयोग एवं प्रगति के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए वर्ष 2025-26 के विशेष पुरस्कार एवं चल वैजयंती से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास - कार्यालय-1), प्रयागराज द्वारा प्रदान किया गया। केंद्र सरकार की राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन और प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा नराकास का गठन किया जाता है। प्रयागराज में मुख्य आयकर आयुक्त कार्यालय के अंतर्गत गठित इस समिति में 48 सदस्य कार्यालय शामिल हैं, जिसकी अध्यक्षता मुख्य आयकर आयुक्त श्रीमती मीनाक्षी सिंह कर रही हैं। समिति द्वारा सदस्य कार्यालयों की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट के आधार पर प्रतिवर्ष यह सम्मान दिया जाता है। आयोजित समारोह में नराकास अध्यक्षा एवं मुख्य आयकर आयुक्त श्रीमती मीनाक्षी सिंह ने यह पुरस्कार प्रदान किया। डीआरएम कार्यालय की ओर से अपर मंडल रेल प्रबंधक (सामान्य) एवं अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी दीपक कुमार ने यह सम्मान ग्रहण किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रयागराज मंडल में राजभाषा के विस्तार और कामकाज में हिंदी के बढ़ते उपयोग की जानकारी साझा की। उल्लेखनीय है कि प्रयागराज मंडल को इससे पूर्व वर्ष 2023-24 में भी राजभाषा प्रगति के लिए चल वैजयंती का प्रथम पुरस्कार मिल चुका है। लगातार मिल रही यह सफलता मंडल में सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रभावी और सुचारू प्रयोग को दशार्ती है।

ऑपरेशन जीवन रक्षाः प्रयागराज जंक्शन पर आरपीएसएफ जवानों ने बचाई महिला यात्री की जान

प्रयागराज(बिभा): उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज जंक्शन पर 'ऑपरेशन जीवन रक्षा' के तहत आरपीएसएफ के जवानों ने तत्परता दिखाते हुए एक महिला यात्री की जान बचा ली। 27 सितंबर 2026 की रात प्रयागराज एक्सप्रेस (12417) के खुलते समय एक महिला संतुलन खोकर सीधे चलती ट्रेन के नीचे चली गई। प्लेटफार्म नंबर-01 पर तैनात आरपीएसएफ जवानों महेश कुमार हरितवाल, प्रवेश कुमार व बसंत ने तुरंत चेन पुलिंग कर गाड़ी रुकवाई और महज 5 मिनट में महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। रेल प्रशासन ने यात्रियों से चलती ट्रेन में न चढ़ने की अपील की है।

पूर्व रेलवे ने शुरू किया दो दिवसीय स्वच्छता से समृद्धि अभियान, कबाड़ से बनीं कलाकृतियां और प्लास्टिक रीसाइक्लिंग पर जोर

बिहान भारत

कोलकाताः पर्यावरणीय स्थिरता और स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए पूर्व रेलवे ने महाप्रबंधक सुश्री गीतिका पाण्डेय के मार्गदर्शन में 'स्वच्छता ही सेवा-2026' के तहत दो दिवसीय विशेष अभियान 'स्वच्छता से समृद्धि' की शुरूआत की है। 28 और 29 सितंबर को संचालित इस अभियान का मुख्य उद्देश्य अनुपयोगी कबाड़ का पुनः उपयोग, सुदृढ़ प्लास्टिक पुनर्चक्रण, रेल ट्रैक की गहन सफाई और आम नागरिकों के बीच जागरूकता बढ़ाना है।

अभियान के तहत 'कबाड़ से जुगाड़ / कबाड़ से कला' पहल के जरिए पुराने सिग्नलिंग उपकरणों, कोच के पुर्जों और धातु कबाड़ को सुंदर कलाकृतियों में बदला गया है। मालदा टाउन कोचिंग डिपो द्वारा मालदा इकोलॉजिकल पार्क में 'स्क्रैप-टू-आर्ट' इंस्टॉलेशन, विक्रमशिला ब्लॉक में तोप की आकृति, एमडीडीटीआई मालदा के प्रवेश द्वार पर जुड़वां हाथियों की प्रतिमाएं, जमालपुर शेड की कृतियां तथा भागलपुर कोचिंग डिपो द्वारा भारतीय रेल के शुभंकर ह्यभोलू झ्र द गार्डह्न का प्रभावशाली चित्रण किया गया है।

इसके साथ ही प्लास्टिक कचरा प्रबंधन को मजबूत करने के लिए स्टेशनों और आवासीय कॉलोनियों में 'प्लास्टिक रीसाइक्लिंग मेले' आयोजित किए जा रहे हैं। हावड़ा, श्रीरामपुर, तारकेश्वर और बैंडेल में प्लास्टिक संग्रहण अभियान चलाया गया, जबकि अजीमगंज में चार-तरफा कचरा पृथक्करण और सिंगल-यूज प्लास्टिक के बहिष्कार का संदेश दिया गया। शैक्षणिक स्तर पर जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से भागलपुर के राजकीय उर्दू मध्य विद्यालय में स्कूली बच्चों के बीच स्वच्छता सत्र आयोजित हुआ।

स्वच्छता अभियान के अंतर्गत भागलपुर स्टेशन के नाथनगर छोर पर ट्रैक की विशेष सफाई, रामपुरहाट में सौंदर्यीकरण तथा बर्द्धमान स्टेशन पर स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझि ने बताया कि कबाड़ के रचनात्मक उपयोग, प्रभावी रीसाइक्लिंग और जन-भागीदारी के जरिए पूर्व रेलवे कचरे को संपदा में बदलकर हरित और सतत रेल नेटवर्क के निर्माण की दिशा में तेजी से अग्रसर है।

पूर्व मध्य रेल के केंद्रीय अस्पताल में पोषण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बिहान भारत

हाजीपुर : राष्ट्रीय पोषण माह-2026 के अंतर्गत पूर्व मध्य रेल के पटना स्थित केंद्रीय सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में पर्याप्त प्रोटीन सेवन एवं आहार विविधता विषय पर एक विशेष पोषण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को दैनिक जीवन में संतुलित आहार और पोषण के प्रति जागरूक करना था। समारोह में मुख्य वक्ता डायटिशियन श्रीमती प्रेक्षी ने शरीर के विकास और स्वास्थ्य के लिए प्रोटीन की उपयोगिता पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने प्रोटीन के विभिन्न प्राकृतिक स्त्रोतों की जानकारी देते हुए दैनिक भोजन में विविध और संतुलित खाद्य पदार्थों को शामिल करने के व्यावहारिक उपाय बताए।

कार्यक्रम में चिकित्सा निदेशक डॉ. सुबोध कुमार मिश्रा, अन्य वरिष्ठ चिकित्सक, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ तथा अस्पताल में भर्ती मरीज उपस्थित रहे। मंच संचालन मंडल चिकित्सा अधिकारी डॉ. रीना रंजन द्वारा किया गया। यह जानकारी पूर्व मध्य रेल की मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चन्द्र द्वारा दी गई।

राजेंद्र पुल के समानांतर नवनिर्मित पुल पर जल्द शुरू होगा परिचालन, पूर्व मध्य रेल महाप्रबंधक ने लिया कार्यों का जायजा

बिहान भारत

हाजीपुरः पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग ने सोमवार को राजेंद्र पुल के समानांतर बने नवनिर्मित दोहरी रेल लाइन पुल से परिचालन शुरू करने की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने गढ़हरा एवं दिनकर ग्राम सिमरिया के बीच चल रहे कट एंड कनेक्शन कार्यों का जायजा लिया। इसके साथ ही समपार संख्या 2एन.बी. के समीप रिले हट और यार्ड रिमॉडलिंग स्थल की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित कार्यदायी एजेंसियों, दानापुर और सोनपुर मंडल की टीमों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान सोनपुर डीआरएम अमित सरन, दानापुर डीआरएम विनोद कुमार सहित मुख्यालय, दोनों मंडलों और इरकॉन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

लगभग 15.5 किलोमीटर लंबी इस संपूर्ण रेल परियोजना में गंगा नदी पर 1.9 किलोमीटर लंबा मुख्य पुल (17 स्टील स्पैन युक्त) शामिल है। यह नया पुल वर्तमान राजेंद्र पुल के समानांतर और पटना छोर की तरफ 50 मीटर की दूरी पर निर्मित किया गया है। परियोजना के अंतर्गत 3.6 किलोमीटर का रेल वायडक्ट और बड़े पुलों के अलावा 8 छोटे पुल, 2 आरओबी (सड़क उपरिगामी पुल) तथा 3 रेल ओवर रेल का निर्माण किया गया है।

इस पुल के शुरू होने से उत्तर और दक्षिण बिहार के साथ-साथ पूर्वोत्तर राज्यों (नॉर्थ-ईस्ट) के बीच रेल संपर्क और अधिक सुदृढ़ होगा। इससे यात्री ट्रेनों की गति और समयपालन में सुधार होगा, वहीं माल ढुलाई के समय और लागत में उल्लेखनीय कमी आएगी, जिसका सीधा लाभ व्यापार और उद्योगों को मिलेगा।

दक्षिण पूर्व रेलवे ने स्टेशनों पर शुद्ध पेयजल के लिए चलाया व्यापक अभियान, 24 हजार से अधिक जल टैंकों की सफाई पूरी

बिहान भारत

कोलकाताः दक्षिण पूर्व रेलवे के अंतर्गत आने वाले स्टेशनों पर यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर विशेष अनुरक्षण एवं स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत रेलवे अधिकार क्षेत्र के सभी सेक्शनों में जल स्त्रोतों, शोधन संयंत्रों, वाटर बूथों और वितरण नेटवर्क की सघन जांच व सुधारात्मक कार्य किए गए हैं।

रेलवे प्रशासन के अनुसार, नेटवर्क के अंतर्गत आने वाले सभी 24,033 जल टैंकों (भूमिगत, ओवरहेड, आरसीसी एवं पीवीसी) की सफाई का कार्य शत-प्रतिशत पूरा कर लिया गया है। पूर्व में 17,800 टैंकों की सफाई हो चुकी थी, जिसके बाद शेष बचे टैंकों को भी मिशन मोड में साफ कर दुरुस्त कर दिया गया है। इसके अलावा जल शोधन के लिए कार्यरत सभी 63 क्लोरीनेशन प्लांटों का तकनीकी निरीक्षण और अनुरक्षण पूरा किया गया, ताकि आपूर्ति में क्लोरीन का स्तर मानकों के अनुरूप बना रहे। जिन क्षेत्रों के कच्चे पानी में लौह तत्व अधिक पाया जाता है, वहां स्थापित सभी 23 आयरन रिमूवल प्लांटों और 52 प्रेशर/ग्रेविटी फिल्टरों की गहन सफाई व आवश्यक मरम्मत की गई है।

पेयजल की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य व चिकित्सा विभाग के समन्वय से नियमित सैंपलिंग की जा रही है। तय मानकों के अनुसार अवशिष्ट क्लोरीन स्तर की जांच हेतु 3,413 नमूने, बैक्टीरियोलॉजिकल परीक्षण के लिए 334 नमूने और रासायनिक परीक्षण के लिए 21 नमूने एकत्र कर प्रयोगशाला में परखे गए हैं।

इसके साथ ही वाटर कूलर और प्यूरिफायर के निरंतर रखरखाव के लिए वार्षिक अनुबंध के तहत मासिक सफाई सुनिश्चित की जा रही है। फील्ड स्टाफ द्वारा पाइपलाइनों, नलों और वाटर कूलर से होने वाले लीकेज को तुरंत ठीक किया जा रहा है, ताकि जल की बबार्दी रोकी जा सके। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि यात्रियों को सुरक्षित व निर्बाध जलापूर्ति उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए निरंतर निगरानी रखी जा रही है।

कबाड़ से कला, स्वच्छता से समृद्धिः आसनसोल रेल मंडल ने अनुपयोगी सामग्रियों से बनाई कलाकृतियां

बिहान भारत

आसनसोलः 'स्वच्छता ही सेवा 2026' अभियान के तहत पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल द्वारा कर्षण चल स्टॉक (टीआरएस) डिपो में कबाड़ से कला, स्वच्छता से समृद्धि नामक एक अनूठी पहल का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य रेलवे से निकलने वाली अनुपयोगी और कबाड़ सामग्री का रचनात्मक पुनर्चक्रण कर संसाधनों के उत्तरदायी उपयोग को बढ़ावा देना था।

इस कार्यक्रम के दौरान कुल चार प्रमुख गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनके तहत स्क्रैप व अनुपयोगी रेलवे सामग्री को आकर्षक कलाकृतियों और उपयोगी वस्तुओं में तब्दील कर टीआरएस परिसर में प्रदर्शित किया गया। इसके माध्यम से यह दशार्या गया कि सामान्यतः अपशिष्ट समझी जाने वाली चीजों को भी रचनात्मकता से नया स्वरूप और उपयोगिता दी जा सकती है।

इस पहल ने 'अपशिष्ट से संपदा' (वेस्ट टू वेल्थ) की अवधारणा को धरातल पर उतारते हुए पर्यावरण स्थिरता और संसाधन संरक्षण का संदेश दिया। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि स्वच्छता केवल कचरा हटाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उपलब्ध संसाधनों का बेहतर प्रबंधन और उनका पुनःउपयोग भी उतना ही आवश्यक है। आसनसोल मंडल इस तरह के अभिनव प्रयासों के जरिए रेलवे प्रतिष्ठानों में उत्तरदायी अपशिष्ट प्रबंधन की संस्कृति को निरंतर प्रोत्साहित कर रहा है।

स्वच्छ पानी मुहैया कराने के उद्देश्य से धनबाद मंडल में चला जा रहा है स्पेशल ड्राइव

बिहान भारत

हाजीपुरः धनबाद मंडल में पानी की क्वालिटी सुधारने के लिए एक स्पेशल ड्राईव चलाया जा रहा है, जिसके तहत पानी के स्टोरेज टैंकों की सफाई, क्लोरीनेशन/डिसइंफेक्शन, पानी की क्वालिटी की मॉनिटरिंग और सोर्स से लेकर नल तक ट्रीटमेंट की जरूरतों का रिव्यू किया जा रहा है। पानी के सोर्स से नल तक पानी की क्वालिटी का असेसमेंट किया जा रहा है ताकि उन जगहों की पहचान की जा सके जहां फिल्ट्रेशन या ट्रीटमेंट की आवश्यकता है।

सोर्स प्वाइंटस पर क्लोरीनेशन सुनिश्चित किया जा रहा है और कई स्टेशनों पर क्लोरीनेटर मशीनें लगाने का कार्य स्वीकृत है । पानी की सप्लाई पाइपलाइनों और पाइपिंग सिस्टम की समय-समय पर जांच की जा रही है और जांच के दौरान पाई गई कमियों को तुरंत ठीक किया जा रहा है। पानी क्वालिटी और रेसिडुअल क्लोरीन की जांच के नतीजों पर लगातार नजर रखी जा रही है और जहां भी जरूरत हो, जरूरी सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे है।

इसी कड़ी में वाटर टैंकों के सफाई हेतु धनबाद मंडल में 20.08.2026 से एक विशेष अभियान के तहत ओवरहेड, अंडरग्राउंड और पीवीसी सहित सभी 4608 पानी के टैंकों की सफाई की जानी है। इनमें से 18.09.26 तक 2386 पानी के टैंकों को साफ और डिसइंफेक्ट किया जा चुका है। बाकी टैंकों पर तेजी से काम पूरा करने के लिए कड़ी नजर रखी जा रही है। लोगों को स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 30 पीएस टैंक के बदलने कार्य की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। पूर्व मध्य रेल यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों को सुरक्षित, साफ और भरोसेमंद पीने के पानी की सुविधाएँ देने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसके तहत सभी मंडलों में लगातार मॉनिटरिंग, बचाव के लिए मेंटेनेंस और समय पर सुधार के कदम उठाए जा रहे हैं।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा डी बी कॉर्प लिमिटेड ,प्लॉट नंबर- 535 व 1272, नियर फारेस्ट ऑफिस, ललगुटवा, रांची - 835303, झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com